









قرآن و فقه اکیڈمی

انتظار حسين مدنى تشميري عخاعنه

ابو احمد مفتی انس رضا قادری های



فهرست فتوی نمبر

| | عقائد |
|------|---|
| 1001 | مردے زندوں کا کلام سنتے ہیں |
| 1002 | اسلام لانا سابقہ نمام گناہوں کو مٹاتا ہے۔ |
| 1003 | ہر کام اللہ کی مرضی سے ہو رہا ہے کہنا |
| 1004 | حضور صلی الله علیه وسلم الله کا نور بیں۔ |
| 1005 | قرآن مجید میں ایک حرف کی تبدیلی مجی ممکن نہیں |
| | طهارت |
| 1006 | تین ماه کا حمل ضائع ہو تو خون کا تھم |
| 1007 | بغیر وضو قرآن پاک چھونے کا تھم |
| 1008 | دائتوں پر خول چرمھانے کا تھم |
| 1009 | ناپاک کی حالت میں نعت پڑھنا |
| 1010 | حیض سے پہلے اور بعد سفید رطوبت کا تھم |
| 1011 | نجاست کے متعلق ایک در هم کی مقدار |

| 8 | |
|--------------------|----|
| | |
| 5 | |
| 8 | |
| E | -3 |
| THE REAL PROPERTY. | |
| 8 | |
| 8 | |
| 6 | 3 |
| | |
| 8 | |
| 8 | |
| 8 | 3 |
| | 3 |
| 5 | |
| 8 | |
| 8 | |
| 1 | |
| | |
| 8 | - |
| 8 | - |
| = | |
| | |
| 8 | |
| 8 | |
| 6 | |
| | |
| 5 | -3 |
| 8 | - |
| 8 | |
| | |

فهرست فتوی نمبر

| 1012 | معذور شرعی کا وضو کر کے بلا حائل قرآن بیاک چیونا |
|------|---|
| 1013 | بکی اور بچے کے پیشاب کو دھونے کا فرق |
| | اذان |
| 1014 | دوران سفر جماعت کے لیے اذان و اقامت |
| 1015 | غلط تلفظ ولى اذان كا اعاده |
| | نباز |
| 1016 | دعا ما گئتے ہوئے ہاتھوں کے درمیان فاصلہ |
| 1017 | نماز کے بعد بلند آواز سے ذکر کرنا |
| 1018 | شافعی امام کے پیچھے حنفی کی نماز کا تھم |
| 1019 | مجد میں نماز کے لیے جگہ خاص کر لینا |
| 1020 | واڑھی منڈانے سے توبہ کرنے والے کے پیچیے نماز پڑھنے کا تھم |
| 1021 | ناپاک کیڑوں میں بھول کر نماز پڑھنا |
| 1022 | نماز وترکی قضا کا تھم |

| 8 | | Г |
|---|----|---|
| 8 | | |
| 8 | | ٢ |
| 8 | -3 | Г |
| 6 | - | L |
| 8 | | |
| E | | H |
| 6 | - | |
| 를 | 3 | |
| | | H |
| 9 | 3 | |
| 5 | | |
| 5 | | - |
| 8 | | |
| 8 | | |
| 8 | 3 | - |
| 8 | 3 | |
| 8 | 3 | H |
| 6 | 3 | L |
| 8 | -3 | |
| 8 | | H |
| = | -3 | L |
| 1 | 3 | |
| 3 | | L |
| 8 | | |
| | | |
| | | |

| فتؤی تمبر | فهرست | |
|-----------|-------|--|
|-----------|-------|--|

| 1023 | نماز جنازه کا تھم |
|------|--|
| 1024 | نماز میں خود خدا کے سبب رونا |
| 1025 | نماز میں رب اجعلنی کی جگه کوئی اور دعا پڑھنا |
| 1026 | عورت کا جوڑا باندھ کر تماز پڑھنا |
| 1027 | مرد کا جوڑا بناکر نماز پڑھنے کا تھم |
| 1028 | نماز میں منہ میں کوئی چیز رکھنا |
| 1029 | خواجہ سراکی امامت کا تھم |
| 1030 | چلتی گاڑی میں نماز پڑھنے کا تھم |
| 1031 | مغرب کی اذان و جماعت کے در میان نقل پڑھنا |
| 1032 | نماز میں ہاتھ ناف کے نیچے بائدھنا |
| 1033 | حطیم کعبہ میں نماز پڑھنے کا تھم |
| 1034 | تماز میں درود پاک اور وعا نہ پڑھنے کا تھم |
| 1035 | نماز اوابین میں مغرب کی سنتیں شامل ہیں |

| | فتؤی نمبر | فهرست |
|--|------------------------------|---|
| 5 | | |
| 99 | 1036 | نماز کی نیت میں غلطی کی تو |
| | 1037 | کھانا حاضر ہو تو جماعت سے نماز |
| 3 | 1038 | دوران نماز قراءت س کر سجان الله کبنا |
| 99 | 1039 | تعدے میں پاؤں کی انگلیاں قبلہ رو کرنا |
| 9 | 1040 | سنتوں کی آخری رکعت میں سورت نہ ملانا |
| 99 | | مسجل |
| | 1041 | مسجد میں سکول ٹیوشن پڑھانا |
| | 1071 | |
| | 1041 | مبحد کے چندے سے جنازے کی چارپائی خریدنا |
| 666 | | مسجد کے چندے سے جنازے کی چارپائی خریدنا مسجد کے صحن میں کسی کو دفنانا |
| 66 | 1042 | |
| 000000 | 1042 1043 | مسجد کے صحن میں کسی کو دفنانا |
| 00000000 | 1042 1043 1044 | مسجد کے صحن میں کسی کو دفنانا مسجد کے چندے سے محفل میلاد کرنا |
| Contract Con | 1042 1043 1044 | مسجد کے صحن میں کسی کو دفنانا مسجد کے چندے سے محفل میلاد کرنا مسجد کے چندے سے محفل میلاد کرنا مسجد میں دینا |
| Contract Con | 1042 1043 1044 1045 | مسجد کے صحن میں کسی کو دفانا مسجد کے چندے سے محفل میلاد کرنا سمریلو صدقہ بکس سے پیسے لے کر مسجد میں دینا تلاوت |

| 8 | |
|---|----|
| 8 | |
| | |
| 8 | |
| 8 | 3 |
| = | |
| | |
| 8 | |
| 8 | |
| | 1 |
| 5 | |
| 8 | |
| 6 | 1 |
| | |
| 8 | |
| 8 | |
| | |
| | |
| 8 | |
| 8 | 3 |
| _ | |
| 5 | |
| 8 | |
| 6 | |
| | |
| 8 | |
| 8 | |
| 5 | |
| | |
| = | -3 |
| 8 | |
| 8 | |
| | |
| | |

| 2 leni | | |
|---------|-------|--|
| حوی مبر | فهرست | |

| 1047 | پیے دے کر قرآن خوانی کروانا |
|------|--|
| 1048 | ایک مجلس میں آیت سجدہ کو ایک سے زائد بار پڑھنا |
| | تكام و طلاق |
| 1049 | طلاق دے دوں گا کہنے سے طلاق کا تھم |
| 1050 | زانی کا مزنیہ کی بٹی سے نکاح کرنے کا تھم |
| 1051 | محرم الحرام میں شادی کرنا |
| 1052 | 12 سال کی پکی سے شادی کرنا |
| 1053 | تکارے لیے لڑکی کو ایک بار دیکھنا |
| 1054 | شادی میں پیسے اڑانے کا تھم |
| | منت |
| 1055 | منت والے گوشت سے خود کھانا |
| 1056 | بكرا ذيح كرنے كى منت ميں مجھڑا ذيح كرنا |
| | سيرت |

| 8 | |
|---|----|
| 8 | |
| 6 | -3 |
| 1 | 3 |
| | |
| 5 | - |
| 8 | - |
| 8 | |
| 8 | |
| 6 | |
| 1 | |
| | |
| 9 | |
| 8 | |
| 8 | |
| 8 | |
| Ē | 3 |
| = | |
| | |
| 9 | |
| 5 | |
| 8 | -3 |
| 8 | |
| 8 | |
| = | 3 |
| 1 | 3 |
| | |
| | |
| | |

| فتوی نمبر | فهرست | |
|-----------|-------|--|
| فتوی تمبر | فهرست | |

| 1057 | مولی علی کرم اللہ وجہہ الکریم کی بیویاں اور بیچے |
|------|--|
| 1058 | والده مصطفی صلی الله علیه وسلم کی وفات و مزار |
| 1059 | امام حسن رضی اللہ عنہ خلفائے راشدین میں سے ہیں |
| 1060 | صدیق اکبر رضی الله عنه کی وفات و نماز جنازه |
| 1061 | حكيم لقمان رضى الله عنه كا تعارف |
| 1062 | میدان کربلا میں سے پہلے شہید |
| 1063 | صحابہ کرام رضوان اللہ علیم اجمعین کی تعداد |
| 1064 | كربلا ميں مولى على كرم اللہ وجهہ الكريم كے بينے |
| 1065 | حضرت جعفر طیار رضی اللہ عنہ کا تعارف |
| 1066 | حضور صلی اللہ علیہ وسلم کی سب سے آخری امامت |
| 1067 | خضر علیہ السلام نے آب حیات پیا تھا |
| 1068 | حضور صلی اللہ علیہ وسلم سے ثابت خوشبو کا نام |
| 1069 | عبیلی علیه السلام کو روح الله کہنے کی وجہ |

| 8 | |
|---------|----|
| 8 | |
| | |
| 8 | |
| 是 | |
| 8 | |
| 8 | |
| <u></u> | |
| 8 | |
| 8 | |
| 2 | -3 |
| 8 | |
| 8 | |
| 2 | |
| 8 | |
| = | |
| 2 | |
| 8 | |
| 8 | |
| 2 | |
| 8 | |
| 8 | |
| = | -3 |
| - | |
| 8 | -3 |
| 6 | |
| | |
| 8 | |
| 3 | |
| | |
| 8 | |
| 8 | |
| | |
| 8 | |
| 8 | |
| | |

| فتؤى نمبر | فهرست |
|-----------|-------|
| - | /- |

| | ذبح |
|------|--|
| 1070 | ذی میں دو رکیں کئیں تو جانور کا تھم |
| 1071 | ذرج سے پہلے جانور کو بھوکا پیاسا رکھنا کیسا؟ |
| 1072 | بڑے جانور سے ایک سے زائد عقیقے کرنا |
| 1073 | ناپاک کی حالت میں جانور ذرج کرنے کا علم |
| | جائزوناجائز |
| 1074 | کھانا کھاتے ہوئے باتیں کرنے کا تھم |
| 1075 | غیر اللہ (والدین وغیرہ) کی قشم اٹھانے کا تھم |
| 1076 | عورت کے سلام کا جواب دینے کا تھم |
| 1077 | مرد کا بیوی کو خون عطیه کرنا |
| 1078 | سی کے مرنے پرسی کو چالیس دن تک کھانا کھلانا |
| 1079 | کسی معزز دبنی کے لیے تنظیما کھڑے ہونے کا تھم |
| 1080 | مردوں کا کندھوں کے نیچے تک بال رکھنا |

| | 8 | |
|---|------|---|
| | 2 | |
| | 9 | |
| | 8 | |
| | 2 | |
| | | |
| | 8 | |
| | - | |
| | Sec. | |
| | 9 | |
| | 5 | |
| | | |
| | 9 | |
| | 8 | |
| | 2 | |
| | | |
| | 8 | |
| | 2 | |
| | | |
| | 8 | |
| | 5 | 3 |
| \$0000000000000000000000000000000000000 | | |
| | 9 | |
| 400000 | 8 | 3 |
| 400000 | | |
| | 9 | |
| - B-B-B-B-B-B-B-B-B-B-B-B-B-B-B-B-B-B-B | 8 | |
| - B-B-B-B-B-B-B-B-B-B-B-B-B-B-B-B-B-B-B | 2 | |
| | | |
| | S | |
| | 5 | |
| | | _ |
| | 9 | |
| | 8 | |
| | | |

| 21: | * | |
|------------|--------|--|
| ا فتوی مبر | فہر ست | |
| 0 | / 6 | |

| 1081 | لڑکی پر پردہ لازم ہونے کی عمر |
|------|------------------------------------|
| 1082 | محمروں میں جانداروں کے مجسے رکھنا |
| 1083 | حلق یا تقفیر خود کرنے کا تھم |
| 1084 | ید ندھبوں سے دلی نفرت رکھنا |
| 1085 | چیو نٹیوں کو مارنے کا تھم |
| 1086 | سلام کے الفاظ میں اضافہ کرنا |
| 1087 | سود خور کے ہاں میلاد کا لنگر کھانا |
| 1088 | کارٹونز میں عورت کی آواز کا تھم |
| 1089 | وکالت کے پیشے کا تھم |
| 1090 | الو کو منحوس سجھنا |
| 1091 | بد نگابی کا انجام |
| 1092 | بیوی کو حور کہنے کا تھم |
| 1093 | عورت کا مردانہ جوتا پہننا |

| 8 |
|----|
| |
| |
| |
| 53 |
| 8 |
| 9 |
| 9 |
| 9 |
| 9 |
| 4 |
| 9 |
| |
| 9 |
| F |
| 9 |
| 9 |
| T |
| T |
| T |
| T |
| T |
| T |
| |

| فتؤى نمبر | فهرست |
|-----------|-------|
| | |

| 1094 | مسلمانوں کا راتھی باندھنا بندھوانا |
|------|--|
| 1095 | مصافحہ کر کے اپنا ہاتھ چومنے کا تھم |
| 1096 | مرد کے لیے سونے جاندی کے بٹن لگانا |
| | متفرقات |
| 1097 | عماے کے سات رنگ |
| 1098 | جعہ کے ون مرنے کی فضیلت |
| 1099 | دودھ پینے کی عمر میں کلام کرنے والے بیچے |
| 1100 | خانہ کعبہ کی پہلی تغییر کا وقت |

فيمان آخرى بنى مَثَلِّ الْمُثَلِّدُ الْمُ

ایک فقیہ (عالم) ہزار عابد (عبادت گزاروں) سے زیادہ شیطان پر سخت ہے۔

("وسنن الترندي"، كتاب العلم ، باب ماجاء في فعل الفقد على العبادة ، الحديث: 2690، جلد4، صفح 311)





الرضاقرانوفقه اكيدمي (1001)

= مردے، زندوں کاکلام سنے ہیں =

سوال: کیامر دے زندوں کی آواز سنتے ہیں؟

معبدمنية (USER ID

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق والصواب

(صحیح ابخاری، تاب المغازی، باب قتل ابی حجل، الحدیث: ۳۹۷۱)

معنفات الى العباس مل بنا عن إن هريرة رض الله عنه قال قال رسول الله مراحة ما من احديد بقر اخيه المومن كان يعرفه في الدنيا فيسله عليه الاعرفه ورد عليه السلام ترجمه: حفرت الوجريره رضى القدعنه ب روايت ب كه رسول الله صلى الله عليه الراس و المايا: "جو تخص بهى البياسي جائے والے كى قبرير گذرتا ہے, اور اس كوسلام كرتا ہے, وه مروه اس كو بہيان ليما ہے, اور اس كوسلام كرتا ہے، ««

(مصنّفات ألي العبّاس الأصمّ: 419 / 11)

انتظارحسين مدن كشبيرى عنى ته 29 متر النتر 1445 م15 يولاكي 2023 م



Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

(3Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

فقری مسائل کروپ Fighi Masail Group

Phone No:+923471992267

المسال تُلِيدُ وَالْمُرِانِ مُرِّمُ وَالْمُورِينِ مِنْ مُرِاحُونَ مِنْ الدُورِينِ وَالْمُورِينِ الْمُورِينِ وَالْمُرِينِ الْمُورِينِ وَالْمُرِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَلَّامِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُلْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَلْمُرِينِ وَالْمُرْمِينِ وَلِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَلْمُرِمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُوالِمِينِ وَالْمُوالِمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُرْمِينِ وَالْمُعِينِ وَالْمُعِلِي وَالْمُوالِمِينِ وَالْمِلِينِ وَالْمُعِلِي وَالْمُعِلِينِ وَالْمُعِلِي وَالْمُعِلِي وَلْمُعِلِي وَالْمُعِلِي وَالْمُعِلِي وَالْمُعِلِي وَالْمُعِلِي وَلْمُعِلِي وَالْمِلْمِينِ وَالْمِلِي وَالْمُوالِي وَالْمُعِلِي وَلْمُلْمِي وَالْمِلِي وَالْمِلْمِينِ وَالْمُعِلِي وَالْمُعِلِي وَل

الرضاقرانوفقه اكيدوي (1002)

_____ اسلام لا ناسابقہ تمام گناہوں کومٹاتاہے ____

سوال: كيااسلام لانے على سابقد تمام كناه معاف بوجاتے بيں؟

بسم الله الرحمن الرحيم الله الرحم الله الرحيم المحون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

جی ہاں اسلام سابقد تمام گاہوں کو مٹاویتا ہے۔ سید نا عمروین العاص رضی القد عند فراتے ہیں: لَهَاجَعُلَ اللهُ الإِسْلاَمَةِ قَلَيْنَ الْفِيقَ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ قَلُعُتُ : أَبْسُطَ بِيهُنَتَ فَدُ الْبِيعَتَ. فَبَهُ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ قَلُعُتُ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ الله عَنْ اللهِ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ ع

والله اعلم عزوجل و رسوله اعلم صلى الله عليه و آله وسلم كت

انتظارحسين مدنى كشبيرى عنى عنه 20 منر النفر 1445 م 5 جولائى 2023 ء



■ Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

فقیی مسائل کروپ Fighi Masail Group

Phone No:+923471992267

92313 895414

March Colon and Colon Co



الرضاقرانوفقه اكيدهي (1003)

= ہر کام اللہ کی مرضی سے ہورہاہے ، کہنا

سوال: يد كبناكه بركام الله كى مرضى سے بور باہے كيماہے؟

ىيال اشتياق عصارى:USER ID

بسم الله الرحمن الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

سوال میں یو چھاگیا جملہ کہنااس اعتبار ہے درست ہے کہ ہر کام اللہ کے چاہنے سے ہو تا ہے لیکن جو بھی ناجائز کام اگر کوئی کرتاہے توبیہ اللہ عزوجل کی رضانہیں البتہ اللہ عزوجل کی قدرت سے باہر نہیں ہے کیونکہ یہ عقیدہ رکھنا اسلامی عقائد کا حصہ ہے کہ ہر چھوٹا بڑاہر کام اللہ تعالی کے چاہنے سے ہی ہوتاہے،اس کی چاہت اور ارادے کے بغیر پچھ بھی نہیں ہو سکتا حتی کہ اگروہ نہ چاہے تو بندہ کچھ چاہ بھی نہیں سکتا چنانچہ اللہ عزو جل ارشاد فرماتا ب: وَ مَا تَشَاّعُونَ إِلَّا أَنْ يَشَاءَ الله رَبُّ الْعليينَ وَ أَن ترجمه كنز الايمان: اورتم كيا جامو

(القرآن، إره30، سورةالتكوير، آيت 29)

مگرید کہ چاہے المداسارے جہان کارب۔

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مبني كشبيرى عفيمته 8 ر كالاول 1445 هـ 26 تير 2023 و



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- 😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل گروپ

Phone No:+923471992267

المسأل شباب الشمش محمد بيريد ويتفادون مراحي البيب والوكامية والتاب البيال البيال البيال المراج والمالات 3895414



الرضاقرانوفقه اكيدمي 1004

صفور ملى الله كانور بي =

سوال: كيا فرمات بين علمائ وين ومفتيان شرع متين اس مسئله مين كه حضور مَثَوَيْنَا فِي كَوْور الله كبا جاتااس ك وضاحت كروي؟ بسم الله الرحمن الرحيم مدد تبردد ك USER ID: الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

الله باک نے تمام محکوق سے پہلے ہمارے آتا و مولا، محمرِ مصطفیٰ مُن ﷺ بھرکے نور کو اپنے نور سے پیدا

فرمایا، پھر ساری کا نتات کو اُسی نورے وجود بخشا اسی اعتبارے حضور منتی بینی کو نور اللہ یعنی اللہ کانور کہا جاتا

ہے۔مصنف عید الرزاق میں ہے: عن جابر بن عبدالله رضی الله عنهما قال: قلت یارسول الله

صر بابي انت وامي اخبرن عن اول شئي خلقه الله تعالى قبل الاشياء قال يا جابران الله تعالى قد

خلق قبل الاشياء نور نبيك من نورة ترجمه : حضرت جابرين عبد الله رضى الله عنهما عمر وى بانهول

نے فرمایا کہ میں نے ہار گاور سالت منتی آبنے میں عرض کیا: یار سول اللہ منتی آبنے! میرے مال باپ آپ پر

قربان! مجھے بتائیں کہ اللہ تعالی نے سب سے پہلے کس شے کو پیدا کیا؟ حضور نی آکرم مل اللہ اللہ فرمایا:

اے جابر! بے شک اللہ تعالی نے تمام مخلوق (کو پیداکرنے) سے پہلے تمبارے نبی (محمد مصطفی)کانور

ایے تور سے پیدافر مایا (الجز مالنفتود من الجز مالاول من المستف لعبد الرزاق، ص 63، مديث: 18، المواهب الله نيه، 1 / 36)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدني كشبيرى عفينه 12ر كالاول 1445 ه 29 سر 2023 م

Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fighi Masail Group فقیی مسائل گروپ

Phone No:+923471992267

المسل شياب المسترك مجمد بالمنافع المراحي المهدية التنافي المسترك المسترك المسترك المسترك المسترك المسترك المسترك 3895414



الرضاقرانوفقه اكيدمي (1005)

= قرآن میں ایک حرف کی تبدیلی بھی ممکن نہیں =

سوال: کیافرماتے ہیں علمائے دین و مفتیان شرع متین اس مسئلہ میں کہ کیسے معلوم ہو کہ جو قرآن پاک ہم پڑھ رہے ہیں مسلمانوں کاہے یا قادیانیوں کاہے؟

user ID: عامرعي

ماه بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

یہ عقیدہ رکھنا ہر مسلمان پر لازم ہے کہ قرآن باک جس حالت پر نازل ہواای حالت پر موجود ہے اس میں ایک حرف کی بھی تبدیلی نہی ہوئی کیو نکہ قرآن پاک کی حفاظت کاذمہ اللہ پاک نے خود لیاہے اس میں کسی

ك لي بهي رووبدل ممكن بي نبيس-فرمان بارى تعالى به: إنَّا نَعْنُ نُؤُلْمَا اللَّهِ كُمْ وَإِنَّا لَهُ لَكُوفُونَ (9) ترجمه:

بیتک ہم نے اس قرآن کو نازل کیاہے اور بیتک ہم خود اس کی حفاظت کرنے والے ہیں۔ (الرآن سرہ الجرات و)

اس آیت کے تحت تفسیر صراط الجنان میں ہے: یاد رہے کہ تمام جن وانس اور ساری مخلوق میں بیا طاقت

نہیں ہے کہ قرآن کریم میں ہے ایک حرف کی تمیشی یا تغییر اور تبدیلی کر سکے اور چو نکہ المداتعالی نے قرآن

کریم کی حفاظت کا وعدہ فرمایا ہے اس لئے میہ خصوصیت صرف قرآن شریف بی کی ہے، دوسری کسی کتاب کو

(تغبير صراط الجنان، سورة الحجر، تحت الآية 9،)

یہ ہات ٹیسر مہیں ۔ Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل گروپ Phone No:+923471992267

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدني كشبيرى عفينه 14 كالاول1445 م1 اكتر 2023 و



المسل شياب المست محديد والمعدود مي المحال المسيد المحال الما المعال المديد والما المعال المديد والما 3895414



الرضاقران وفقه اكية مى (1006)

= تين ماه كاحمل ضائع ہو توخون كا تكم =

سوال: تین ماه کاحمل ضائع ہو جائے توآنے والاخون حیض ہے یا نفاس یااستحاضہ ؟

بسم الله الرحمن الرحيم

الجواب بعون الملك الوهأب اللهم هداية الحق والصواب

تنین ماہ کا حمل ساقط ہو گیا تو آنے والا خون نفاس نہیں کہلائے گا کیو نکہ نفاس کے خون کے لیے یہ شرط ہے کہ بیجے کا ایک عضو (ہاتھ، یاؤں، انگلیاں) بن چکا ہو اور اعضاء کا بننا فقہائے کرام رسمتھم الله السلام کی تصریحات کے مطابق 120 دن کے بعد ہی شروع ہوتا ہے اس سے پہلے تہیں ہوتااور اگریہ خون تین دن تک جاری رہتا ہے تواس صورت میں یہ خون حیض کا شار ہو گا، جبکہ اس سے پہلے پاکی کے پندرہ ایام گزر کیے ہوں اور اگر خون تین دن ہے کم آیا یا پاکی کے ایام پندرہ نہیں گزرے توبیہ خون استحاضہ ہو گا۔۔ تنویرالابصار مع الدر التخار مي ج: "(وسقط ظهر بعض خلقه كيد أو رجل أو أصبح أو ظفر أو شعر، ولا يستبين خلقه إلا بعد مائة وعشرين يوما (ولد) حكما (فتصير) المرأة (به نفساء) مد مؤان لم يظهر له شيء فليس بشيء، والمرئ حيض إن دامر ثلاثا و تقدمه طهرتام وإلا استحاضة "يعني حمل ساقط موااور اس كا كوئى عضوين چكاتھا جيسے ہاتھ يا ہاؤل ياانگليال پاناخن يا ہال، تواس صورت ميں وہ حكماً بچيہ كہلائے گااور عورت آنے والے خون کے ذریعے نفاس والی شار ہو گی۔ یاد رہے کہ ایک سو ہیں دن کے بعد ہی عضو کا بننا ظاہر ہو تا ہے۔۔۔۔۔۔ورا کراس حمل کا کوئی عضو ظاہر نہیں ہوا تھا تواس صورت میں نفاس کا حکم نہیں ہو گا۔البتذاس صورت میں اگر یہ آنے والاخون تنین دن تک جاری رہے اور اس سے پہلے پاکی کے بندرہ دن گزر چکے ہوں تو به خون حیض کا شار ہو گا، ورنہ پھر استحاضہ کا شار ہو گا۔ ﴿ رَبِّ بِيدِ نَهِدَ بِيْهِ مِنْ مِنْ 10، سِيدَ وَ مِنْ

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظار حسين مدنى كشبيرى عفى عنه 20 مغرالنغر 1445هـ 6 جولائي 2023 و



إمليتها المتوكري بالمعاد أثما كالمتها فالابتاء الكالها التاسيط

Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fighi Masail Group فقیی مسائل کروپ



الرضاقران وفقه اكيد مى 1007

= بغیروضوقرآن باک کوچھونے کا تھم =

سوال: بغیر وضوقرآن باک کو چھونے کا کیا تھم ہے؟

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق والصواب

قرآن پاک یا اس کی کوئی آیت بغیر وضو چھونا حرام ہے ۔ اللہ پاک کا فرمان ہے: لا یکسُنة إلا (القرآن، سور ةالواقعه، آيت 79) الْبُطَهِّرُوْنَ أَرْ79) -ات پاك لوگ بى چھوتے ہيں ۔

سے روایت ہے،رسولِ اکرم ملی ایکی ارشاد حضرت عبد الله بن عمر رَضِيّ الله تُعَالَى عَنْهُمَا فرما یا دو قرآن باک کووی ہاتھ لگائے جو باک ہو۔ (مجم صغير، باب الباء، من اسمه بيحيي، ص ١٣٩، الجزءالثاني)

نور الايضاح من ب: الوضوعل ثلاثة اقسام: الاول فرض على المحدث للصلاة ولوكانت نفلاو

لصلاة الجنازة و سجدة التلاوة ولهس القرآن ولو آية ترجمه: وضوكي تين اقسام بين بهلي فتم حدث

والے پر نماز کے لیے چاہے نفل نماز ہواور نماز جنازہ کے لیے اور سحبدہ تلاوت کے لیے اور قرآن کو جھونے

کے لیے اگر چدایک ہی آیت ہو وضو کر نافر ض ہے۔

(نور الالضاح، كتاب الطهارة، فصل في اوصاف الوضوء، صفحه 37، المكتبة العصريه)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مبن كشبيرى عفينه 20 متر النفتر 1445هـ 6 جولائي 2023 و



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- 🈚 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل گروپ

Phone No:+923471992267

3895414

الماليف الموالي والمعادة كالتاسية المواجع التاميد التاميد

الصّاء و والميلا عليان سُول الله و المستواني وعلى الله والمحال المارة و المستواني المارة و المستواني المارة و المارة و

الرضاقرانوفقه اكيدمي (1008) = دانتول پرخول پرمانے کا تھم =

سوال: دانتوب کو کیڑا لگنے کی صورت میں دانتوں پر خول چڑ ہانا کیسا ہے؟ اور وضو و عنسل میں اسے آثار نا ضروری ہے یا نہیں ؟ اور مصنوعی داڑھ مسوڑھے سے لگوانے کا کیا تھم ہے؟

بسم الله الرحمن الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

ضر ورتا دانتوں پر خول چڑھانا شرعی طور پر جائز ہے اور اگر کسی نے خول چڑہایا ہو اگروہ خول منہ

میں فکس نہیں ہے کہ بآسانی اتر جاتا ہے، تواس کو اتار کر وضود عنسل کرنا ہو گا اور اگر ایسافکس ہے کہ بآسانی

اتر نہیں سکتا، بلکہ اتار ناتکایف دہ ہے، تو وضو و عسل کرتے ہوئے اگر چیداس کے پنیچے بانی نہ بھی جائے ،اس کو

اتار ناضر وری نہیں ہے۔اس کے بغیر ہی وضو و غسل ہو جائے گااور اس کے نیچے یانی نہ پہنچانے کو وُضومیں

ترک سنت اور عنسل میں ترک فرض قرار نہ دیا جائے گا ایسے ہی تار سے ہاندھا ہویا کسی مسالے وغیرہ سے

جمایا ہو یادانتوں میں چونایامیتی کی ریخیں جم گئی ہوں تو شرعی طور پر اس کے نیچے یانی بہاناضَر وری نہیں یو نہی

مصنوعی دانت لگوانے کی صورت میں اگر دانت کو آثار ناحرج ومَشَعَّت کا باعث ہو تو آثار کرنیچے یانی بہانے کی

حاجت نہیں۔

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدن كشبيرى عقمته 29مترالنتر 1445هـ 16 يولائي 2023 م



👩 Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

() Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل کروپ



الرضاقرانوفقه اكيدهي (1009)

= نایاکی کی حالت میں نعت پڑھنا =

سوال: کیاعورت ناباک کی حالت میں نعت رسول مقبول ملی مین بر صکتی ہے؟

حامد خان: USER ID

المدعدة بسم الله الرحمن الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

یو چھی گئی صورت میں تھم شرع ہے کہ عورت ناپاکی کی حالت میں نعت

پڑھ سکتی ہے البتہ بہتر ہے کہ نعت رسول ملی کیا ہے بیٹے وضو یا کلی کر

لے ۔ صدرالشریعہ مفتی امجد علی اعظمی علیہ الرحمہ لکھتے ہیں:ان سب (جن پر

غسل فرض ہو) کو۔۔۔درود شریف اور دعاؤں کے پڑھنے میں انھیں حَرَج

نہیں مگر بہتر ہیہ ہے کہ وُضو یا کلی کر کے پڑھیں۔

(بهارِ شریعت، جلداول، حصه دوم، صغحه 328، مکتبة المدینه، کراچی)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدن كشبيرى عفينه 8 ر كالاول 1445 هـ 26 تتر 2023 و



Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل کروپ

Phone No:+923471992267

المسلونيل المستركم بيري بالملابع المراحى بيب الدياب التابال البار يسيد بالاياب 3895414



الرضاقرانوفقه اكيدمى (1010)

= حین سے پہلے اور بعد سفیدر طوبت کا تھم

سوال: کیا فرماتے ہیں علمائے دین و مفتیان شرع متین اس مسئلہ میں کہ حیض شر وع ہونے سے پہلے اور اور حیض ختم ہونے کے بعد سفیدر نگ کی رطوبت نگلتی ہے کیا دو حیض کا حصہ ہے؟ معدد شعبب JSER ID: معدد شعبب

بسم الله الرحمن الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

یو چھی گئی صورت میں حکم شرع ہیے کہ بیر سفیدی حیض نہیں ہے کیو نکہ حیض کے چھ ر نگ ہیں جن میں سفید رنگ شامل نہیں لہذا سفید رنگ کی رطوبت حیض نہیں ہے۔ صدرالشریعہ بدرالطریقہ مفتی امجد علی اعظمی علیہ الرحمہ لکھتے ہیں: خیض کے چھ رنگ ہیں۔ (۱) سیاه (۲) سرخ (۳) سبز (۴) زرد (۵) گدلا (۲) شیلا۔ سفید رنگ کی رطوبت خيض نہيں۔

(ببارشر يعت، جلداول، حصه دوم، صفحه 372، مكتبة المدينة، كراجي)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدني كشبيرى عفينه 9ر كالاول 1445 - 27 تير 2023 و



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- 😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل کروپ
- Phone No:+923471992267

الصِّاءِ وَالشِّيلَاعَلَيْكُ وَالْمُنْ الْمُ اللَّهُ اللّ

الرضاقران وفقه اكيد مى (1011)

= نجاست کے متعلق ایک در هم کی مقدار =

سوال: کیا فرماتے ہیں علائے دین و مفتیان شرع متین اس مسئلہ میں کہ نجاستوں کے احکام میں ایک در هم کی مقدار کا لکھاہوتا ہے یہ مقدار کتنی ہو تو در هم کی مقدار کہلائے گی ؟

معبدعثبان :USER ID

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

ا یک در هم کی مقدار نجاست کے اعتبار ہے مختلف ہے نجاست گاڑھی ہو تو وہاں در هم سے مراداس

نجاست کاساڑھے چار ماشہ کا ہو ناہو گااورا گر نجاست پتلی ہو تولمبائی چوڑائی میں ایک در ھم کی مقدار مر او ہو

گی۔اس کی تفصیل بیان کرتے ہوئے مفتی امجد علی اعظمی علیہ الرحمہ لکھتے ہیں: نجاستِ غُلیظہ کادِر ہم پااس

سے کم یازیادہ ہونے سے مرادیہ ہے کہ نجاستِ غلیظہ اگر گاڑھی ہومتناً باخانہ، لیروغیرہ تو دِر ہم سے مراد

وَزُن مِين ساڑھے چار ماشہ (یعنی 4.374 گرام) ہے ، للذاا گر نَجاست وِر ہم سے زیادہ یا کم ہے تواس سے

مراد وزن میں ساڑھے چار ماشے سے کم یازیادہ ہونا ہے اور اگر نجاستِ غلیظہ پٹلی ہو جیسے پیشاب وغیرہ تو

دِر ہم ہے مراد لمبائی چوڑائی ہے یعنی ہھیلی کو خوب پھیلا کر ہموار رکھے اور اس پر آئِسٹگی ہے اِتنا پانی ڈالئے

کہ اس سے زیادہ پانی ندرُ ک سکے ،اب جتنا پانی کا پھیلاؤہے اُتنا بڑادِر ہم سمجھا جائے گا۔

(بهارشريعت، طد1، حد2، صلى 111، مكتبة المدينة، كرايي) والله اعلم عزوج ل ورسوله اعلم صلى الله عليه و آله وسلم

> انتظار حسين مدن كشبيرى على عند 12 ري الاول 1445 ح29 تير 2023ء



Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

() Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

www.argfacademy.com

فقری مسائل کروپ Fighi Masail Group

Phone No:+923471992267

192313 3895414 من المرابع الم الصّاء و والمثيلا عليا وسول الله المجالة المجالة وعلى الب واضعابات والمعالفة المحالة المجالة المحالة المحالة

الرضاقران وفقه اكية مى 1012)

= معذور شرعی کاوضو کرکے بلاحائل قرآن جھونا =

سوال: کیا فرماتے ہیں علائے دین و مفتیان شرع متین اس مسئلہ میں کہ 70 سالہ خاتون کو بیثاب کے قطروں کامرض ہے جو مسلسل آتے ہیں تو کیا دہ وضو کر کے قرآن کو چھو کر پڑھ سکتی ہے؟

بسم الله الرحين الرحيم ميرسية المورد ميرسية المواب المعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

ا گر ان کو اتنا وقت بھی نہیں ملتا کہ وضو کر کے فرض نماز ادا کر علیں تو وہ معذور شرعی ہیں

معذور شرعی کا تھم یہ ہے کہ وہ فرض نماز کاوقت ہو جانے پروضو کرے اور آخروقت تک جتنے فرائض ونوافل

چاہے اس وضو سے پڑھ سکتاہے نیزوہ قرآن کریم کو بغیر حاکل ہاتھ بھی لگاسکتاہے لہذایہ خاتون ایک فرض

نماز کے وقت کے اندر وضو کر کے بلا جائل قرآن کو چھو شکتی ہیں البتہ نماز کا وقت گزر جانے پر انہیں دوبارہ

سے وضو کرنا ہو گا۔ معذور شرعی کے متعلق تفصیلی کلام کرتے ہوے صدر الشریعہ مفتی امجد علی اعظمی علیہ

الرحمه لکھتے ہیں:''ہر وہ شخص جس کو کوئی ایس بیاری ہے کہ ایک وقت پوراایسا گزر گیا کہ وُضو کے ساتھ نمازِ

فرض ادانه کر سکاوہ معذور ہے،اس کا بھی یبی تھم ہے کہ وقت میں وُضو کر لے اور آخر وقت تک جتنی نمازیں

چاہے اس وُضو سے بڑھے ،اس بیاری سے اس کاؤضو نہیں جاتا۔

(بهارشريت جلد 1 ، حصه 2 ، مني 385 ، ملبوند كمتبة المدينة كرايي) والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

> انتظارحسين مدني كشبيرى عفينه 14 ر ڪال ول 1445 هـ 1 اکوبر 2023 و



() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل گروپ





الرضاقرانوفقه اكيدمي (1013)

= بى اورىچ كے بيثاب كود هونے كافرق =

سوال: کیافرماتے ہیں علائے دین و مفتیان شرع متین اس مسئلہ میں کہ ایک حدیث نظرے گزری جس میں فرمایا کہ بچے کا پیشاب کیڑے پر لگے تو بانی کے بھینٹے مار ویمی کافی ہیں اور لڑکی کا پیشاب لگے تو د ھولو۔ تو فقہ حقی میں لڑ کے اور لڑ کی کے پیشاب کاالگ علم ہے کیا؟ USER ID: مناف الما

بسم الله الرحين الرحيم

الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هدایة الحق والصواب فقد حنی میں لڑکی اور لڑکے کے پیشاب کا ایک ہی تھم ہے کہ جس کیڑے پر پیشاب لگے اس کیڑے کو

و هو یا جائے چھینٹے مارنے سے کپڑا ہاک نہیں ہو گا اور حدیث باک میں لفظ تضح آیا ہے جس کا معنی چھینٹے مار نا

نہیں بلکہ بانی بہانامر ادہے یعنی لڑکے کے پیشاب کو مبالغہ کے ساتھ دھونے کی نفی ہے مطلقاد ھونے کی نفی

نہیں۔ای طرح کی حدیث کے تحت مفتی احمد یار خان تعیمی علیہ الرحمہ لکھتے ہیں: یہاں تفعی کے معنی پنی

بہاناہے نہ کہ چھینٹادینااور لم یَغْسِلُ کے معنی ہیں بہت مبالغہ سے نہ دھویا کیونکہ ایسے لڑکے کاپیشاب بتلااور کم

بد بودار ہوتا ہے، ورنہ یہی تفنی حضرت اساء کی حدیث میں حیض کے خون کے بارے میں آ چکاہے اگریہاں اس

لفظے شیر خوار لڑکے کا پیشاب پاک مانا جائے یا وہاں چھینٹا مانا جائے توحیض کا خون بھی پاک مانٹاپڑے گااور

وہاں چھینٹاکا فی ماننایڑے گا۔

Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fighi Masail Group فقیی مسائل کروپ Phone No:+923471992267

(مرآة النائح شرح مثكاة المعائع، جلد 1، منح 468، ايپ)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظار حسين مدنى كشبيرى عفينه 14 كالدول 1445 م1 اكتر 2023 و



3895414

المسلوميل المستركم بيري بينفيد المحارك بيب الدياسية التاباليان بيد المارك المارك المارك المارك المارك المارك ا





الرضاقرانوفقه اكيدهي (1014)

____ دوران سفر جماعت کے لیے اذان وا قامت

سوال: سفر کے دوران اگر گاڑی رکے تو جماعت کر دانے کے لیے اذان وا قامت کہنی ہوگی یانہیں؟

نغشواه بسم الله الرحمن الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب ز فشهزاد :USER ID د وران سفر جماعت کے لیے اذان وا قامت کہی جائے کہ دوران سفر جماعت

کے لیے اذان واقامت کہنا مستحب ہے۔ فناوی ہندیہ میں ہے: وندب الأذان

والإقامة للمسافروالمقيم في بيته وليس على العبيد أذان ولا إقامة كذا

فی التبیین ترجمہ: اور مسافر کے لیے اور مقیم کے لیے گھر میں اذان وا قامت

کہنامستحب ہے اور غلاموں پر نہاذان ہے نہا قامت ایساہی سبین میں ہے۔

(فآوي ہند ہيە، جلد 1 ، صفحہ 53 ، کو ئنہ)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليمو آله وسلم

انتظارحسين مدن كشبيرى عفينه 5 ر ڪالاول 1445 <u>م</u>22 تير 2023و



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- <u>www.argfacademy.com</u>
- 😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل کروپ
- Phone No:+923471992267

3895414

פורות בית בים טוצוני

برائدايسال تواب



الرضاقران وفقه اكيد مى 1015

غلط تلفظ والى اذان كااعاده

سوال: کیافرماتے ہیں علمائے دین و مفتیان شرع متین اس مسئلہ میں کہ اذان غلط کہی گئی تواس کااعادہ کیا

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

اذان میں تلفظ کی ایسی غلطی جس سے معنی بگڑ جائیں جائز نہیں جیسے اکبر کی

جگہ اکبار پڑھا تو یہ حرام ہے اور ایسی اذان کا جواب بھی نہ دیا جائے اور ایسی اذان

کہی گئی تو دوبارہ درست تلفظ والا اذان کا اعادہ کرے۔ صدر الشریعہ مفتی امجد

علی اعظمی رحمیة الله علیه فرماتے ہیں: کلمات اذان میں کن حرام ہے، مثلاالله با

ا كبركے ہمزے كومد كے ساتھ آللّٰہ ياآ كبريرٌ هنا، يوہيں اكبر ميں بے كے بعد الف

بڑھاناحرام ہے۔

(بهار شریعت، جلد1، حصه 3، صغیه 468، مکتبة المدینه، کراچی)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدني كشبيرى عفيمنه 9ر كالاول 1445 - 27 تير 2023 و



Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل کروپ

Phone No:+923471992267

المسل تبليد الشمشة مجمرين ويتخاصون مراحي ويبد الوكانية والتال البال البال المال المالية 3895414



الصّادة والسِّيلاعليك رسُول من المجالة المجالة وعلى المن واضحابك المحديث من المحديث المدادة المحديث المدادة المحديث المدادة ا

الرضاقرانوفقه اكيدهى 1016

____ دعاما تکتے ہوئے ہاتھوں کے در میان فاصلہ ____

سوال: وعاما تکتے ہوئے ہاتھ جوڑ کرر کھے جائیں یا ہاتھوں کے در میان فاصلہ ہونا چاہیے درست طریقہ کیا ہے؟

جال مست:USER ID

مرسد بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

د عاما تکتے ہوئے دونوں ہاتھوں کو بھیلا کرر کھنا کہ ان دونوں میں فاصلہ ہوا فضل ہے لہذا

دعاما تکتے ہوئے ہاتھوں کو ملانے یاایک ہاتھ پر دوسراہاتھ چڑہانے کے بجائے ہاتھوں کو بھیلا

کر در میان میں فاصلہ رکھ کر دعا مانگی جائے یہی درست طریقہ ہے۔حضرتِ سّیدُ ناعلامہ

اساعیل حقی عَلَیْهِ رَحْمَةُ اللهِ الْقَوِی فرماتے ہیں: افضل یہ ہے کہ دعامیں دونوں ہاتھوں

کو پھیلائے اور ان کے در میان فاصلہ رکھے اگرچہ قلیل ہو۔ ایک ہاتھ کو دوسرے پر نہ

- 262

(رول البيان، ب٨، الاعراف، تحت الآية: ١٤٨ / ١٤٨ كتافاً)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدنى كشبيرى عنى عنه 20 مغرال نفر 1445 م 6 جولائى 2023 ،



March Colon Colon

Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

n www.argfacademy.com

فقیی مسائل کروپ Fighi Masail Group فقیی مسائل کروپ

الصِّاءِ وُوالشِيلاعليٰالِ سُول اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ

الرضاقران وفقه اكيد مى 1017

= نماز کے بعد بلند آواز سے ذکر کرنا

سوال: نمازك بعد بلندآ وازے ذكر كرنے كاكيا علم ب؟ اوراس كابہتر طريقه كياہے؟

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

نماز کے بعد بلند آواز سے ذکر کرنا شرعاً جائز ہے اوراس کا ثبوت احادیث سے ماتا ہے

البنة بلند آوازے ذکر کرنے میں یہ احتیاط پیشِ نظر رہے کہ سوتے ہوئے لوگوں کی نیند

میں خلل نہ آئے یا نمازی یا تلاوت کرنے والے کو تشویش نہ ہو۔ صحیح مسلم میں ہے:

حضرت ابن عباس رَضِيَ اللهُ تَعَالى عَنْهُمَا عِيهِ مروى ہے: "فرائض سے فارغ ہو كربلند آواز

سے ذکر اللہ کرنا حضور صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَالِهِ وَسَلَّم كَ زمانه ميں مروح تھا۔

حضرت عبد الله بن عباس رضی الله عنهما بیان کرتے ہیں کہ (بجین میں اپنے گھر میں)

جب میں اِس ذکر کی آواز سنتاتو جان لیتا کہ لوگ نمازے فارغ ہو چکے ہیں۔"

(صحيح مسلم، كتاب المساجد، باب استحباب الذكر بعد الصلاة، ص ٢٩٣، حديث: ٥٨٣ ـ)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مبن كشبيرى عفينه 20 مغرالنغر 1445هـ 6 جولائي 2023 و



www.argfacademy.com

🈚 Fighi Masail Group فقیی مسائل گروپ Phone No:+923471992267



الرضاقران وفقه اكيد مى 1018

= شافعی امام کے پیچے حنفی کی نماز کا تھم =

سوال: کیا شافعی امام کے پیچھے حنفی کی نماز جائز ہے ؟ شافعی حضرات ظہر کی نماز حنفی وقت ہونے سے پہلے پڑھتے ہیں کیاان کے پیچھے حنفی کی نماز ہو جائے گی؟

بسم الله الرحين الرحيم المعالب المعالدة الحق والصواب الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق والصواب

شافعی امام سنی سیخے العقیدہ ہے اور طہارت وشر الطاوار کان نماز میں مذہب حقی کی رعایت کرتاہے تواس کے پیچے حقی کی نماز بلا کراہت جائز ہے اور اگر حقی کو معلوم ہو کہ خاص اس نماز میں شافعی امام نے مذہب حقی کی رعایت نہیں کی ہے مثلاً ٹون تکلااور اس نے وضو نہیں کیا یا جو تھائی سر ہے کم کا اس نے مسلح کیا، یا عصر یاعشاء کا وقت مذہب شافعی کے مطابق ہو گیاتھا مگر ابھی مذہب حقی کے اعتبارے نماز کا وقت نہیں ہوا تھا اور اس نے عصر یاعشاء پڑھائی تواس کے پیچھے حتی کا نماز پڑھنا جائز نہیں۔ اعلیٰ حضرت امام اہلسنت سید نا امام احمد رضاخاں قد س سر والعزیز فرماتے ہیں: "اگر شافعی طہارت و نماز میں فرائض وار کان میں مذہب حقی کی رعایت کرتا ہے اس کے پیچھے نماز بلا کراہت جائز ہے اگر چہ حقی کے پیچھے افضل ہے ،اور اگر حال رعایت و عدم رعایت معلوم ہو تو قدرے کراہت کے ساتھ جائز اور اگر عادت عدم رعایت معلوم ہو تو کراہت کے ساتھ جائز اور اگر عادت عدم رعایت معلوم ہو تو کراہت کے ساتھ جائز اور اگر عادت عدم رعایت معلوم ہو تو کراہت کے ساتھ جائز اور اگر عادت عدم رعایت معلوم ہو تو کراہت کے ساتھ جائز اور اگر عادت عدم رعایت معلوم ہو کہ خاص اس نماز میں رعایت نہ کی تو حقی کو اس کی اقتدا جائز نہیں اس کے پیچھے نماز نہ ہو گی صور تِ اول و دوم میں شریک ہو جائز اور صور تِ سوم میں شریک نہ ہو اور چہارم میں تو ختی کا نہ ہو ایک کی صورتِ اول و دوم میں شریک ہو جائز اور صور تِ سوم میں شریک نہ ہو اور چہارم میں تو نوری میں طریک نہ ہو اور چہارم میں تو نوری میں شریک ہو جائز اور کی مذہب ہو کہ خاص اس نماز ہی باطل ہے ۔

(توری رضویہ جدد 3 مضور کے دوم میں شریک ہو جائز اور کی رضویہ جدد 3 مضور کے دوم میں شریک ہو جائز اور کی رضونہ جدد 3 مضور کے دوم میں شریک ہو جائز اور کی رضونہ جدد 3 مضور کے دوم میں شریک ہو جائز اور کی دور کی دور کی میں دور کی دوم میں شریک ہو جائز اور کی دور کی دو

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليمو آلموسلم

انتظار حسين من كشبيرى عنى عنه 302 كالول 1445 م 2023 و



المسال توالى الماليان عجد فالعد المنافعة المنافع

■ Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

www.argfacademy.com

الم Fighi Masail Group فقرى مسائل كروب



الرضاقرانوفقه اكيدهي 1019

= مجدمیں نماز کے لیے جگہ خاص کرلینا

سوال: کچھ لوگ مسجد میں آگراہے لیے جگہ مخفی کرنے کے لیے ایک جگہ ٹوپی یار ومال رکھ دیے ہیں اور وضو کرنے چلے جاتے ہیں اس کی شرعی حیثیت کیاہے؟

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

مسجد میں اپنے لئے اس طور پر کوئی جگہ مقرر کر لینا کہ بندہ خاص اس جگہ پر نماز

پڑھے،اس کے علاوہ اور جگہ نہ پڑھے، تو یہ مکروہ ہے ۔البتہ اگر اس طرح با قاعدہ جگہ

مخصوص کرنے کا کوئی معاملہ نہیں ہوتا، مثلاً کوئی شخص مسجد میں آیااور کسی جگہ کوئی کپڑا

وغیرہ رکھ کروضو وغیرہ کرنے چلے گیااور پھر بعد میں اس جگہ آکر بیٹھ گیا، تواس میں کوئی

حرج نہیں ورنہ مکروہ ہے۔ صدر الشریعہ بدرالطریقہ علامہ مفتی محمدامجد علی اعظمی علیہ

الرحمة والرضوان تحرير فرماتے ہيں: مسجد ميں كوئى جگه اپنے لئے خاص كرلينا كه وہيں نماز

(بہار شریعت، جلداول، حصہ سوم، صفحہ 626، مکتبۃ المدینہ، کراچی)

پڑھے میہ مکروہ ہے۔ (بہار شر

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظار حسين مدنى كشبيرى عنى عنه 302 كالاول 1445 م202، لا كال



- Al Raza Quran-o-Fiqh Academy
- (Al Raza Quran-o-Fiqh Academy
- www.argfacademy.com
- الم مسائل كروپ Fighi Masail Group فقرى مسائل كروپ
- Phone No:+923471992267

المال تُولِ وَالْمِنْ الْمُوالِينِ مُولِ مِنْ الْمُولِينِينِ مِنْ الْمُولِينِينِ مِنْ الْمُولِينِ لِلْمِنْ الْمُولِينِ مِنْ الْمُولِينِ مِنْ الْمُولِينِ مِنْ الْمُولِينِ مِنْ الْمُولِينِ مِنْ الْمُولِينِ مِنْ الْمُعْلِينِ وَلِيلِينِ مِنْ الْمُعْلِينِ الْمُعْلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعْلِينِ الْمِنْ الْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعْلِينِينِ الْمُعِلِينِ الْمِنْ الْمُعِلْمِينِ الْمُعِلِينِ الْمُعِي



بسم الله الرحمن الرحيم عدد مددع إذا R ID:

الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق والصواب

یو کھی گئی صورت میں جب تک اس کی توبہ میشاہدے سے قابل اطمینان نہ ہو جائے وہ امامت نہیں کروا سکتااورا گراس کی توبہ قابل اطمینان ہو تو داڑھی مکمل ہونے سے پہلے بھی لامت کرواسکتا ہے۔ البتہ جو حفاظ ر مضان المبارك میں داڑھی تراویج پڑھانے کے لیے حیلہ کرتے ہیں پھر کٹوادیتے ہیں ان کی توبہ کااعتبار تہیں۔فاسق کی تویہ کے قبول کرنے اور اسے امام بنانے کے بارے میں فآوی رضوبہ میں ہے:" الله عزوجل اينے بندوں كى توبہ قبول فرماتا ہے اور گناہ بخشا ہے۔ روَ هُوَالَّذِيْ يَقُبَلُ التَّوْبَةَ عَنْ عِبَادِةِ وَيَعْفُوْا عَنِ السَّيّاتِ) (یعنی: اور وہی اینے بندوں کی توبہ قبول کرتا ہے اور گناہ معانِ کرتا ہے)جولوگ توبہ نہیں مانتے ، گنہگار ہیں، ہاں اگراس کی حالت تجربہ سے قابل اطمینان نہ ہو اور یہ کہیں کہ تونے توبہ کی اللہ توبہ قبول کرے۔ ہم تحجے امام اس وقت بنائیں گے ، جب تیری صلاح حال ظاہر ہو ، توبیہ بجاہے۔ ''

(قَآوِي رَضُوبِهِ ، جِلْدَ 6 ، صَفِّحَ 605 ، رَضَا فَاوِنَدُ بِيثُنِ ، لا عور)

فسق اعلانیہ کامر تکب شخص اگرایے گناہ سے توبہ کرلے اور توبہ کے بعد اس کی ظاہری حالت قابل اطمینان ہو جائے، تواس کوایام بنانے میں حرج نہیں۔ جیسا کہ سیدی اعلیٰ حضرت سے فاسق معلن جس نے ا پئے گناہوں سے توبہ کرلی تھی،اس کی امامت کے بارے میں سوال ہوا، توآپ نے جواب میں فرمایا: "جب بعد توبہ صلاح حال ظاہر ہو ،اس کے پیچھے نماز میں حرج نہیں،اگر کوئی مالع شرعی نہ ہو۔''

(قى وى رضويە ، جېد 6 ، صفحه 605 ، رضا فاۇتذىيىش ، لاھور)

والله أعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدني كشبيرى عفينه 29مترالطنر1445هـ16 بولائي 2023ء Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fighi Masail Group فقیی مسائل کروپ



الرضاقران وفقه اكيد مى 1021 اپاک کپڑوں میں بھول کر نماز =

سوال: اگر کپڑے ناپاک تھے اور پنۃ نہیں تھا نمازیں پڑھیں اگلے دن پنۃ چلاتوجو نمازیں پڑھیں ان کا کیا تھم ہے؟ اسدعماري:USER ID

المديماء بسم الله الرحين الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

ا گر کپڑوں میں نجاست بقذرِ مانع (یعنی اتنی نجاست ہونا کہ جس سے نماز نہ ہو) لگی ہو

اور بھول کران میں نماز پڑھ لی بعد میں بتا جلا کہ کپڑے نا پاک تھے تو نماز دو بار ہ پڑھناہو گی ،ا گر

وقت گزرنے کے بعد پتا چلا تو قضا کی نتیت سے پڑھنا ہو گی۔المبسوط للسر خسی میں ہے:واذا

صلى و في ثوبه من الروث، - - او البول ما لايوكل لحمه من الدواب او خرع الدجاجة اكثر

من قدر الدرهم لم تجز صلاته ترجمه: اور جب ال في الي كير على نماز يرهى جس

میں لید یا حرام جانور کا پیشاب اور مرغی کی بیٹ لگی تھی جو کہ در ھم سے زائد تھی تو نماز نہ ہو

(المبسوط نلسم خسى، جلد 1، صفحه 60، بيروت)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدن كشبيرى عفينه 5 ر ڪالاول 1445 هـ 22 مجبر 2023 و



🖸 Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل کروپ



سوال: عشاء کی نماز کے بعد و تر نہیں بڑھے توان کا کیا تھم ہے؟

بسم الله الرحين الرحيم عدد تدر SER ID: الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

وتر واجب ہیں بلاعذر شرعی ان کاترک کرناجائز نہیں اور اگریہ ادانہ کیے چاہے بھول کریاجان ہو جھ کر تو

بہر صورت ان کی قضایر هنا واجب ہے لہذا تین مکروہ او قات کے علاوہ جب چاہیں ان کی قضا پڑھ لیس

واجب ادا ہو جائے گا۔فآوی ہندیہ میں ہے: ویجب القضاء بترکہ ناسیّا أو عامدًا وإن طالت المدة

ترجمہ: اور وتر جان بوجھ کریا بھولے سے چھوڑنے پر ان کی قضاواجب ہے اگرچہ کمبی مدت ہو جائے۔

(الفتاوىالعنديه، جلد1، صفحه 111، كوئنه)

الى من إن أن مَل مِن الْوَقْتِ بَعْدَ وُجُوبِهَا فِيهِ يَلْزَمْهُ قَضَاؤُهَا سَوَاءٌ كَانَتُ الْفَوَائِتُ كَثِيرَةً

أَوْ قَلِيلَةً وَالْقَضَاءُ فَرُضْ فِي الْفَرْضِ وَ وَاجِبْ فِي الْوَاجِبِ، ملحضا ترجمه: جو نماز وقت پر واجب بونے كے بعد

حچوٹ جائے تواس کی قضالاز م ہے خواہ حچوٹی ہوئی نمازیں کم ہوں یازائد، فرض کی قضافر ض ہے اور واجب

(الفتاوي العنديه، جيد 1، صفحه 121 ، كوئنه)

■ Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

() Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

www.argfacademy.com

فقین مسائل کروپ Fiqhi Masail Group فقین مسائل کروپ Phone No:+923471992267

والله اعلم عزوجل و رسوله اعلم صلى الله عليم و آله و سلم كتر

> انتظار حسين مدن كشيورى عنى عنه 5د كالاول 1445 م22 ترر 2023ء



1-92313 3895414

وادام عمرجم علىاعوال

براخ ايسال ثواب

کی قضاواجب ہے۔



الرضاقرانوفقه اكيدمى (1023)

نماز جنازه کا تھم =

سوال: ایک بندے نے اپنی نانی کی نماز جنازہ نہیں پڑھی جبکہ وہ موجود بھی تھاتو کیاوہ گنہگار ہوگا؟

بسم الله الرحمن الرحيم مدنيد SER ID: الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

ا گریچھ لو گوں نے نماز جنازہ ادا کرلی تو نانی کا نماز جنازہ نہ پڑھنے کے سبب گناہ نہیں ہو گا

کیونکہ نماز جنازہ پڑھنافرض کفاریہ ہے اگر کچھ نے اداکر لی توبقیہ سے بھی فرض ساقط ہو جاتا

ہے البتہ عظیم تواب سے محروم رہاکہ نماز جنازہ میں شرکت کے فضائل احادیث میں بکثر ت

آئے ہیں۔ بدائع الصنائع میں ہے: انھا فرض کفایة إذا قام به البعض يسقط عن

الباقين؛ لأن ما هو الفرض، وهو قضاء حق الميت يحصل بالبعض، ترجمه: تماز جنازه

فرض کفاریہ ہے جب بعض لو گوں نے اسے قائم کر لیا توبقیہ سے فرض ساقط ہو جائے گااس

لیے کہ بیاایا فرض ہے جومیت کاحق پوراکرناہے اور بیا بعض سے حاصل ہو جائے گا۔

(بدائع الصنائع في ترتيب احكام الشرائع، جلد 1، صفحه 311 ودار الكتب، العلمية)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظار حسون مدنى كشيورى عفي منه 5 د كالاول 1445 م22 تر 2023ء



■ Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

www.argfacademy.com

فقبی مسائل کروپ Fighi Masail Group

Phone No:+923471992267

الرضاقران وفقه اكيد مى 1024

= نماز میں خوف خدا کے سبب رونا =

سوال: کیانماز میں ہم اپنے گناہوں کا سوچ کر جہنم کے خوف سے روسکتے ہیں یانہیں ؟

بسم الله الرحين الرحيم عبد تدر USER ID: الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

نمازیم خوف خدا، جہنم کے خوف، گاہوں پر ندامت کے سبب رونا بلکل جائز اور احادیث سے ثابت ہے اور اس وجہ سے رونے میں نماز پر کوئی اثر نہیں پڑے گا البتہ تکلیف و دروکی وجہ سے رونے کے دور ان اگر دوحروف نکل گئے جیسے آہ،اف، تف وغیرہ تو نماز فاسد ہو جائے گی۔ فاوی هندیہ میں ہے: ولوائن ف صلاته اُو تأوہ اُو بکی فار تفع بکاؤہ فحصل له حروف فإن کان من ذکر البعنة اُو النار فصلاته تامة وإن کان من وجع اُو مصیبة فسدت صلاته ولو تأوہ لکثرة الذنوب لایقطع الصلاة ولوبکی فی صلاته ترجمہ: اگر نماز میں بلند آواز سے رویااور اس سے آہ،اوہ کے الفاظ پیدا ہوئ اگر توجت یا جہنم کے تذکرہ کے وقت ایسا ہواتو نماز درست ہے اور اگر کسی تکلیف یاد نیاوی مصیبت کی وجہ سے رویااور الفاظ پیدا ہوئے تو نماز فاسد ہو جائے گی۔

(نآوی هندیه جید 1 صفحه 101 دارالفکر بیروت)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظار حسين مدنى كشييرى عفي عنه 5 ر كالاول 1445 م22 تر 2023،



Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

فقیی مسائل کروپ Fighi Masail Group

Phone No:+923471992267



الرضاقرانوفقه أكيدهي (1025)

= ئمازىيى دب اجعلنى كى جگه كوئى اوروعا

سوال: کیانماز میں ہم وعا رب اجعلنی کی جگہ کوئی اور وعایر صلتے ہیں؟

بسم الله الرحين الرحيم الله الرحين المدن المدن

نماز کے میں رب اجعلنی کے بجائے کوئی بھی د عائے ماثورہ بھی پڑھ سکتے ہیں جو قر آن و

صدیث میں وارد ہوئی ہیں یہی معروف دعایر هنا ضروری نہیں ہے۔ البحر الرائق میں ہے:

(قوله: ودعا بها يشبه ألفاظ القرآن والسنة لا كلام الناس) أي بالدعاء الموجود في

القرآن، -- وقوله: والسنة، -- دعا بها يشبه ألفاظ السنة، وهي الأدعية المأثورة،

ترجمه اتن كا قول كه نمازى دعا كرے اس كے ساتھ جو قرآن و سنت كے مشابه ہونه كه

لو گول کے کلام کے لیعنی الیمی د عاجو قرآن میں موجود ہے اور مانن کا قول سنت (لیعنی)وہ ان

الفاظ کے ساتھ دعاکرے جوسنت کے مشابہ ہوں اور بیرماثور ہ دعائیں ہیں۔

(البحرالرائق شرح كنزالد قائق، جلد 1، صفحه 349 ، دارالكتب)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظار حسين مدن كشهيرى عنى عنه 5 م كالاول 1445 م22 متر 2023 م



Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

(3Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

فقیی مسائل کروپ Fighi Masail Group

Phone No:+923471992267

192313 3895414 على الوات المالية المالية

براخايسال تراب



الرضاقرانوفقه أكيدمى (1026)

= عورت كاجو ژابانده كرنمازير هنا =

سوال: کیاعورت بالول کاجو ژابانده کر نمازیره علی ہے؟

بسم الله الرحين الرحيم نسب به:USER ID الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق والصواب

جی ہاں عورت بالوں کا جوڑا بائدھ کر نماز پڑھ عتی ہے شرعاس میں کوئی قباحت نہیں اعادیث مبار کہ میں جن جگہوں پر جوڑا

ہندھ کر نماز پڑھنے کی جو ممانعت آئی ہے وہ مر دول کے ساتھ خاص ہے اور جوڑا بائدھ کر نماز پڑھنے میں عورت کے لیے آسائی ہے

کہ بال کھمل جھپ جائیں گے اور عورت کو نماز میں بالوں کا جھپانافرض ہے۔ مفتی فضیل رضا عطاری دامت برکا تھم القدسیہ ای

طرح کے سوال کے جواب میں فرماتے ہیں: اعادیث طیّب میں سرکارِ دوعالم میں نیٹی نے بوڑابندھ بالوں کے ساتھ نماز پڑھنے کی
جو ممانعت فرمائی ہے وہ مر دول کے ساتھ خاص ہے جس کی صراحت نود صدیث پاک میں موجود ہے، عورتوں کے لئے یہ ممانعت
نہیں ہے۔۔ عورت کے بال ستر عورت میں داخل میں یعنی غیر محرم کے سامنے اور بالخصوص نماز میں ان کو چھپانافرض ہے، اگر
عور تیں جو رانہ باندھیں توحالت نماز میں ان کے بال بھر سکتے ہیں، جس ہان کے بالوں کی ہے ستری کا اندیشہ ہے، جس سے نماز
پراٹر بھی پڑے گا، لندا اگر عور تیں اپنے بالوں کو سرکے بیجھپا کھا ترک گرہ لگالیں یائن کو کھیر و غیرہ کے ذریعہ گرفت میں لیں تو بالوں کو چھپانے میں معاون ثابت ہوں گے۔

(دارالا في، ابلسنت، فتوى نمبر: 90، تاريخ اجراء: 03 ذوالحجة الحرام 1440 هـ/05 أكست 2019 ء)

انتظار حسين مدن كشبيرى عنى عنه 5 د كالاول 1445 م22 متر 2023 م



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- (ع Fighi Masail Group فقبی مسائل کروپ
- Phone No:+923471992267

#92313 3895414 الدام ومدتم على الحال

براخايسال تواب





الرضاقرانوفقه اكيدمى (1028)

= نماز میں منہ میں کوئی چیزر کھنا =

سوال: کیا فرماتے ہیں علائے وین و مفتیان شرع متین اس مسئلہ میں کہ منہ میں کوئی چیزر کھ کرنماز پڑھنا كيسام جبكه ات نگانه؟

برساءيس بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

منہ میں کوئی چیز رکھ کر نماز پڑھنا مکروہ ہے جبکہ قراءت میں کوئی د شواری نہ ہواورا گر قراءت میں د شواری ہو کہ ایسے حروف ٹکلیں جو قرآن سے ہی نہ ہوں یامعنی فاسد ہو جائیں تو نماز فاسد ہو جائے گ۔ صدر الشریعہ مفتی امجد علی اعظمی علیہ الرحمہ شامی کے حوالے سے فرماتے ہیں:مونھ (منہ) میں کوئی چیز لیے ہوئے نماز پڑھنا پڑھانا مکروہ ہے، جب کہ قراء ت سے مانع نہ ہو اور اگر مانع قراءت ہو ، مثلاً آواز ہی نہ نکلے یااس قشم کے الفاظ نکلیں کہ

قرآن کے نہ ہوں ، تو نماز فاسد ہو جائے گی۔

(بهارِشریعت، جلداول، حصه سوم، صغحه 635، مکتبة المدین، کراچی)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدني كشبيرى عفيمته 9ر كالاول 1445 - 27 تير 2023 و



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- 😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل کروپ

Phone No:+923471992267

المسل شياب المستن مجرين ويتفعدوا ميراحي بهيد الويدي التي الصال الياسيديوان الرياب 3895414



سوال: كياخواجه سرا، المت كرواسكتاب؟

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب خواجہ سرا،اگراییا ہو کہ اس میں مر و کی علامات غالب ہوں تو وہ مر د ہی ہے اور بقیہ شر ائط پائی جائیں تو مر د وں کی امامت کر واسکتاہے اور اگر اس میں عور توں کی علامات غالب ہوں یا خنثی مشکل ہو (یعنی مر د وعورت دونوں کی علامات ہوں اور کوئی جانب راج نہ ہو کہ مرد ہے یا عورت) تو مردوں کی امامت نہیں کروا سکتا۔ فناوی ہندیہ میں ہے: امامة الخنثى المشكل للنساء جائزة ---و للرجال و الخنثى مثله لا يجوز ترجمه: فنثي مشکل (جس میں مر د وعورت دونوں کی علامات پائی جائیں کوئی جانب راجح نہ ہو) کاعور توں کی امامت کر وانا جائز ہے اور مر دول بااہیے جیسے خنثی مشکل کی امامت کر وانا جائز نہیں۔ (فاوی ہندیہ ،کتاب الصلاۃ الباب الحامس فی اللهامیہ النسل الثالث، جلد 1 ، صغیہ 85 «ور الفکر، ہیروت)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين منن كشبيرى عنى عنه 8 ركالاول 1445 م 26 متر 2023 م



Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

() Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

www.argfacademy.com

فقری مسائل گروپ Fiqhi Masail Group فقری مسائل گروپ Phone No:+923471992267

+92313 3895414 من المريد الم



الرضاقران وفقه اكيد مي 1030

= چلتی گاڑی میں نماز پڑھنے کا تھم

سوال: جب ہم موٹر وے پر سفر کرتے ہیں تو گاڑی راستے میں دو نمازوں کے او قات میں رکتی ہی نہیں تو اس صورت میں کیاگاڑی میں بیٹھ کر نمازیڑھ سکتے ہیں؟ USER ID: حادل جنال

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

چلتی گاڑی میں فرض ،واجب اور فخر کی سنتیں شہیں پڑھ سکتے ہاں اگر وقت نکل رہا ہو اور گاڑی نہ ر کے جیسے پوچھی گنی صورت میں تو چکتی گاڑی میں جیسے بھی ممکن ہو فرض ادا کر لے پھر بعد میں فرض اور و تروں کا اعاد و کرنالازم ہے۔امام ابسنت ا مام احمد رضاخان حنفی متوفی • ۱۳۳۷ھ لکھتے ہیں: تھہری ہوئی ریل میں سب نمازیں جائز ہیں اور چکتی ہوئی میں سنّتِ صبح کے سواسب سنّت و نظل جائز ہیں مگر فرض وو تریاضیج کی سنتیں نہیں ہو سکتیں اہتمام کرے کہ تظہر کی میں پڑھے اور دیکھے کہ وقت جاتا ہے پڑھ لے اور جب تھبرے پھر پھیرے۔ (قاوی رضویہ، کتاب السلاق، جلد کی منعی 113 ، رضا فاؤنڈیش، لاہور)

صدر الشريعه مفتى محمد امجد على اعظمي حنفي متوفي ١٣٦٥ ه لكھتے ہيں: چلتی ریل گاڑی پر بھی فرض وواجب وسنّتِ فجر نہیں ہو سکتی۔۔۔لندا جب اسٹیشن پر گاڑی تفہرے اُس وقت میہ نمازیں بڑھے اور اگر دیکھیے کہ وقت جاتا ہے توجس طرح بھی ممکن ہو پڑھ لے بھر جب موقع ملے اعادہ کرے کہ جبال مین جہۃ العباد (یعنی بندوں کی طرف ہے) کوئی شرط یار کن مفقو د ہو(یعنی نہ پایا كيابو)أس كايبي عمم بـ (بهارشريعت، سنن ونواقل كابيان، حصه چبارم، جلد 1، سنى 673، مكتبة المديد، كرايي)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدن كشميرى عفيمته 8 ر كالاول 1445 هـ 26 تتر 2023 و



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- 😝 Fighi Masail Group فقیی مسائل کروپ

Phone No:+923471992267

المسلوميل المستر مجديد بالمعدد المراحي بهدا الولاية التي المعلى الديد الموالية 3895414



الرضاقرانوفقه اكيدهي (1031)

____ مغرب کی اذان و جماعت کے در میان نفل ____

سوال: مغرب کی اذان کے بعد فرضوں سے پہلے دونقل پڑھناکیہاہے؟

شكيل كهركهر USER ID

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

سورج غروب ہونے کے بعدے مغرب کے فرض پڑھنے تک نوافل پڑھنا

مروه ہے۔ فتاوی ہندیہ میں ہے: تسعة اوقات یک فیها النوافل ومانی

معناها لا الفرائض --- ومنها ما بعد الشبس قبل صلاة المغرب ترجمه:

نواو قات ایسے ہیں جن میں نوافل اور اس جیسی نماز پڑھنامکر وہ ہے نہ کہ فرائض

ان (او قات) میں سے سورج غروب ہونے کے بعد مغرب کی نماز سے پہلے۔

(فَهُ وَيُ مِنْدِيدٍ ، كَتَابِ الصلاةِ ، الربب الأول في مواقيت الصلاةِ ، الفصل الله لث ، جيد 1 ، صفحه 52 - 53 ، دارالفكر)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليمو آله وسلم

انتظار حسين مدني كشبيرى عفينه 8 كالاول 1445 هـ 26 تير 2023 و



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- (3Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- 😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل گروپ

Phone No:+923471992267

3895414

المسل شياب المحت مجمد بالمنافظ المراحى بهدا الدياب المنافظ المسابقة المسابقة المسابقة المسابقة المسابقة المسابقة



الرضاقران وفقه اكيد مى (1032)

= نمازيس باتھ ناف كے نيچے باندھنا

سوال: نماز کے قیام میں ہاتھ کہاں باند صنے چاہییں صدیث پاک کی روشنی میں بیان کریں ؟

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب مردوں كے ليے نمازيس قيام كى حالت يس ہاتھ ناف كے نيچے ہاندھنا كئ احادیث سے ثابت ہے لہذا نماز میں ہاتھ ناف کے بیچے ہاندھے جائیں۔ حضرت داکل بن حجر رضی اللّٰہ عنہ اپنے والدے روایت کرتے

الله على الله على الله عليه وسلم وضع يبينه على شهاله تحت السرة "ترجمه: مل في نبي

پاک صلی الله علیہ وسلم کو دیکھا کہ آپ صلی اللہ علیہ وسلم نے نماز میں داہنا ہاتھ ہائیں ہاتھ پر ناف کے بیچے

(مصنف ائن الي شيبه، كتأب السلوة، باب وصنع اليمين على الشمال، جلد 1 ، صنحه 427، مكتبه الداديه، ملتان)

سنن ابو داود اور د و دار قطنی میں حضرت علی رضی اللہ عنہ سے مر وی، فرماتے ہیں (واللفظ للاول):

°° من السنة وضع الكف على الكف في الصلاة تحت السرة "ترجمه: تمازيين واتي باته كو بائين باته ي

ناف کے نیچر کھناسنت ہے "۔

(سنن ابوداود، كماب العملوة، باب وضع البيني على اليسرى في العملوة، جلد 1 ، صنحه 201 ، مطبوعه بيروت)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدني كشبيرى عفينه 8 ر كالاول 1445 هـ 26 تير 2023 و



Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل کروپ

Phone No:+923471992267

المسل شياب المست مجرين ويتفعلون محرامي ويبد الولاية والمال الياسيد المواجعة 3895414





الرضاقرانوفقه اكيدهي (1034)

= نماز میں درود پاک اور دعانہ پڑھنے کا تھم =

سوال: نماز میں آخری قعدے میں در دو دو دعانہ پڑھی تو کیا نماز ہو جائے گی یاسجدہ سہو کرناہو گا؟

عقم عماري:USER ID

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

فرائض و سنن مؤکدہ و غیر مؤکدہ کے قعدہ اخیرہ میں درود پاک پڑھناسنت مؤکدہ ہے اور دعا کاپڑھناسنت مؤکدہ ہے اور دعا کاپڑھنامتحب ہے نماز میں درود کے ترک کرنے سے اگرچہ نماز توہو جائے گی گر قصدا اس کا ترک کرنا براہے ایسا شخص مستحق ملامت و عماب ہے اور اس کے ترک کی

عادت بنا لینا ناجائز و گناہ ہے۔ فآوی امجد سے میں ہے: نماز میں درود شریف پڑھنا سنت

مؤکدہ ہے ، کہ قصداترک کرنا براہے اور ایسا شخص مستحق ملامت وعمّاب ہے۔ (فآوی امجدید، جلد 1، صفحہ 75، کراچی)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظار حسين من كشبيرى عنى عنه 6 كالاول 1445 م 23 متر 2023 م



- Al Raza Quran-o-Fiqh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- الم Fighi Masail Group فقیی مسائل کروپ
- Phone No:+923471992267

الصّاء و والمثيلا عليا وسول الله المجالة المج

الرضاقرانوفقه اكيدمى 1035

= نمازاوا بین میں مغرب کی سنتیں شامل ہیں =

سوال: کیا فرماتے ہیں علمائے وین و مفتیان شرع متین اس مسئلہ میں کہ مغرب کی نماز کے بعد جے نوافل اوا بین کے پڑھنے ہوں گے یا سنتیں بھی اس میں شامل ہیں؟ محمد شعبت (USER ID

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

مغرب کے فرائض کے بعد دوست اور دو نفل کے بعد دو نفل مزید اوا بین کے ادا کیے توبہ چیرر گعتیں اوا بین کی شار ہوں گی الگ ہے وابین کے چیو نوافل ادا کر ناضر در کی نہیں اور بیہ چھر تعتیں ایک سلام کے ساتھ بھی پڑھ سکتے ہیں البتہ وود و کر کے پڑھنا ا فضل ہے۔ الوظیفة الكريمه میں نماز اوا بین كا طريقه يول لكھا آيا ہے: مغرب كى تمين ركعت فرض پڑھنے كے بعد چور كعت ا یک بی نتیت سے پڑھئے، ہر دور کعت پر قعدہ بیجئے اور اس بیل التحیات، در ودِ ابر اهیم اور دعاپڑھئے، پہلی، تیسر ی اور یا نچویں رکعت کی ابتداء میں ثنا، تعوذ و تشمیہ (بینی اعوذ اور بسم اللہ) بھی پڑھئے۔ چھٹی رکعت کے قعدے کے بعد سلام پھیر دیجئے۔ پہلی دو ر کعتیں سُنت مو کدہ ہوئی اور باتی چار نوا فل۔ یہ ہے اوّا بین (یعنی تو بہ کرنے والوں) کی نماز۔

(الوظية الكريمة منى 24 يخصاً)

بہار شریعت میں ہے: بعد مغرب جے رکعتیں مستحب بیں ان کوصلو قالا وابین کتے ہیں،خوادا یک سلام سے سب بڑھے یا دوسے یا تمن سے اور تنین سلام سے بعنی ہر دور کعت پر سلام پھیر ناافضل ہے۔

(بهارشريعت حفيه 4 منفحة 15 16 ، مكتبة المدينه كراجي)

والله اعلمعزوجل ورسوله اعلمصلي الله عليمو آله وسلم

انتظارحسين مدني كشبيرى عفيمته 9ر كالاول 1445 - 27 تير 2023 و



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- 😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل کروپ

Phone No:+923471992267

3895414

المسال توالي الشراب المستوالية المساولة المراحى المهدات المارية المستوالية المستولية المستوالية المستوالية المستوالية المستوالية المستوالية المستوالية المستوالية الم



الرضاقرانوفقه اكيدهي 1036

= نماز کی نیت میں غلطی کی تو

سوال: کیا فرماتے ہیں علائے دین و مفتیان شرع متین اس مسئلہ میں کہ نماز کی نیت میں غلطی ہو جائے جیسے مغرب کی نماز میں وقت نماز عشاء کہہ دیاتو کیا نماز ہو جائے گی؟

معہ عرب کی نماز میں وقت نماز عشاء کہہ دیاتو کیا نماز ہو جائے گی؟

بسم الله الرحمن الرحيم المعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق والصواب

یو چھی گئی صورت میں تھم مسکلہ رہے ہے کہ ول میں نماز مغرب کا ہی اراوہ تھا مگر زبان

سے غلطی سے عشا نکل کیا تو اس صورت میں مغرب کی نماز ہی ہو گی کہ نبیت دل کے

ارادے کو کہتے ہیں۔البتہ اگر دل میں ارادہ ہی عشاکا کیا تھاتواس صورت میں نماز مغرب نہ

ہوئی۔صدر الشریعہ بدرالطریقہ مفتی امجد علی اعظمی علیہ الرحمہ لکھتے ہیں: نیت دل کے پکے

اراده کو کہتے ہیں،۔۔۔ نیت میں زبان کا اعتبار نہیں، یعنی اگر دل میں مثلاً ظہر کا قصد کیااور

زبان سے لفظ عصر نکلا، ظہر کی نماز ہو گئی۔

(بهادِ شریعت، جلداول، حصه سوم، صفحه 496، مکتبة المدینه، کراچی)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظار حسين مدن كشبيرى عنى عنه 120 كار كالاول 1445 م 2023،



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Fiqh Academy
- www.argfacademy.com
- فقیی مسائل کروپ Fighi Masail Group

Phone No:+923471992267

192313 3895414 من المرابع الم



الرضاقران وفقه اكيد مى 1037

= کھاناحاضر ہوتو جماعت سے نماز =

سوال: کیا فرماتے ہیں علایئے دین و مفتیان شرع متین اس مئلہ میں کہ کسی دعوت پر جائیں اور کھانا سامنے آجائے اور جماعت کا وقت ہو جائے تو کیا حکم ہے ؟ محيرورقال بول (USER ID

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملث الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

یو چھی گئی صورت میں تھم شرع ہیہ ہے کہ کھاناحاضر ہواور کھانے کی طرف تفس مائل ہو

تو جماعت کے ساتھ نماز ادا کر نا واجب نہیں ، جماعت جھوڑ کر کھانا، کھایاتو گنہگار نہیں ہول

کے کیونکہ بیہ ترک جماعت کاعذر ہے۔صدر الشریعہ بدر الطریقہ مفتی امجد علی اعظمی علیہ

الرحمه لکھتے ہیں: (1) مریض جے مسجد تک جانے میں مشقت ہو (2) اپاج ۔۔۔ (18)

کھانا حاضر ہے اور نفس کو اس کی خواہش ہو (19) قافلہ چلے جانے کا اندیشہ ہو (20)

مریض کی تیار داری کہ جماعت کے لئے جانے سے اس کو تکلیف ہو گی اور گھبرائے گا ہیہ سب

(بهارشر يعت ، جلد 1 ، حصه 3 ، صفحه 584-583 ، مكتبة المدينة ، كراتي)

ترک جماعت کے لئے عذر ہیں ۔

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدن كشبيرى عفينه 12ر كالاول 1445 ه 29 متر 2023 و



Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fighi Masail Group فقیی مسائل کروپ

Phone No:+923471992267

المسل تبليد المست مجديد بالمعدد الميمرامي بهدا الوكائب التي المعال الديد المسادرين المرامي 3895414



الرضاقرانوفقه اكيدهي 1038

____ دوران نماز قراءت س کر سبحان الله کهنا ____

سوال: کیافرماتے ہیں علمائے دین ومفتیان شرع متین اس مسئلہ میں کہ دوران نماز امام صاحب کی قراءت سنتے ہوئے منہ سے بلاا فتیار سجان اللہ نکل گیاتو کیا نماز ہو جائے گی؟

بسم الله الرحين المحتى والصواب الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق والصواب يو چھى گئ صورت ميں حكم شرع بيہ كه اگر جواب كے ارادے سے سحان الله نه كها ہو تو نماز ہو جائے گى كيونكه نماز ميں الله پاك كاذكر بطور جواب نه ہو، تواس سے نماز فاسد نہيں ہوتی اور اگر جواب كے قصد سے كہا مثلا داد دينے كے ليے كہا تو نماز فاسد ہو جائے گی۔ صدر الشريعہ بدر الطريقة مفتی امجد علی اعظمی عليه الرحمہ شامی كے حوالے سے لكھتے ہيں: امام

کاپڑ ھنا پیند آیااس پر رونے لگااور ارہے ، نعم ، ہال ، زبان سے نکلا کوئی حرج نہیں ، کہ بیہ خشوع

کے باعث ہے اور اگر خوش گلوئی کے سبب کہا، تو نماز جاتی رہی۔

(بهارشريعت، جلد1، حصه 3، صفحه 612، مكتبة المدينة، كراچي)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظار حسين مدن كشيورى عنى عنه 12 رئيلاول 1445 م 2023ء



Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

(Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

www.argfacademy.com

فقیی مسائل کروپ Fighi Masail Group

Phone No:+923471992267

+92313 3895414



الرضاقران وفقه أكيد مى 1039

<u> تعدے میں یاؤں کی انگلیاں قبلہ رو کرنا </u>

سوال: کیا فرماتے ہیں علمائے وین و مفتیان شرع متین اس مسئلہ میں کہ قعدے میں اگر سیدھے باؤں کی انگلیاں قبلہ رخ نہ ہوں تو نماز کا کیا تھم ہے؟

محدروقان سان (USER ID

سم الله الرحمن الرحيم

الجواب بعون المدك الوهاب اللهم هداية الحق والصواب

یو چھی گئی صورت میں نماز ہو جائے گی البتہ سنت ترک ہونے کی وجہ سے نماز وو بارہ پڑھ لینامستحب کیونکہ قعدے

میں پاؤل کی انگلیوں کا قبلہ روہو ناست ہے، اور دوران نماز سنت چاہے جان بوجھ کر ترک کی ہو یا بھول کر بہر صورت نماز کااعادہ

كر لينا متحب ٢ ـ ور مخار مع رو المحتار مل ٢: (يفترش الرجل (رجله اليسرى) فيجعلها بين أليتيه (ويجلس عليها وينصب رجله اليمنى ويوجه أصابعه)في المنصوبة (نحو القيمة) هو السنة في الغرض والنفل ترجمه: اورمر و اينا بإيال بإول

بچھائے گااور اے اپنے سرینول کے در میان رکھ کراویر بیٹھے گااور اپنادایال پاؤل کھڑار کھے گااور اس کی انگلیال کھڑے رکھنے کی

حائت میں قبلہ کی جانب کرے گایہ فرض و نقل میں سنت ہے۔

(روالمحتار على الدرالختار، جلد 1 ، صغحه 508 ، دار الفكر، بيروت)

صدر الشريعه بدرالطريقه مفتی امجد علی اعظمی عليه الرحمه فرماتے بين: فرض ترک بو جانے ہے نماز جاتی رہتی ہے سجدہ سہو

ے اس کی تلافی نہیں ہو سکتی للذا پھر پڑھے اور سنن ومستحبات مثلاً تعوذ، تنمیہ، ثنا، آمین، تیمبیراتِ انتقالات، تسبیحات کے ترک

ے بھی سجدؤ سبو نہیں بلکہ نماز ہوگئی۔ (روالمحتار،غنبیہ) گراعادہ مستحب ہے سبوائر ک کیابو یا قصداً۔

(بهاد شریست، جلد 1 ، حسه 4 ، صنی 710 ، مکتبة المدینه ، کرایی)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدني كشبيرى عفينه 12ر كالاول 1445 ه 29 متر 2023 م



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- 😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل گروپ
- Phone No:+923471992267

المسال توالي المنت مجد يدر المنافقة والمحروم المنافقة الم 3895414



الرضاقران وفقه اكيدهى 1040

= سنتوں کی آخری رکعت میں سورت نہ ملانا =

سوال: کیافرماتے ہیں علمائے وین و مفتیان شرع متین اس مسئلہ میں کہ سنتوں کی جو تھی رکعت میں بھول سورت فاتحہ کے بعد اگر سورت نہ ملائی اور نماز مکمل کر تو کیا تھم ہے؟ USER ID: -بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

سنتوں کی ہر رکعت میں سورت فاتحہ کے بعد سورت ملاناواجب ہے اگر سورت ملانا بھول گئے تو سجدہ سہو کر ناواجب ہے اور اگر سجدہ سہونہ کیااور نماز مکمل کر لی تو نماز د وہر اناواجب ہے۔ صدر الشریعہ بدر الطریقہ مفتی امجد علی اعظمی علیہ الرحمہ لکھتے ہیں: نماز میں جب کوئی واجب بھولے سے رہ جائے تواس کی تلافی کے لیے سجدہ سہو داجب ہے۔ فرض کی پہلی دور کعتوں میں اور نفل دوتر کی کسی رکعت میں سور وَالحمد کی ایک آیت بھیرہ گئی بیاسورت ہے پیشتر دو بار الحمد پڑھی بیاسورت ملانا بھول گیا بیاسورت کو فاتحہ پر مقدم کیا بیاالحمد کے بعد ا یک یاد و حجوثی آیتیں پڑھ کر رکوع میں جلا گیا بھر یاد آیااور لوٹااور تنین آیتیں پڑھ کر رکوع کیا توان سب صور تول میں سجدہ سہو واجب ہے۔

(بهادِ شریعت، جلد 1 ، حصه 4، صنحه 710 -708 ، مكتبة المدینه ، كرایی)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدني كشبيرى عفينه 14 كالاول 1445 هـ 1 اكتر 2023 و



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- 😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل گروپ
- Phone No:+923471992267

المسل توالي الشرشة مجد يبدر المنطقة والمحارات المراسية المادية والمناس المساركة والمراسية المراسية 3895414





الرضاقران وفقه اكيد مي (1041) = مسجد میں سکول ٹیوشن پڑھانا =

سوال: کیامسجد میں بچوں کو سکول کی ٹیوشن پڑھا سکتے ہیں ؟

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق والصواب

مسجد میں سکول کی ٹیوشن پڑھانامطلقا جائز نہیں کیونکہ بید د نیاوی تعلیم ہے اور مسجد میں د نیاوی کام جائز نہیں ایسے ہی اجرت لے کر مسجد میں و نیاوی تعلیم پڑھانا بھی جائز نہیں۔ بحرالرائق میں ہے: قالواولا يجوز أن تعمل فيه راي في المسجد) الصنائع لانه مخلص لله تعالى فلا يكون محلا لغير العبادة ليتي فقہاء نے فرمایا : کہ مسجد میں کوئی عمل جائز نہیں یعنی کوئی کار وہار جائز نہیں کیونکہ وہ خالصة الله تعالی کیلئے بنائی گئی ہوتی ہے، تواب وہ عبادت کے علاوہ کسی دو سری شیئے کا محل نہیں بن سکتی ۔

(بحر الرائق، باب ما يفسد الصلوة وما يكر وفسيها ، جلد دوم صفحه 35 مطبوعه النجاميم سعيد تميني كرا چي)

قاضی محمد عبدالرحیم بستوی رحمة الله علیه اینے فتوی میں لکھتے ہیں: اور دنیاوی تعلیم مسجد میں دینا بھی (فآوی بریلی شریف صفحه 69 مطبوعه شبیر برادرزلامور) جائز نہیں ہے۔

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدن كشبيرى عفينه 3ر كال ول 1445 و 20 يولا كي 2023 و



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- 😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل گروپ
- Phone No:+923471992267

المسال ليباب والمران في فاحد المنافذة المراح المراح المنافذة المنافذة المنافذة المنافذة المنافذة المنافذة المنافذة 3895414



الرضاقران وفقه اكيد مى 1042

= مجد کے چندے سے جنازہ کی چار پائی خرید نا

سوال: کیامسجد کے چندے نماز جنازہ کی چاریائی خریدی جا عتی ہے؟

USER ID: 3, last make

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

معجد کے چندے سے نماز جنازہ کی چار ہائی خریدنا، جائز نہیں کیونکہ جنازہ کی چار ہائی مسجد کے مصالح

میں سے نہیں ہے اگر متولی نے اس چندے سے چار پائی خریدی تو متولی اس قیمت کا ضامن ہوگا۔ فآوی

قاضى غان يل : ذكر الواقف في كتاب الوقف ان القيم يشترى جنازة ، لا يجوز للقيم أن يشترى جنازة

من غلة الوقف، ولو اشترى ونقد الثبن من غلة الوقف يكون ضامنا... وشراء الجنازة ليس من

مصالح المسجد. ترجمه: واقف نے وقف کی کتاب میں ذکر کیا کہ متولی مسجد جنازے کی جاریائی خریدے تو

متولی کے لیے وقف کے غلے سے چار پائی خرید ناجائز نہیں اگراس نے خرید ااور وقف کے غلے سے مثمن ادا

کیاتو وہ ضامن ہو گااور جنازے کا خرید نامسجد کے مصالح میں سے نہیں ہے۔

(فآوي قاضي خان، كماب الوقف، بإب الرجل يجعل دارومسجدا، جلد 3، صفح 297، كوئية)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين منن كشبيرى عنى عنه 6 كالاول 1445 م 2023 م



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Fiqh Academy
- www.argfacademy.com
- الله مسائل کروپ Fighi Masail Group

Phone No:+923471992267

192313 3895414 وادام ومرجم فيأفوان

بواكايسال ثواب



الرضاقران وفقه اكيد مى 1043 = مجد کے صحن میں کسی کود فنانا =

سوال: کیامسجد کے صحن میں کسی مؤمن کود فنا سکتے ہیں؟

بسم الله الرحين الرحيم محدسة سبعة محددة الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

مسجد کے صحن میں قبریں بنانا، ناجائز وحرام ہےاور قبریں بنائیں توان کا ختم کر ناضر وری ہے

میت کو نکال کر کہیں اور دفن کرنالازم ہے۔ فآلوی رضوبہ میں سیدی سرکار اعلی حضرت امام

المِسنَّت مجدودين وملت الشاه امام احمد رضاخان عليه الرحمة والرضوان فرماتے ہيں: اگر صورت

واقعہ بیہ ہے کہ صحن مسجد میں بعد تعمیر مسجد وار ثان بانی مسجد خواہ کسی نے قبریں بنالیں تو وہ

قبریں محض ظلم ہیں اور انکا باقی ر کھنا ظلم ہے نہ کہ آئندہ قبر وں کے لئے ایک حد بندی اور اس

میں حجرہ مسجداور صحن مسجد سے اور زمین میں شامل کرنابیہ سب ظلم و حرام ہے اور اس کاد فع

کر نافرض ہے۔

(قَاوِيُ رَضُوبِهِ ، جِلْد 9 ، صَفَّحَة 408 ، رَضَا فَا وُنَدُ يَشُن ، لا مُور)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدن كشبيرى عفيمته 5 ر ڪالاول 1445 هـ 22 تجبر 2023 و



Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

() Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fighi Masail Group فقیی مسائل کروپ

Phone No:+923471992267



الرضاقرانوفقه اكيدهي 1044

= مجد کے چندے سے محفل میلاد کرنا

سوال: کیا فرماتے ہیں علمائے وین و مفتیان شرع متین اس مسئلہ میں کہ کیامسجد کے چندے ہے محفل میلاد کر سکتے ہیں؟

ب محبوت ك بسم الله الرحمن الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

مبجد کے چندے سے محفل میلاد کرنے کے حوالے سے حکم شر تابیہ ہے کہ اگر چندہ مبجد کے لیے جمع کیا گیا تو اس سے محفل میلاد پر خرج کرنا جائز نہیں کیونکد مسجد کا چندومسجد کے معمالے (جیسے تعمیرات، یوئیٹن بلز کی ادائیگی، امام و مؤوّن ، خاد مین کے وظائف اور صفائی ستھر ائی میں ہوئے والے اخراجات وغیر و) کے لیے و پرجاتا ہے اسے کہیں اور صرف کرناج نزشبیں ہاں اسرخاص محفل میلاد کے لیے چندواکنھا کیا گیاتواس سے محفل کے اخراجات کرنے میں حرج نہیں۔ و قار الفتاوی میں سوال ہوا: "مسجد کی انتظامیہ نے الیکٹر ک ڈیکوریشن کاسلان تیار کروایا جو کہ جھالریں اور ویگر اشیاء کی صورت میں ہے ، ڈیکوریشن کا بیہ سامان تیار کرتے وقت نیت بیہ تھی کہ بیراشیاء مسجد کے لیے متبرک راتوں میں کام آئیں گی اور اس کے ملاوومسجد کے اخراجات کو پوراکرنے کے لیے بطور کرایہ جائز کاموں کے لیے ،مثلہ جائے عمید میلا دالنبی صعی القد عدیہ وسلم میں دی جائیں گی ،آیامسجد کی میہ جھالریں اور بور ڈو غیبر ہجو پچھے بھی ہیں کرائے پر دیٹاجائز ہیں یانبیں ؟''

جواب ارشاد فرہ یا: '' جن لو ''وں نے مسجد کے مصارف کے لیے چند ودیا تھا، اس فنڈے یہ تمام چیزیں خرید نا، جائز نہیں تھیں ، خاص ان چیز ول کے لیے لو گول سے چندہ لے کرا کر خریدی جائیں ، تؤسوال مذکور میں یہ تمام امور درست ہوئے۔ "

(و قارانغتاوی، جلد2، صغحه 327، برم و قارالدین، کراچی)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدنى كشبيرى عفينه 9 كالاول 1445 - 27 تجر 2023 و



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- 😝 Fighi Masail Group فقیی مسائل کروپ

Phone No:+923471992267

المسال توليد الشوشة مجريد ويتفادون ميراهي ويديد الوادية والتان المهان المهار والمان المراه 3895414



الرضاقران وفقه اكيد مى 1045

= مريلوصد قد بكس سے پيم مجديل دينا =

سوال: كيا هريلوصدقه بكس بي الحاكر مسجد مين دے سكتے بين؟

حافق محيد عرقان:USER ID

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

گھریلوصد قہ بکس میں پیسے صدقے کے لیے الگ کیے جاتے ہیں جب تک رہے بقیریا وكيل وغيره كے حوالے نہ كيے جائيں ملكيت سے نہيں نكلتے لہذا اپنے گھريلو بكس ميں جس بندے کی رقم ہو وہ اپنی رقم اٹھا کر مسجد میں دے سکتا ہے۔در مختار میں ہے: ولا یخیج عن العهدة بالعزل؛ بل بالأداء للفقراء ترجمه: اور جدا كرنے سے پیمے ملكيت سے نہيں نکلتے بلکہ فقیر کوادا کرتے وقت ملکیت سے نکلتے ہیں۔

(الدرالمختار مع ردالمحتار، كتاب الزكاة، جلد 5، صفحه 457، دمشق)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدن كشبيرى عفينه 29 متر النفتر 1445 هـ 16 يولائي 2023 و



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
 - () Al Raza Quran-o-Figh Academy
 - n www.argfacademy.com
- فقری مسائل گروپ Fiqhi Masail Group
- Phone No:+923471992267

العمال تبلي والدين فيرفاه والمناف المنطقة والمناف المنطقة والمناف المنطقة والمناف المنطقة والمناف المنطقة والمناف المناف 3895414





= قبرول پر قرآن کی تلاوت کرنا =

سوال: کیا قبروں پر قرآن یاک کی تلاوت کر سکتے ہیں ؟

USER ID: discuss

بسم الله الرحين الرحيم

الجواب بعون الملك الوهاب اللهمهداية الحق والصواب

جی ہاں قیروں پر قرآن کی تلاوت کرنا بلاشہ جائز بلکہ مستحب ہے البتراس بات کا خیال کیا جائے کہ وقیر کے پاس بیٹھ کر قرآن پڑھنے والا کسی قبریر یاؤں نہ رکھے ،نہ ہی نسی قبریر بیٹھ کر قرآن پڑھے۔ بچے بخاری شریف میں حضرت ابن عہاس رضی الله عتماسے مروی ہے: '' مرالنبی صبی الله علیه و سلم بقیرین فقال: انهما لیعدبان و مایعدبان فی کبیر اما احدهما فکان لايستترمن البول، اما الآخر فكان يبشى بالنبيبة ثم أخذ جريدة رطبة، فشقها بنصفين، ثم غرز في كل قبرواحدة، قالوا: يا رسول الله! لم صنعت هذا؟ فقال لعله أن يخفف عنهما ما لم يبيسا "ترجمه: تي كريم صلى الله عليه وسلم دو قبرول ك یاس سے گزرے، توفر ما یا کہ ان دونوں کوعذاب ہورہاہے اور اخبیں نسی بڑے گناہ کی وجہ سے عذاب تہیں ہورہا، (ان میں سے) ا یک تو پیشاب کی چھینٹوں سے منبیں بچتا تھا اور دوسرا چغل خوری کرتا تھا، پھر حضور صلی اللہ علیہ وآلہ وسلم نے تھجور کی ایک تر(تازہ) نہنی لی، اس کے دو نکڑے فرمائے، پھر ہر قبریر ایک کو گاڑ دیا۔ صحابہ کرام عیسیم الرضوان نے عرض کی کہ پارسول الله! (صلی الله عدیه وسلم)آپ نے ایسا کیوں کیاہے ؟ فرمایا: جب تک میدوونوں خشک نه جوں کی ، الله تعالی ان وونوں کے عذاب میں شخفیف (کمی) کرے گا۔ (مستح البخاري، خ 2 ، ص 95 ، دار طوق النجاق، بير وت)

تفیف (می) کرے گا۔ امام نووی علیہ الرحمة اس حدیث مبارک کی شرح بیان کرتے ہوئے فرماتے ہیں: "استحب العلماء قراءة القرآن عند القبرلهذا الحديث، لأنه إذا كان يرجي التخفيف بتسبيح الجريد فتلاوته اول" ترجمه إلى حديث مبارك كي وجدي علائے کرام نے قبر کے پاس قرآن کریم کی تلاوت کو مستحب قرار دیاہے ، کیونکہ جب ٹبنی کی تسبیح کی وجہ ہے عذاب میں تخفیف کی امید ہے، توقر آن کریم کی تلاوت کی وجہ ہے بدر جہ اوٹی پیدامید ہو شتی ہے۔

(شرت منتج المسلم ملنووي، ج3، ص202 ، واراحياء التراث العربي، بيروت)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظار حسين مدن كشبيرى عفينه 29 منرالنغر 1445 هـ 16 يولائي 2023 و



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- (3Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- فقیی مسائل کروپ Fiqhi Masail Group

Phone No:+923471992267

+92313 3895414

المسال شيافي الأفاد أن مجد خاص المنطق المساول الموارك المسيد المؤلسية والمتان المسال المساد المساول المرابعة ال



الرضاقران وفقه اكيد مى 1047

= پیے دے کر قرآن خوانی کروانا

سوال: ہم مدرے ہے لوگ بلوا کر قرآن خوانی کر واتے ہیں جس کی وہ اجرت بھی لیتے ہیں ایسا کرنا کیسا؟

بسم الله الرحين الرحيم الله الرحين البحق و الصواب المجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

به طریقه کار شرعا جائز نبیس کیونکه قرآن خوانی کی اجرت لیناوینا ناجائز و حرام ہے۔ سیدی امام اہلسنت امام احمد رضاخان بریلوی علیہ الرحمہ فآوی رضوبہ میں تلاوت قرآن پر اجرت لینے کے حوالے ہے: " تلاوتِ قرأن وذكر إلى عزوجل پر أجرت لینادیناد ونوں حرام ہے، لینے دینے والے دونوں گلاہ گار ہوتے ہیں اور جب بیہ فعل حرام کے مریحک ہیں توثواب کس چیز كا أموات (يعني مرنے والوں) كو بھيجيں مے ؟ مناو پر ثواب كى أميد اور زيادہ سخت وأشد (يعني شديد ترين جرم) بـا كر لوگ چاہیں کہ ایصال تواب بھی ہواور طریقہ جائزہ شرعیہ بھی حاصل ہو (یعنی شرعاً جائز بھی رہے) تواس کی صورت ہے کہ پڑھنے والوں کو تھنے و و تھنے کے لئے نو کرر کھ لیں اور شخواوا تنی دیر کی ہر شخص کی معین (مقرر) کر دیں۔منتگا پڑھوانے والا کہے: " میں نے تجھے آئ فلاں وقت سے فلاں وقت کیلئے اِس أجرت پر نوكر ركھا (كه)جوكام چاہوں گالوں گا۔ "وہ كہے: "میں نے قبول کیا۔"اب وہ اُتنی دیر کے واسطے اُجیر (یعنی ملازم) ہو گیا،جو کام چاہے لے سکتا ہے اس کے بعد اُس سے کیے فلال میت کے كئے إتناقرانِ عظيم مال تدر كلم طيب ياؤرود پاك پڑھ دو۔ بيه صورت جواز (ليني جائز ہونے) كى ہے۔"

(فآويُ رضويه جلد23 ، صفحه 537 ، رضافاؤنذيش ، لا بور)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدني كشبيرى عفينه 8 ر كالاول 1445 هـ 26 تتر 2023 و



Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

فقیی مسائل کروپ Fighi Masail Group

Phone No:+923471992267

المسل تبليد النوت محديد بيناه و المحرومي المواهي المدينة المؤلوب المعالي المدينة المعالي المدينة المواهد 3895414



الرضاقرانوفقه اكيدمي (1048)

ا یک مجلس میں آیت سجدہ کوایک سے زائد بارپڑھنا =

سوال: کیا فرماتے ہیں علمائے وین و مفتیان شرع متین اس مسئلہ میں کہ ایک ہی جگہ بیٹھ کرایک آیت سجدہ کو 50 ہارپڑھاتو کتنے سجدے لازم ہوں گے ؟

بسم الله الرحمن الرحيم المواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق والصواب

یو چھی گئی صورت میں ایک ہی سجدہ کر ناواجب ہے کیو نکد ایک ہی مجلس میں ایک ہی آیت سجدہ تلاوت

کی گئی البتہ آیت سجدہ تبدیل ہو جائے یا مجلس تبدیل ہو جائے تو مزید سجدے واجب ہو لگے۔ تبیین

الحقائق مي ب: "ولو تلاها فسجد ثم أطال الجلوس أو القراءة فأعادها لا يجب عليه أخرى لاتحاد

البعبلس"ترجمہ:اگرآیت سجدہ تلاوت کی پھر سجدہ کیا،اس کے بعد کافی دیر بیشار ہایا تلاوت کر تار ہا، پھراس

آیت کوؤہر ایاتود وسر اسجدہ واجب نہیں ہو گاکیو نکہ مجلس متحد (ایک)ہے۔

(تبيين الحقائق، كتاب الصلوق، باب سجو والتلاوق، ج1، ص208، مطبوعه ملتان)

بہار شریعت میں ہے: ''ایک مجلس میں سجدہ کی ایک آیت کو بار بار پڑھا یا سنا، توایک ہی سجدہ واجب

ہو گا۔ مجلس میں آیت پڑھی یائن اور سجدہ کر لیا، پھراسی مجلس میں وہی آیت پڑھی یائن تو وہی پہلا سجدہ کافی

(بعارشريعت، جلد1، صني 735، مكتبة المدينه، كرايي)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظار حسين من كشبيرى عنى عنه 12 ركادول 1445 م 2023ء



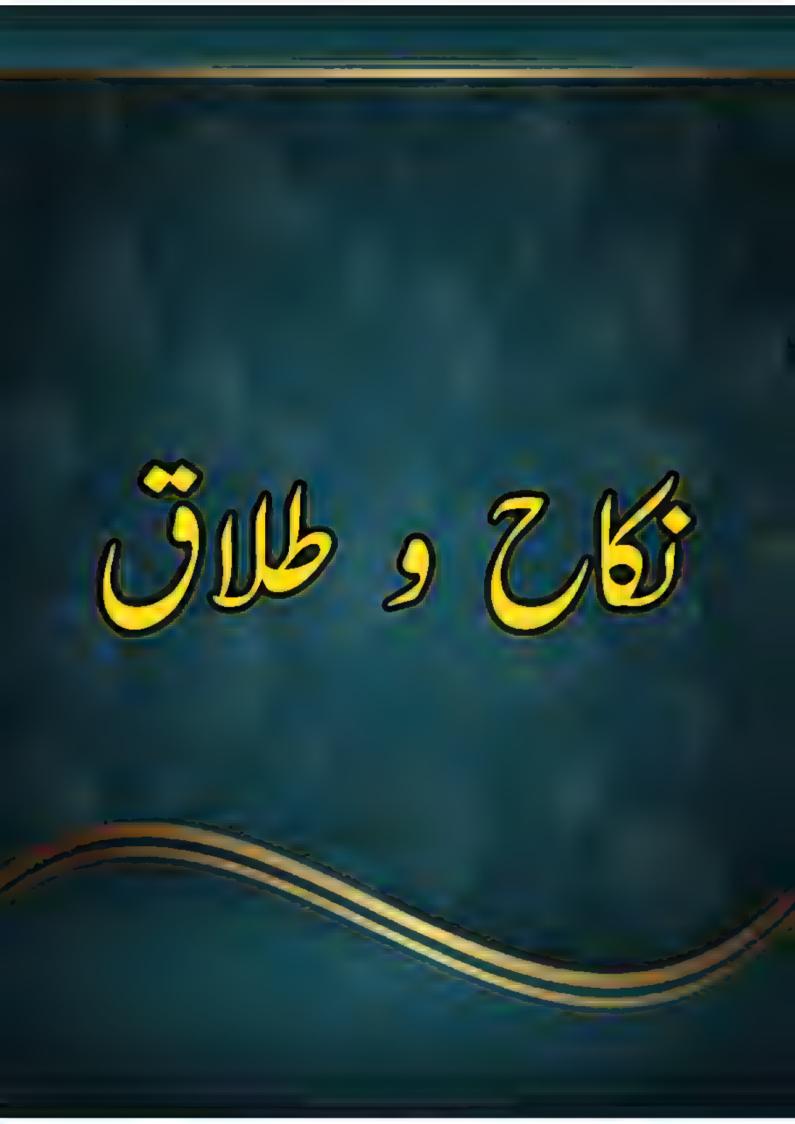
() Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

www.argfacademy.com

فقپی مسائل گروپ Fiqhi Masail Group فقپی مسائل گروپ Phone No:+923471992267

المسل شيد المشتر مجري المنظمة المحروفي المهدل المراجع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع المنافع ا







الرضاقرانوفقه أكيدهي (1049)

____ طلاق دے دوں کا کہنے سے طلاق کا تھم ___

سوال: بیوی کو کہامیں بچھے طلاق دے دوں گااسے طلاق ہوگی یانہیں؟

بسم الله الرحين الرحيم الله المحتى المحتى والصواب المجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحتى و الصواب

طلاق دے دوں گا کہنے سے طلاق واقع نہیں ہوتی۔ فناوی ہندیہ میں ہے:قالت: طلاق

بدست تواست مرا طلاق كن فقال الزوج طلاق ميكنم طلاق ميكنم وكرر ثلاثا طلقت

ثلاثابخلاف قوله كنم لانه استقبال فلم يكن تحقيقا بالتشكيك يعنى ، بيوى نے شوم كو

کہا کہ طلاق تیرے اختیار میں ہے مجھے طلاق دے دے تو شوہر نے جواب میں کہا کہ میں

طلاق دے رہاہوں، طلاق دے رہاہوں، تین مرتبہ تکرار کیاتو تین طلاقیں ہوں گی،اس

کے برخلاف اگریوں کے کہ میں طلاق دوں گا تو طلاق نہ ہو گی کیونکہ یہ استقبال ہے للذا

المسل تبلي والدين في فاحد بالمناف في المناف المناف

شک ہو گااور طلاق نہیں ہو گ۔

لناتي في إية تا الطابق، الفصل السائل في الطابق بالإخاط الفارسية، جلد 1 ، صفح 384 ، والد) (الفتاوي البندية: كتاب الطواق والباب

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظار حسين مدني كشبيرى عفيمته 29 متر النفر 1445 هـ 16 جولا كي 2023 ه



() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل کروپ

Phone No:+923471992267



الرضاقرانوفقه اكيدمى 1050

= زانی کامزنیه کی بیٹی ہے نکاح کرنا =

سوال: ایک بندے نے ایک عورت کے ساتھ زناکیااب کیازانی اس کی بیٹی سے نکاح کر سکتاہے؟

زمزم رضا :USER ID

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الهدك الوهاب اللهم هداية الحق والصواب الجواب بعون الهدك الوهاب اللهم هداية الحق والصواب جس عورت سے زنا كيا اس عورت كى اصول (عورت كى مال ، نانى، وغيره) و فروع (عورت كى بينى، نواسى، وغيره) زانى پر حرام ہو جائيں گى لمذا زانى كامزنيه كى بينى سے فاح ہميشہ كے ليے حرام ہو چكااب زانى اس كى بينى سے فكاح نہيں كر سكتا۔ فقاوى ہنديہ ميں كاح ہميشہ كے ليے حرام ہو چكااب زانى اس كى بينى سے فكاح نہيں كر سكتا۔ فقاوى ہنديہ ميں ہے: من زنى بامرأة حرمت عليه أمها وإن علت وابنتها وإن سفلت ترجمہ: جس نے كسى عورت سے زناكيااس مر د پر عورت كى مال اوپر تك اور اس كى بينى ينچ تك حرام ہو جائيں كسى عورت سے زناكيااس مر د پر عورت كى مال اوپر تك اور اس كى بينى ينچ تك حرام ہو جائيں

(نتاوى ہنديه ،الباب الثالث في بيان محرمات ،القسم الثاني ، جلد 1 ،صفحه 274 ، دار الكتب)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليمو آلموسلم

انتظار حسين مدنى كشبيرى عنى عنه 3 كالاول 1445 م 202 و



- Al Raza Quran-o-Fiqh Academy
- () Al Raza Quran-o-Fiqh Academy
- www.argfacademy.com
- فقری مسائل کروپ Fighi Masail Group
- Phone No:+923471992267

492313 ايمال تيد والراح المراح الراح المراح الم



3895414 - Shirt Die Lie - Lieber Con 2 - Lieber Con



قريها من ذلك ونكح عائشة وهي بنت سندين , ثم بغي بها وهي بنت تسع سندن ترجمه : خديجه رضي الله عنها كي وفات ني

کریم صلی الندعلیہ وسلم کی مدینہ کو بجرت ہے تنین سال پہیے ہو گئی تھی۔ نبی کریم صلی القد ملیہ وسلم نے آپ کی وفات کے تقریباً دو

سال بعد عائشہ رضی اللہ عنہاہے نکات کیااس وقت ان کی عمر چھے سال تھی جب رخصتی ہوئی تووہ نوسال کی تھیں۔

(صحيح البخارى، كتاب مناقب الإنصار، ٨٠٠. بَابُ تَزُورِيجُ النِّعِيِّ صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ عَائِشَةَ وَقُدُوهُ مَهَا الْمَدِينَةَ وَبِنَا وُالْبِينَةَ وَبِنَا وُلُوبِهَا، الحديث 2096

بہارشر بعت میں ہے: نابالغ اٹر کااور لڑکی اگر چیشیب ہواور مجنون ومعتوہ کے نکات پر ولی کوولایت اجبار حاصل ہے یعنی اگرچہ

(بهارشریست، ولی کابیان، جلد2، حصه 7، صفح 52، مکتبة المدینه، کراپی)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدنى كشبيرى عفينه 12ر كالاول 1445 ه 29 متر 2023 و

بیہ لوگ نہ جاتیں ولی نے جب نکات کردیاہو گیا۔

Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل گروپ

Phone No:+923471992267

المسل تبليد الشمش مجريزي بالمعدود ميرامي بهدا الوالمية التان المهال البدائية المان المان المان المان المان الم 3895414



الرضاقران وفقه أكيد مي (1053) = نكاح ليے لوكى كوايك بارديكھنا =

سوال: کیا فرماتے ہیں علمائے وین و مفتیان شرع متین اس مسئلہ میں کہ جس سے شادی کرتی ہواہے ایک ہارد کھے سکتے ہیں یانہیں؟ ين ياليمين؟ بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب USER ID: معدميد

یو چھی گئی صورت میں تھکم شرع میہ ہے کہ جس سے شادی کاارادہ بوضر ورتااس لڑئی کوایک بار دیکھنا جائز ہے۔حضرت جابر بن عبد الله رضى الله تعالى عند سے مروى ہے كه نبي بإك صلى الله تعالى عليه وسلم في فرمايا: "إذا خطب أحد كم المهرأة فإن استطاع أن ينظراني مايدعوة إلى نكاحها فعيفعل "ترجمه: جب تم يس ب كوني كسي عورت كونكاح كاپيغ مريخ لكي ، توا "راس كود كيريك ،جواہے اس عورت کے نکاح کی طرف لے جائے تووہ ضروراہیا کرلے۔

(سنن ابوداؤد، جلد 1 ،صغحه 301، مطبوعه لاحور)

مفسر قرآن مولانامفتی احمد یار خان تعیمی علیه رحمة القدالقوی فرماتے ہیں: دومخطوبہ وہ عورت ہے، جس کے نکاح کا پیغام دیا گیاہو یادیناہو، مخطوبہ کود کچھ لیٹایادِ کھوالینامتخب ہے۔ دیکھنے ہے مرادچپر ودیکھناہے کہ حسن وقبح چبرے ہی میں ہوتاہے اوراس ہے مراد وہ ہی صورت ہے جوابھی ذکر کی گئی، یعنی کسی بہانہ ہے دیکھ لینا پاکسی معتبر عورت سے دکھوالینا، ندکہ و قاعدہ عورت کاانٹر وابو کرنا، جیباکہ آج کل کے بے دینوں نے سمجھا۔⁴⁴

(مر أة المناجي شرح مشكوة الصاح، جلد 5، صنحه 11،12 نعيم كتب خانه، تجرات)

والله اعلمعزوجل ورسوله اعلمصلى اللهعليه وآله وسلم

انتظارحسين مدن كشبيرى عفينه 14 ر ڪال ول 1445 هـ 1 اکو بر 2023 و



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Fiqh Academy
- www.argfacademy.com
- فقری مسائل گروپ Fiqhi Masail Group

Phone No:+923471992267

المسل فيلي الشوال المراجع المنظور المحروا المحارات المراجع المناولة المراجع المناولة المراجع المراجع المراجع المناولة المراجع 3895414



الرضاقرانوفقه اكبيد مى 1054 ==

سوال: کیافرماتے ہیں علائے دین ومفتیان شرع متین اس مسئلہ میں کہ شادی پر نوٹ، پیسے نچھاور کرنے کا کیا تھم ہے؟

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الهلك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

شادی پر پیسے اڑانا منع ہے کیونکہ یہ رزق کی بے حرمتی ہے۔ سیدی امام اہلسنت،امام احمد رضاخان بریلوی علیہ الرحمہ لکھتے ہیں: بیسہ پھینکنا یا ہوا میں اڑانا منع ہے کیونکہ بیسہ رزق ہے اور رزق کی بے حرمتی جائز نہیں ہے۔

(فآوى رضويه ، جلد24 ، صفحه 520 ، رضا فاؤنڈیشن ، لاہور)

والله اعلم عزوجل و رسوله اعلم صلى الله عليه و آله وسلم كت

انتظار حسين مدنى كشهيرى عنى عنه 144 م 11 ركال ول 2023 م



- Al Raza Quran-o-Fiqh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- فقیی مسائل کروپ Fighi Masail Group
- Phone No:+923471992267





الرضاقرانوفقه أكيدهي (1055) = منت دالے گوشت سے خود کھانا =

سوال: کیا فرماتے ہیں علائے دین و مفتیان شرع متین اس مئلہ میں کہ منت کے گوشت میں سے خود کھا

يس؟ بسم الله الرحين الرحيم مسدرة على الله المحتى و الصواب اللهم هداية الحق و الصواب

منت کا گوشت فقراء ومساکین پر صدقه کرنالازم ہے اس میں سے خود تہیں

کھا سکتے اور نہ ہی اپنے والدین اور بچوں کو کھلا سکتے ہیں اور نہ ہی اغنیاء کو کھلا سکتے

ہیں۔ فآوی شامی میں ہے: وإن وجبت به فلا يأكل منها شيئا ولا يطعم غنيا

سواء كان الناذر غنيا أو فقيرا ترجمه: اورا كرصدقه ال پرواجب بهو تووه (صدقه

دینے والا)اس میں سے پچھ نہیں کھائے گااور نہ ہی غنی کو کہلائے گا چاہے منے

وييخ والاغنى ہو يا فقير ہو

(ردالمحتار على الدرالمخار، جلد6، صفحه 327، بيروت)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدن كشبيرى عفينه 12ر كالاول 1445 ه 29 متر 2023 م



Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل گروپ

Phone No:+923471992267

المسال تراب الشرشة مجروب المنطقة والمحروا الأوار المساحة المؤلسية والتحال المساحة المارا المرابعة المرابعة الم 3895414



الرضاقرانوفقه أكيدهي 1056

= براذن کرنے کی منت میں بچھڑاذنے کرنا =

سوال: كيا فرمات بين علمائ وين ومفتيان شرع متين اس مئله مين كه منت ماني تهي كه فلال كام بهو كياتو الله کی راہ میں بکرا ذبح کروں گااب کام ہونے کے بعداس کی جگہ بچھڑالے کرذبح کر سکتے ہیں یا تہیں؟

بسم الله الرحمن الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

یو چھی گئی صورت میں تھکم شرع ہے ہے کہ مجھڑا لے کر بھی ذبح کر سکتے ہیں منت ادا ہو جائے گی بکرا ہی ذبح کر نالازم نہیں ہے۔ صدر الشریعہ بدر الطریقہ مفتی امجد علی اعظمی علیہ الرحمہ لکھتے ہیں: اونٹ یا گائے ذبح کر کے اوسکے گوشت کو خیرات کرنے کی منّت مانی اور اوسکی جگہ ساتے بکریاں ذیج کرکے گوشت خيرات كرديامنت پورى ہوگئی۔

(بہار شریعت، جلد2، حصہ 9، صغیہ 320، مکتبة المدینة، کراچی)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدني كشبيرى عفيمته 12 ر ڪلاول 1445 ھ 29 تير 2023 و



- Al Raza Quran-o-Fiqh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- 😝 Fighi Masail Group فقیی مسائل کروپ
- Phone No:+923471992267

المسل قياب الشمث محمد يتنافعون المحرامي البياب الدياسية التناف البياب المدارة 3895414



الصّاء و والمثيلا عليا وسول الله و المستوادية وعلى الله وعلى الله وعلى الله وعلى الله وعلى الله والصحابات والمتعالقة والمتعادة والمتعاد

الرضاقرانوفقه اكيدمي 1057

_____ مولی علی رضی الله عنه کی بیویاں اور بیچ _____

سوال: حضرت فاطمه رضی الله عنها کے علاوہ حضرت علی رضی الله عنه نے کتنی شادیاں کیس اور کتنی اولا د بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب ہوئی؟

حضرت نی بی فاطمه رضی الله عنها کی زندگی جی حضرت علی کرم الله وجبه الکریم کو دوسرے نکات کی اجازت نبیس تھی، لیکن ان کے وصال کے بعد حضرت علی کڑتم اللہ وَجِرَهُ الكريم نے کیے بعد دیگرے کئی نکاح کئے ، آپ کے 14 لڑ کے اور 18 الركيال تنفيل في وي فيض الرسول ميں ہے: حضرت مولى على رضى الله تعالى عنه كى حضرت خاتون جنت رضى الله تعالى عنھا کے علاوہ آٹھ بیو یاں اور تھیں اور حضرت خاتون جنت رضی امند تعالی عنھا کے بعد دیگرے آپ کے نکات میں آئیں اور حضرت خاتون جنت سمیت آپ کی نوبیویول سے بندرہ صاحبر اد گان اور اٹھارہ صاحبر ادیال بیدا ہوئیں ،ر ضی اللہ تعالی علیم ،آپ کے صاحبزادگان، صاحبزادیوں اور بیویوں کے اسائے مبارکہ حسب ذیل بیں: ماحبزادگان: حسن، حسین، محس، محمد اكبر (المعروف محمد بن حنفيه)عبد الله «ابو بكر،عباس اكبر،عثان، جعفر،عبد الله اكبر، محمد اصغر ، يحيي ، عون،عمر اكبر،محمد اوسط درضي الله تعالى عنهم و صاحبراد مان :ام كلثوم، زينب الكبرى، رقيه ،ام الحسن ، رملة الكبرى، ام باني، ميمونه، رملة الصغرى، ام كلتُوم صغرى، فاطمه، امامه، خديجه، ام الخير، ام سلمه، ام جعفر، جمانه، تقيه ررضي الله تعالى عنهن يع يال: سيده فاطمه، خوله، ايله ،ام البنيين ،ام وله ،اساء،ام حبيب،امامه ،ام سعد_ر ضي الله تعالى عنهن_

(فآوي قيض الرسول، جلد2، صفحه 571، شبير برادرز، لا بور)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مبن كشبيرى عفينه 20 متر النفتر 1445 هـ 7 يولائي 2023 و



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- 😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل گروپ
- Phone No:+923471992267

3895414

March of the second of the sec

الرضاقرانوفقه اكيدمي 1058

والده مصطفی الله الله کی وفات و مزار ____

سوال: حضور ملتَّهُ يُلِيَّهُم كَى والده حضرت آمنه رضى الله عنها كى وفات سفر ميں ہو ئى تو کس کے ساتھ سفر کر ربی تھیں کہاں جارہی تھیں اور ان كی قبر کہاں پرہے؟ ىشانزز:USER ID

بسم الله ألرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب والده مصطفى طلق للهم سيرتنا آمنه رضى الله عنها، سيرتنام اليمن رضى الله عنها اور سيدنا

عبدالمطلب رضی الله عنه کے ساتھ سید ناعبد الله رضی الله عنه کی قبر پر حاضر ہوئیں واپسی پر

ابواء کے مقام پر آپ کا انتقال ہوااور اس جگہ آپکو دفن کر دیا گیا۔انساب الاشراف میں

ہے:جب آپ رضی اللہ تعالی عشاحضرت سیدُناعبدُ المطّلب اور حضرت سیّد تناام آئین

کی رَ فاقت میں حضرت سیّد نا عبداللّٰہ رضی اللّٰہ تعالٰی عنه کی قبرِ مبارک پر حاضر ہوئیں جبیبا

کہ آپ کامعمول تھاتو واپس آتے ہوئے مقام اُبُواء پر و فات پا گئیں اور اس جگہ پر آپ کو سپر دِ

(انساب الاشراف، جلد 1، صنحه 103 ، ملحضا)

Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fiqhi Masail Group فقيى مسائل كروب Phone No:+923471992267

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدن كشبيرى عقمته 20 متر النفتر 1445 هـ 6 جولائي 2023 و



خاك كيا كيا-



الرضاقرانوفقه أكية مى 1059

____ امام حسن، خلفائے راشدین میں سے ہیں۔

سوال: خلافت راشده کی مدت کتنی ہے اور کیاامام حسن مجتبی رضی اللہ عنه بھی خلفائے راشدین میں شامل بسم الله الرحمن الرحيم من من من من اللهم الله المحق و الصواب اللهم هذا ية الحق و الصواب

خلافت راشدہ کی مدت تمیں سال ہے جو کہ امام حسن مجتبی رضی اللّہ عنہ کی چیرماہ کی خلافت پر مکمل ہوئی امام حسن بھی خلفاء راشدین میں سے جیں۔ خلافت کی مدت تیس سال ہونے کے متعلق نبی کریم صلی اللہ علیہ والہ وسلم نے ارشاد فرمایا: "الخلافة في امتى ثلاثون سنة ثم ملك بعد ذلك" ترجمه: ميري امت مين خلافت تيس سال تك بهو كي اور اس كے بعد باوشاہت ہوگی۔ (جامع تریزی، ن4، ص73، رقم الحدیث2226، وار الغرب الاسلامی، بیروت)

صدر الشريعه مفتی محمد امجد علی اعظمی رحمة القد عليه حضرت سيد أحسن رضی القد عنه کے خلفاؤر اشدين ميں شامل ہونے کے متعلق فرماتے ہیں: '''نی صلی اللہ تعالٰ عدیہ وسلم کے بعد خلیفہ کر حق واہ مِ مطلق حضرت سیّد نا ابو بکر صدیق، پھر حضرت عمرِ فاروق، پھر حضرت عثان غنی، پھر حضرت مولی علی، پھر چھ مہینے کے لیے حضرت لام حسن مجتبی رضی اللہ تعالی عنہم ہوئے ،اِن حضرات کو خلف نے راشدین اور اِن کی خلافت کو خلافت ِراشدہ کہتے ہیں کہ انہوں نے خصور (صلی اللہ تعالی علیہ وسلم) کی سچی نیابت کا پوراحق ادافرما یا۔۔۔منصابی نبوت پر خلافت ِحقہ راشدہ تمیں سال رہی کہ سیّد نامام حسن مجتبیٰ رضی اللہ تعالی عنہ کے چھ مبينے پر ختم ہو گئی۔ (بهارشريعت، ج1، حصد 1، ص 241، مكتبة المدينه، كراجي)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظار حسين مدنى كشبيرى عفيمته 29مترالنتر1445هـ16 بولائي 2023ء



Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fighi Masail Group فقیی مسائل کروپ



الرضاقران وفقه اكيد مى 1060

صدیق اکبر کی وفات و نماز جنازه =

سوال: سيد ناابو بمرصديق رضى الله عنه كى وفات كب بهو نى اور آپ كى نماز جنازه كس نے بڑھائى؟

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

سيد ناابو بكر صديق رضى الله عنه كاوصال 13 من هجرى 22 جمادى الاخرى پيراور منگل کی در میانی رات کو ہوا اور آ یکی نماز جنازہ سیدنا عمر فاروق اعظم رضی اللہ عنہ نے بڑھائی۔ کتاب العقائد میں ہے:آپ رضی اللہ عنہ کا وصال 22 جُمادَی الاخریٰ 13ھ شب سہ شنبہ (لیعنی پیر اور منگل کی در میانی رات) مدینه ٔ منورہ (میں) مغرب وعشاء کے در میان تریسٹھ (63) سال کی عمر میں ہوا۔ حضرت سیّد ناعمر بن خطّاب رضی اللہ عنہ نے نماز جنازه پڑھائی۔

(كتاب العقائد، صفحه 43، مكتبة المدينة، كراچي)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليمو آله وسلم

انتظارحسين مدن كشبيرى عنى عنه 2029مز التنز 1445م 15ولائى 2023م



Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل کروپ



الرضاقران وفقه اكية مى 1061

= عليم لقمان رضي الله عنه كالتعارف =

سوال: حضرت حكيم لقمان كون تهے؟

USER ID: مسمهان

بسمالته الرحمن الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هذاية الحق والصواب معزت عليم القراب اللهم هذا في المحتى والصواب معزت عليم لقيان رضى الله عنه حضور ما تأثيب في أمان من الله باك ك نیک بندے تھے اور حکیم تھے اور ان کے نام پر قرآن پاک کی ایک سورت مجھی ناز ل ہوئی ہے۔ فرمان باری تعالى بے: وَلَقَدُ اتَّيْنَا لُقُلْنَ الْحِكْمَةَ أَنِ اشْكُرُ يِنْثِو ترجمه: اور بِ شَك جم في لقمان كو حكمت عطافر ماني كه (سورة لقمان، آيت 12)

مشہور مورخ محد بن اسحاق کہتے ہیں کہ حضرت لقہان رَضِي الله عَنْهُ كانسب بيہ ہے:" لقمان بن ناعور یا باعور بن ناحور بن تارخ۔حضرت وہب رَضِیَ اللّٰہ تَعَالٰی عَنْهُ کا قول ہے کہ حضرت لقمان رَضِیَ اللّٰہ عَنْهُ حضرت ابوب عَكَيْدِ الصَّلُوةُ وَ السَّلَامِ كَ بِهَا نَجِ تَصْ حَبَكِهُ مَفْسِ مَقَائلَ نِي كَهَا كَه حضرت ابوب عَكَيْدِ الصَّلُوةُ وَالسَّلَامِ كَي خَالِهِ كَ فَرِزنْدِ مِنْ هِ لِيا اورأن الصَّلُوةُ وَالسَّلَامِ كَا زَمَانَهُ بِإِيا اورأن ے علم حاصل کیا۔حضرت داؤد عَلَیْہِ الصَّلُوةُ وَالسَّلَامِ کے اعلانِ نبوت سے پہلے فتو کی دیا کرتے تھے اور جب آپ عَلَيْهِ الصَّلُوةُ وَالسَّلَامِ نَبُوت كَ مَنصب بر فائز ہوئے تو حضرت لقمان رَضِي الله عَنْهُ نِ فَ فَوَيُ دینا بند کر دیا۔آپ رضی اللہ عُنْهُ کے نبی ہونے میں اختلاف ہے، اکثر علماء اس طرف ہیں کہ آپ حکیم تھے

(بغوى، لقمان، تحت الآية: ۳،۱۲ / ۳،۱۲ مدارك، لقمان، تحت الآية: ۱۲، ص ۹۱۷، ملتقطاً)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظار حسين مدن كشبيرى عفينه 3ر كالدول 1445 م 20 يولاني 2023 و



- 📭 Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- 😝 Fighi Masail Group فقیی مسائل کروپ

Phone No:+923471992267

+92313 المسال توالى الأمال مح فاحد المنافقة في المراحى المهامة المادية المنافية المادية المادية المادية المادية المرادية 3895414



الرضاقران وفقه اكيد مى 1062

= ميدان كربلامين سب سے پہلے شہيد =

سوال: میدان کربلایس سب سے پہلے شہید ہونے والے شہید کانام کیا ہے؟

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

میدان کربلامیں سب سے پہلے شہید ہونے والے حضرت حرر ضی الله عنه ہیں امام حسین رضی الله عنه

کی اجازت سے سب سے پہلے میدانِ جنگ میں حضرت خررضی اللہ عنہ تشریف لائے،ان کے مقالمے میں

مخالفین کے کشکر سے صفوان بن حنظلہ سامنے آیا، آپ رضی اللہ عنہ نے اس کا سرتن سے جدا کر دیا، اس کے

بعد صفوان کے تین بھائیوں ہے بیک وقت مقابلہ کیااور بلک جھیکتے ہی انہیں خاک میں ملادیا، اس کے بعد

حضرت خرد شمنوں کے صفول کو چیرتے ہوئے ان کے در میان چلے گئے اور ابن سعد کے پرچم بر دار کے دو

مکرے کر دیئے، شمر کے تھم پر اس کے لشکرنے آپ کو چار وں طرف ہے گھیر لیا، آپ بہاد ری ہے ان کا

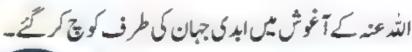
مقابلہ کررہے تھے کہ قسورہ بن کنانہ نے ان کے سینے پر نیزہ ماراجو آپ کے جسم میں کھس گیا، حضرت حر

ر ضی الله عنه قسورہ بن کنانہ کو واصل جہنم کرتے ہوئے اپنے گھوڑے ہے گریڑے اور امام عالی مقام رضی

(سوائح كريلا، صفحه 63 ،مكتبة المدينة ، كرا يي ،ملتقط وملحض)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدني كشبيرى عفيمته 5 ر ڪالاول 1445 م 22 تير 2023 و



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Fiqh Academy
- www.argfacademy.com
- فقیی مسائل کروپ Fiqhi Masail Group فقیی مسائل کروپ Phone No:+923471992267



الرضاقرانوفقه اكيدمي (1063)

صحابہ کرام علیهم الرضوان کی تعداد =

سوال: صحابه كرام عليهم الرضوان كي تعداد كتني تقي؟

بسم الله الرحين الرحيم الله الرحين البيرة المتى والصواب المهم هداية الحق والصواب

صحابہ کرام علیہ مم الرضوان کی تعداد کے متعلق روایات مختلف ہیں بعض روایات میں ججۃ

الوداع کے موقع پر ایک لا کھ 14 ہزار بعض میں ایک لا کھ چو ہیں ہزار تک صحابہ کرام علیهم

الرضوان جمع ہوئے۔ کرامات صحابہ میں زر قانی و، مدارج النبوۃ میں ہے: حِجَّةُ الْوِداع میں

تقريباً ايك لا كه چوده بزار (14,000) صحابة كرام عَكَيْهِمُ الرِّضُوّان خُصُّور مِنْ الْمِيْلِلْمِ ك

ساتھ جے کے لیے مکہ مکر مہ میں جمع ہوئے اور بعض دوسری روایات سے پینہ چلتاہے کہ حِجَّةُ

الوداع مين صحابة كرام رضي الله عنهم أجمعين كي تُغداد تقريباً ايك لا كه چوبيس بزار

(1,24,000) تقى _ (زر قانى، جلد3، صفحه 106، مدارج، جلد2، صفحه 387،)

(كرامات صحابه، صفحه 15، مكتبة المدينه، كراچي، ملحفها)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدنى كشبيرى عفينه 5 ر ڪالول 1445 هـ 22 مجر 2023 و



Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل کروپ



الرضاقران وفقه اكيد مى 1064

= کربلامیں مولی علی کے بیٹے =

سوال: کیافرماتے ہیں علمائے دین و مفتیان شرع متین اس مسئلہ میں کہ میدان کر بلامیں مولی علی کرم اللہ وجهد الكريم كے كتنے بيٹے شہيد ہوئے؟ بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب لايرنين الSER ID:

امیر المؤمنین سیدنا علی المرتضیٰ رضی اللهُ عنه کے صاحبزاد گان حضرت ابو بکر ، حضرت عمر، حضرت عثمان، حضرت عون، حضرت جعفر اور حضرت عباس اور حضرت عبد الله

رضی اللهُ عنهم اپنے دل میں شہادت کا جذبہ لئے میدان جنگ میں تشریف لاتے گئے اور

د شمنوں سے زمین کو باک کرتے چلے گئے، اسد الله رضی الله عنه کے جانباز شیروں نے

لومر یوں کے نشکروں کا نہایت بہادری سے مقابلہ کیا اور دین اسلام کی خاطر اپنی جانیں

قربان کرویں۔

(ماخوذ خطبات محرم صغحہ 368،اکبر بک سیلرز،ار دو بازار،لا ہور)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليمو آلموسلم

انتظارحسين مدني كشبيرى عفينه 9ر كالاول 1445 - 27 تير 2023 و



Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

<u>www.argfacademy.com</u>

😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل گروپ

Phone No:+923471992267

3895414

المسل توالي الشرك مجد يدر المنافعة والمحرومي المواد المنافعة المنا



الرضاقرانوفقه أكيدهي (1065)

صفرت جعفر طیار رضی الله عنه کاتعار ف ____

سوال: حضرت جعفر طبيار رضى الله عنه كون يتهے؟

بسم الله الرحمن الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب مور فهرر USER ID

حضرت سيدنا جعفر طيّار رضي اللهُ عنه پيارے آقاء كى مدنى داتا سُتَيَائيم كے محبوب وولدار منصاور آپ سن اللہ اور ابوالمساكين ہے جبك القابات جواد (سخی)، ذُو الجَناحَين (دوپروں والے)، طيّار (اڑنے والے)اور صاحبُ المجر تين (پہلی ہجرت عَبشہ کی طرف اور دوسری مدینہ شریف کی طرف فرمانے والے)ہیں۔

(تريذي، جلد5، صفحة 425، حديث: 3791، سبل البدي والرشاد، جيد 11، صفحه 106، ملحضا)

آبِ رضيَ اللهُ عنه النِّخ سَكَ بِها فَي شيرِ خدا، حضرتِ سيّدنا على المرتضى كَرَّمَ اللهُ تعللُ وَجهَهُ الكهيم سے عمر میں 10 برس بڑے تھے۔آپ 25 یا 31 مردوں کے بعد ایمان کی دولت سے مالامال ہوئے۔ (الاصابه، جلد1، صفحه 593، 593، لمحفها)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليمو آله وسلم

انتظار حسين مدنى كشبيرى عفينه 8 كالاول 1445 هـ 26 تير 2023 و



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- 😝 Fighi Masail Group فقیی مسائل گروپ

Phone No:+923471992267

المسل شرف الشرف المرابعة المنظمة والمحروا المن المواجعة المنان المال المرابعة المناز ا 3895414



الرضاقران وفقه اكيد مى 1066

= حضور مل الله المامت = ترى امامت

سوال: كيا فرماتے ہيں علمائے وين و مفتيان شرع متين اس مئلہ ميں كه نبي كريم التي يَالِيْم نے سب سے آخری کونسی نماز کی امامت فرمائی؟ USER ID: - ~

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

نبی کریم ملٹی لیا ہے نے سب سے آخری نماز جس کی امامت فرمائی وہ بروز جمعرات مغرب کی نماز تھی اس کے بعد حضور ملتی ایکی کے حکم کے مطابق سیدنا ابو بکر صدیق رضی اللہ عنہ نے جمعرات کی عشاء سے پیر کی فجر تک نمازیں پڑھائیں ۔ سیرت مصطفی میں ہے: جب تک

جسمانی طاقت رہی آپ صلی اللہ علیہ والہ وسلم مسجدِ نبوی میں نمازیں پڑھاتے رہے ، جب

کمزوری بہت زیادہ بڑھ گئی توآپ نے تنین بار اِر شاد فرمایا: "ابو بکر کو تھم دو کہ وہ لو گوں کو

نماز پڑھائیں۔ " چنانچہ صدیق اکبر رضی اللہ عنہ نے جمعرات کی عشاہے پیر کی نمازِ فجر تک

(سيرت مصطفيا، صفحه 542، مكتبة المديند، كراچي، ملحضا)

17 نمازیں پڑھائیں۔ Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

انتظارحسين مدن كشبيرى عفينه 14 ر كالاول 1445 هـ 1 اكتر 2023 و

- www.argfacademy.com
- 🈚 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل گروپ Phone No:+923471992267



المسل شياب المست مجرين بالمنافرة المحاراتي بهدا المواجه التان الصال البراسية المان المان المان المان المان الم 3895414



+92313 3895414 من مريد چندو مراق بيدان الريد المراق الم



الرضاقران وفقه اكيد مى 1068

صفور ملتي الله سے ثابت خوشبو كانام

سوال: کیافرماتے ہیں علمائے دین و مفتیان شرع متین اس مسئلہ میں کہ حضور مل این آئے ہے کون سی خوشبو

الكاناتات ؟؟ بسم الله الرحين الرحيم عرب USER ID: مرسر USER ID: الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق والصواب

حضور ملق البائم سے مشک و عنبر کی خوشبولگانا ثابت ہے ایسے ہی عود کی و هونی لینا بھی پیارے آقا ملق البائم

ے ثابت ہے۔ سنن نسائی کی حدیث ہے: محمد بن علی رضی اللہ تعالیٰ عنہ سے مروی ہے،آپ فرماتے ہیں

کہ میں نے حضرت عائشہ صدیقہ رضی اللہ عنہا سے بوچھا : کیا نبی کریم صلی اللہ علیہ وسلم خوشبولگایا کرتے

عظ ؟ تو انہوں نے فرمایا: نعم، بذكارة الطيب؛ البسك، والعنبوترجمد: بى بال! نبى كريم صلى الله عليه

وسلم مر دانه خوشبومتک وعنبر استعال فرما یا کرتے ہتے ۔ (سن نبانی تنب از پیسن، م 151 باکتیہ اجدیہ عبری عامرہ)

حضرت نافع رضی الله عنه سے مروی ہے کہ ابن عمر رضی الله تعالی عنبما تبھی خالص عود کی دھونی لیتے

اور تبھی عود کے ساتھ کافور ملا کر و حونی لیتے اور یہ کہتے کہ: هکذا کان یستجمر د سول الله صلی الله علیه

وسلم ترجمه: رسول الله صلى الله تعالى عليه وسلم بھى اى طرح د ھونى ليا كرتے تھے۔

(السحيح لمسلم، ي70، ص48، دار الطباعة العامره، تركى) والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

> انتظارحسين مدني كشبيرى عفينه 14 كالاول1445 م1 اكتر 2023 و



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
 - () Al Raza Quran-o-Figh Academy
 - www.argfacademy.com
- فقیی مسائل گروپ Fiqhi Masail Group

Phone No:+923471992267

3895414

المسل توالي الشرك مجد يدر المنطقة والمحروا في المهدة المناوية المناوية المناوية المناوية المناوية المناوية



الرضاقرانوفقه اكيدهي (1069)

____ عیسی علیہ السلام کوروح اللہ کہنے کی وجہ ____

سوال: دسید ناعلیسی علیه السلام کور وح الله کیول کہتے ہیں ؟اس لقب کی وجه بیان فرمادیں۔

باز منت:USER ID

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

سید ناعیسی علیہ الصلاۃ والسلام کی پیدائش سید ناجبر ئیل امین علیہ السلام کی بھونک سے ہوئی اے لیے سيد ناعيسى عليه السلام كورون الله كها جاتا ہے۔ فرمان بارى تعالى ہے: وَ مَرْيَمَ ابْنَتَ عِنْدانَ الَّتِيَّ أَحْصَنَتْ فَنُجَهَا فَنَفَخْنَا فِينِهِ مِنْ زُوْحِنَا وَصَدَّقَتْ بِكَلِيتِ رَبِّهَا وَكُتْبِهِ وَكَانَتْ مِنَ الْقُنِتِينَ (12) ترجمه: اور عمران كى بين مریم جس نے اپنی پارسائی کی حفاظت کی تو ہم نے اس میں اپنی طرف کی روح پھو نکی اور اس نے اپنے رب کی ہاتوں اور اس کی کتابوں کی تصدیق کی اور فرمانبر داروں میں ہوئی۔ (القرآن، سورۃ التحریم، آیت 12 ،) اس كے تحت تفسير صراط البخان ميں ہے: حضرت عيسىٰ عَلَيْهِ الصَّلُوة وَالسَّلَام كوروحُ الله اس لئے كہتے ہیں کہ آپ کی بیدائش رُوُحُ اللَّامنین کی پھونک ہے۔

(صراط البحان، سورة التحريم، تحت الآيت 12 ،)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدني كشبيرى عقمته 20 متر النفتر 1445هـ 6 جولائي 2023 و



- 👩 Al Raza Quran-o-Fiqh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- فقیی مسائل گروپ Fiqhi Masail Group
- Phone No:+923471992267

3895414

A CONTRACTOR OF THE PROPERTY O





سوال: رات کو جانور بیار ہواذ بح کرتے ہوہے جلدی میں صرف دور گیں کائی گئیں دور گیں نہیں کٹیں تو جانور حلال ہو گایا حرام ؟

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

یہ چھی گئی صورت میں جانور حرام ہو جائے گا کیو نکہ فرج کی کے لیے جانور کی سرون میں موجود مکمل چار رگوں یاان میں اسے اسٹر کا کرنے جانا ضرور کی ہے، اگر نصف یااس ہے کہ رکیس تشیر، تو جانور حلال نہیں ہوگا، چار رگوں کے نام یہ جیں، (1) حلقوم، یعنی سانس والی نالی،(2) مرکی، جس سے کھانا پائی اثرتا ہے، (4،3) وہ جین، خون والی وو رگیس۔ عالمگیری میں ہے: "والعووق التی تقصع فی الذکاۃ أربعة:الحنقوم، وهو مجری النفس، والمحری، وهو مجری الطعام، والموجان وها عرفان فی جانوں الوقیة یجری فیها الدم، فإن قطع کل الأربعة حلت الذہبیحة، وإن قطع آکادها فکذلك عند أبي حنفية رحمه الله تعالی الما أن للاکار حكم الكل، كذا فی المضورات، و فی الجامع الصغیراذا الله تعالی الما أن للاکار حكم الكل أو الآکار ولیس للنصف حكم الكل فی موضع الإحتیاط کذا فی الحاق الدو و الموسل المنصف حكم الكل فی حضاع الحقوم و نصف الحق الدو و المحتی جو ذرح شرکی جو درکیس جو دو کیس خور درکیس جو درکیس کی درکیس جو درکیس جو درکیس جو درکیس خورکیس جو درکیس جو درکیس جو درکیس جو درکیس خورکیس خورکیس خورکیس جو درکیس جو درکیس خورکیس خورکیس جو درکیس خورکیس خورکیس

(عالمنيري، تماب الذيائح، الباب الاول في تغييره، جدد، صفحه 354، مطبومة كراجي)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليم وآله وسلم

کتب____ه

انتظار حسین مدنی کشبیری 25 م م الحرام 1445ه/10 اگست 2023ء Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

() Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

www.argfacademy.com

(ا Fighi Masail Group فقرى مسائل كروب

Phone NO:923471992267





الرضاقرانوفقه اكيدمى (1071)

ز ج سے پہلے جانور کو بھو کا پیاسار کھناکیا؟

سوال: جس جانور کی قربانی کرنی ہوتواہے صبح سے بھو کا پیاسار کھناضر وری ہے کیا؟

عدركن في سامير

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق والصواب

ایسانہیں ہے بلکہ جانور کو ذرئے ہے پہلے کھلانا، پلاناچا ہے بھوکا، پیاساؤر نے نہیں کرناچا ہے۔
صدرُ الشَّر بعد ، بَدرُ الظَّر بقتہ حضرتِ علامہ مولانامفتی امجد علی اعظمی عَدَیْهِ دَحْمَةُ اللهِ القَوِی فرماتے ہیں:قربانی سے پہلے اُسے چارا پانی دے دیں یعنی بھوکا پیاساؤن کُ نہ کریں اور ایک کے سامنے دوسرے کو نہ ذَن کریں اور پہلے سے چُھری تیز کر لیں ایسانہ ہو کہ جانور گرانے کے بعد اُس کے سامنے چُھری تیز کی جائے۔

(بهارشريعت جلد 3، صفحه 352 ، مكتبة المدينة ، كراچي)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلمصلى الله عليه وآله وسلم

انتظار حسين مدني كشبيري ا مفرالظفر 1445ه/19 أكت2023،



- Al Raza Quran-o-Fiqh Academy
- () Al Raza Quran-o-Fiqh Academy
- www.argfacademy.com
- (ع Fighi Masail Group فقری مسائل کروپ
- Phone NO:923471992267

يعال تواب من ألي ينافظ لل المالية المالية

العيّاه في والمثيلا عليان سول الله المجالة ال

الرضاقرانوفقه اكيدمي (1072)

الإعقاد الكاند عقام كالمان الماند عقام كالمان الماند عقام كالماند كالماند عقام كالماند كالماند

سوال: كيابرا جانورت جاريا بالخي بحول كاعقيقه كرسكتے بين ياايك بى عقيقه موسكتا ہے؟

بسم الله الرحمين الرحيم المحد الجواب بعون المهدانة الحمل المهم هداية الحق والصواب المجواب بعون المهلك الوهاب الملهم هداية الحق والصواب برئ جانور سايك برئ جانور سايك بين برئ جانور سايك بين برئ جانور سايك بين برئ عقيقة بحق موسوعة فقيد كويتي بين سهة: "يجزئ في العقيقة المجنس الذي يجزئ في الأضعية، وهو الأنعام من إبل وبقي وغنم، ولا يجزئ غيرها، وهذا متفق عليه بين الحنفية، والشافعية والحنابلة، وهو أرجح القولين عند المالكية "ترجمد: جس جنس كي جانور بين الحنفية، والشافعية والحنابلة، وهو أرجح القولين عند المالكية "ترجمد: جس جنس كي جانور فرباني من كافي بين وه عقيق من بحى كفايت كر جائي كي اور وه يو بائي، يعني اونك، كائ اور كرى، اس كي علاوه كو في جانوركا في نبين جديد احناف، شافعيد اور حنابلد كاشفق عليد خد به جاور مالكيد كي نزديك و قولول بين سادة يمن بين جديد احناف، شافعيد اور حنابلد كاشفق عليد خد بهب جاور مالكيد كي نزديك و قولول بين سادة يمن بين جديد احناف، شافعيد اور حنابلد كاشفق عليد خد بهب جاور مالكيد كي نزديك

(موسومه فقهيه كويتيه ،جيد30، صفحه 279 ، دارالصفوه ، مصر)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

ري انظار حسين مدني تشميري طيء 18 مغرالمظفر 1445هه 19دلائي 2023ء



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- (3Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.arqfacademy.com
- الم Fighi Masail Group فقبی مسائل کروپ



الرضاقرانوفقه اكيدمى 1073

= نایاکی کی حالت میں جانور ذرج کرنے کا تھم

سوال: كياجنابت كي حالت مين جانور ذريح سكتے بين ؟ اور جانور حلال مو جائے گا؟

بسم الله الرحين الرحيم الله الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

جانور ذی کرنے والے کا پاک ہونا ضروری نہیں ہے ناپاکی کی حالت میں جانور ذی کیا تو بھی جانور حلال ہو جائے گا جبکہ شری طریقے سے حلال کیا جائے۔النتف فی الفتاوی میں ہے: ''ان ذبح کل مسلم حلال رجلا کان او انٹی حراکان او عبد اجنباکان او طاهرا''یعنی ہر مسلمان کا ذی کیا ہوا جانور حلال ہے خواہ ذی کرنے والا مر دہویا عورت، آزاو ہویا غلام، جنبی (اس پر عنسل فرض) ہویا باک ہو۔

(النتف في الفتاوي، صفحه 147 ، مطبوعه: پشاور)

فآوی بحر العلوم میں ہے:'' جانور ذرج کرنے کے لئے ذرج کرنے والے کا پاک ہوناضر وری نہیں،اب اگربے نہائے ہوئے بھی کسی نے جانور ذرج کر دیا، تو وہ حلال ہو جائے گا''

(فيّاوي بحر العلوم ، جلد 4 ، صفحه 462 ، شبير برادر ز ، لا هور)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مىنى كشبيرى عنى عنه 29مترالغتر 1445ھ16ءولائى 2023ء



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- (3 Fighi Masail Group فقیی مسائل کروپ
- Phone No:+923471992267

#92313 3895414 دادام حوم وم كي الوان

براك ايسال تواب





الرضاقرانوفقه اكيدمى 1074

____ کھانا کھاتے ہوئے ہاتیں کرنے کا تکم ____

سوال: کھانے کے دوران باتیں کرنے سے کیا گناہ ہوتاہے؟

سالارسكندر:USER ID

بسم الله الرحمن الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

کھانے میں فاموش رہنا جائزہ ہاں اگراس فاموشی کو اچھا یا تواب سمجھ رہا ہو تو جائز نہیں کہ یہ مجو سیوں سے مشابہت ہے۔۔ فناوی شامی میں ہے: دیکرہ السکوت حالة الأکل؛ لأنه تشبه بالمجوس، ویتکلم بالمعروف ترجمہ: کھانے کی حالت میں فاموشی مکروہ ہے کیونکہ یہ مجو سیوں سے مشابہت ہے اور وہ (کھانا کھانے والا) اچھاکلام کرے۔

(ر دالمحتار على الدر المختار ، جلد 6 ، صفحه 340 ، بير وت)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظار حسين مدني تشميري منى عنه 18 مغرالمظفر 1445 مه جولائي 2023 م



- Al Raza Quran-o-Fiqh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- 😚 Fighi Masail Group فقیی مسائل کروپ
- Phone No:+923471992267

MATERIAL CONTRACTOR OF THE PROPERTY OF THE PRO



الصّاء و والمسِّيل عليان سُول الله على الله وعلى الله والمستوادين المستوادين الله والمستوادين المستوادين الله والمستوادين المستوادين ا

الرضاقرانوفقه اكيدهي (1075)

_____غيرالله (والدين وغيره) كي قسم المانے كائكم _____

سوال: مال کی قشم، باپ کی قشم کہنے سے کیافتھم ہو جائے گی اور اس کا کیا تھم ہے؟

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

ماں، باپ، بہن، بھائی، بیوی ، بچوں وغیر ہ کی قشم اٹھانا شر عا مکر وہ وممنوع ہے اور یہ قشم شرعی قشم بھی نہیں کہ اس کا بورا کر نالازم ہواور توڑنے پر کفارہ وغیر ہلازم آئے ،احادیث مبار کہ میں غیر اللہ کی قشم اٹھانے سے صراحتا منع کیا گیا ہے۔حضور صلی اللہ علیہ وسلم نے اپنے والد کی قشم کھانے سے منع کرتے تهوئ ارشاد قرمايا: "أن الله ينهاكم أن تحلفوا بآبائكم، من كان حالفا فليحلف بالله او لیصبت'' ترجمہ: یے شک اللہ باک تمہیں اپنے باپ کی قشم کھانے سے منع فرماتا ہے،جو شخص قشم کھائے، تو وہ اللہ کی قسم کھائے پاپُسے رہے۔

(الصحيح بنخاري، كتاب الإيمان، بإب لا تحلفوا يّ باتهم، خ2، ص983، مطبوعه كراجي) صدرالشريعه بدرالطريقه مفتى امجد على اعظمى عليه الرحمه لكصة بين: غير غدا كي فتهم مكر وه ب اوربيه شرعاً قسم بھی نہیں یعنی اس کے توڑنے سے کفارہ لازم نہیں _۔

(ببارشريت، قسم كابيان، جلد2، حصه 9، صفحه 301، مكتبة المدينه كراجي)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظار حسين مدني تشميري عنيءنه 18 مترالطغر1445هـ4 بولائي 2023 و



Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fiqhi Masail Group فقين مسائل كروب



الرضاقران وفقه اكيدهى 1076

= عورت کے سلام کا جواب دینے کا تھم

سوال: عورت كسى نامحرم شخص كوسلام كرے توجواب ديناكيساہے؟

سلامكندر:USER ID بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

غیر محرم عورت اگر بوڑھی ہو تواس کے سلام کا جواب آواز سے دیا جائے جبکہ نوجوان لڑکی سلام کرے تواس کے سلام کا جواب آستہ آواز میں دیا جائے کہ وہ لڑکی آواز نہ سنے۔ فاوی عالمگیری میں ہے : إن کانت عجوذ ايرد عليها، وإن کانت شابة يرد عليها في نفسه، کذا في الخلاصة "ترجمہ: اگر تووہ عورت بوڑھی ہے تومرداس کا جواب وے اورا کرجوان

ہے توآہتہ آواز میں جواب دے، جیسا کہ خلاصہ میں ہے۔

(فآوى بنديد ، كتاب الكراهية ، جيد 5 ، صفحه 327 ، دار الفكر ، بير وت)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

رى انتظار حسين مدنى كشميرى منى عند 18 مغرالمظر 1445 مه جولائى 2023 م



المت الريد بالماه ورائما الماسيد والريد والمتي المال الماسيد والمال الماسيد

Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.arqfacademy.com

😚 Fighi Masail Group فقیی مسائل کروپ



الرضاقران وفقه اكيد مى = مرد کابیوی کوخون عطیه کرنا =

سوال: کیام داین بیوی کوخون دے سکتاہے؟

بسم الله الرحمن الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق والصواب

شرعی ضرورت ہو تو شوہر کا ابنی بیوی کو خون دینا بلاشبہ جائز ہے۔ ابو رجا محمد نور المصطفیٰ صاحب لکھتے ہیں :میاں بیوی کے آپس میں ایک دوسرے کو خون دینے کے متعلق بعض لو گوں کا بیہ خیال ہو تاہے کہ خون دینے سے میاں بیوی کے در میان حرمت کا ر شتہ قائم ہوجاتا ہے، تو یادر ہے بیہ خیال شرعاً درست نہیں ہے، بلکہ درست مسئلہ بیہ ہے کہ جس طرح انسان بیوی کے علاوہ کسی اور کو ضرورتِ شرعی کے وقت خون دے سکتا ہے، یو نہی بیوی کو بھی دے سکتا ہے اور اس کی وجہ سے ان میں کسی قتم کی حرمت ثابت نہیں ہوتی۔ (دار الا في والبسنت، فتوى نمبر: WAT-1155 من في الراء: 15 ربي الاول 1444 هـ/12 اكتوبر 2022 م)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدنى كشبيرى عفينه 29 متر النفر 1445 هـ 16 جولائي 2023 ه



Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

🎁 Fiqhi Masail Group فقيى مسائل كروپ

Phone No:+923471992267

المسل تبلي والدن أوقات بهنده والمحيراتي ويب الويامية والناب والمار المهارية 3895414



الرضاقرانوفقه أكيدهي 1078

____ کسی کے مرنے پرچالیس دن کسی کو کھانا کھلانا

سوال: کسی کے مرنے پرجو چالیس دن تک ایک غریب کو کھانا کھلا یاجاتا ہے اس کا کیاشر عی حکم ہے؟

عام معيد. بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق والصواب

یو چھی گئی صورت میں میہ کھانا ھلانامیت کے ایصال ثواب کے لیے ہو تو بلکل جائز و کار ثواب ہے کیو نکہ بھو کے کو کھانا کھلانا بہت بڑی نیک ہے اور اپنی ہر نیکی کا ثواب بند وایصال کر سکتا ہے البتہ میہ کھانا کھلاناشریعت کی طرف ہے لازم نہیں اور نہ ہی اے لازم سمجھ كركياجائے بلكه تواب كى نيت سے كھانا كلاياجائے۔ حضرت ابوسعيد خدرى رَضِق اللهُ تَعَالى عَنْهُ سے روايت ب كدر سول الله صَدَّى اللهُ تَعَالَى عَدَيْهِ وَالله وَسَدَّمَ في ارشاد فرمايا "جو مسلمان كسى يجوك مسلمان كو كهانا كلائ الساتعالى أس جنت کے مچل کھلائے گا اور جو مسلمان کسی پیاہے مسلمان کو پانی بلائے گا، العداتعالی اُسے رحیق مختوم (یعنی جنت کی سربند شراب) پلائے گا۔

(ترمذي، كتاب صفة القيامة والرقائق والورع، ١٨- باب، ٣ / ٣٠٢ ، الحديث: ٢٣٥٧)

اور حضرت جابر رَضِيَ اللهُ تَعَالَ عَنْهُ ب روايت ب، في اكرم صَلَى اللهُ تَعَالَ عَنَيْهِ وَالِه وَ سَلْمَ ف ارشاد فرماين "مغفرت لازم كرديخ والى چيزول بيس سے بھو كے مسلمان كو كھا اكلا ناہے۔

(متدرك، كتاب التفيير، تفيير سورة البيد، ابع م المسلم السغبان... الخ،٣ / ٣٤٢ الحديث: ٣٩٩٠)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدنى كشييرى عنى عنه 29مترالغتر 1445ھ 16ءولائى 2023ء



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- 😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل گروپ
- Phone No:+923471992267

المسال تبلغ والدان مجد المساهد المسارك المسارك والمسارك المسارك المسارك المسارك المسارك المسارك والمسارك والمسارك 3895414

الصّاء و والمسِّيلا عليا وسُول الله و المستوالية وعلى الله وعلى الله وعلى الله وعلى الله والصحابات المستوالية المستوالية

الرضاقران وفقه اكيدهي (1079)

____ کسی معزز دین کے لیے تغظیما کھڑے ہونا ____

سوال: کسی کے آنے پر احتر اما کھڑے ہوناکیاہے؟

بسم الله الرحمن الرحيم

الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق والصواب

کسی معزز دینی یاوالدین واساتذہ وغیرہ کے آنے پر احتراما کھڑے ہو ناجائز اور احادیث ہے ثابت ہے . حَكِيمُ اللَّمْت حضرت مفتى احمد بإر خان تعبى رَحْمَة الداعَلَيْه فرمات بين: معلوم بوا! قيام تعظيمي جائز ب اور انسان خواہ کتنا ہی عظمت والا ہو مگر اپنے مرَ بی (تربیت کرنے والے) کا احترِ ام کرے۔۔اس میں ہم لو گول کو تعلیم ہے کہ جب وودھ پلائے والی وائی کا بیہ ادب واحترام ہے تو سکی ماں کا ادب واحترام کیسا چاہے۔۔۔ یہ واقعہ خاص جنگ حنین کے دن کا ہے کہ حضور انور ملی ایک جنگ سے فارغ ہوئے تنهے، جماعتِ صحابہ میں تشریف فرمانھے کہ لی بی حلیمہ سعدید رَضِیَ اللّٰهُ عَنْها تشریف لائیں، حضورِ انور ملتَ فَيَا إِنَّهِ اللَّهِ كُلِّ اللَّهِ عَلَيْ اور جو جادر شريف اورْ هے ہوئے تھے ان كے ليے بچھادى،جب تك آپ(رَضِيَ اللّٰهُ عَنْها) تشریف فرمار ہیں کسی اور ہے کلام نہ فرمایا،ان ہی کی طرف متوجہ رہے، جب آپ والیس ہوئمیں (تشریف لے جانے لکیں) تو بہت تحفے عطافر مائے اور انہیں کچھ دُوُر رُ خصت کرنے لئے چند قدم تشریف کے گئے۔ پھر خود حضور ملتی الیہ نے یا کسی اور صحابی نے حاضرین سے فرمایا: بیہ حضور ما الله الله الله الله الله عليمه بين جنهول نے حضور كو دودھ بلايا ہے۔ آج كے نوجوان بيد حديثين براهيں ادر عبرت حاصل کریں کہ ہم اوگ سٹی مال کا بھی ادب نہیں کرتے۔

(مر آة المن جي شرح مثكاة المصابي، جلد كي صفحه 51، قادري پبلشر، لا بور)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليدو آلدوسلم

انتظار حسين مدني كشبيرى عفيمته 29مترالطنر1445هـ16 جولائي 2023ء



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- فقری مسائل کروپ Fiqhi Masail Group

Phone No:+923471992267

المسال تبلي والدين مج خاصد المناس 3895414



الرضاقرانوفقه اكيدمي (1080)

ر دول کا کند هول سے نیج تک بال رکھنا =

سوال: مروك لي كندهوں سے نيچ بال ركھنے كاكيا تكم ہے؟ اكثر پير كندهوں سے نيچ بال ركھتے ہيں ان كے ليے كيا تكم ہے؟ بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون البلك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

مر دوں کے لیے (چاہے کوئی پیر ہو یاعام آدمی) کندھوں سے پنچے بال رکھنا ناجائز وحرام ہے کیونکہ

اس میں عور تول سے مشابہت ہے اور عور تول سے مشابہت حرام ہے۔ بخاری شریف میں ہے: ''عن ابن

عباس رض الله عنهما قال: لعن رسول الله صلى الله عليه وسلم المتشبهين من الرجال بالنساء،

والهتشبهات من النساء بالوجال "ترجمه: حضرت ابن عباس رضی الله عنهما بیان کرتے ہیں که رسول

الله صلى الله عليه وآله وسلم نے مردوں سے مشابہت اختیار کرنے والی عور توں اور عور تول سے مشابہت

اختیار کرنے والے مر دوں پر لعنت فرمائی ہے۔

(صحیح بخاری، کتاب اللباس، باب المتشجون بالنساء، جدد صفحه 874 ، مطبوعه کراچی)

امام ابل سنت اعلى حضرت رَحْمَة اللهِ تعالَى عليه فرمات بين : عورَ تون كي طرح كند هون سے بنجے بال

(فَآوَى رَضُوبِهِ ، حِيد 21 ، صَغْحِه 600 ، رَضَافَا وَيَدْ يَشُن ، لا بور)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

کتی

انتظارحسين مدنى كشبيرى عنى عنه 29منرالغنر1445ھ16ءولائى 2023ء



ر گھنامر دکے لیے حرام ہے۔

Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

() Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

www.argfacademy.com

(آ) Fighi Masail Group فقهی مسائل کروپ

Phone No:+923471992267

10.172 947 1972207



الرضاقرانوفقه أكيدهي (1081) = لوکی پرپرده لازم ہونے کی عمر =

سوال: الركير كس عمر مين يرده كر تالازم يد؟

بسم ألله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

پکی جب پندرہ سال کی ہو جائے تواہے سب غیر محارم سے پر دہ کر ناواجب ہے اور نو سال سے پندرہ سال

تك اكر آثارِ بلوغ (ليعنى بالغ بونے كى علامات: حيض آنا يا احتلام ہونا يا حاملہ ہونا) ظاہر ہوں، تو پھر بھى پر دہ

واجب ہےاورا گرآثار بلوغ ظاہر نہ ہوں ، توپر دہ واجب تو نہیں ہے ،البتہ مستحب ضر ورہے ، خصوصاً ہارہ سال کی

ہو، تو بہت مو کد (لینی سخت تاکید ہے) کہ بیر بالیفہ ہونے اور شہوت کے کمال تک پہنینے کا قریبی زمانہ ہے البتہ

نو سال سے پہلے بھی پر دے کی عادت بچی کو ڈلوائی جائے تاکہ بچی بڑے ہو کر پر وے کی عادی ہے۔ فآاوی

رضوبه میں سیدی اعلی حضرت امام المسنت امام احمد رضاخان بریلوی رحمة القدعلیه فرماتے ہیں: "نوبرس سے

کم کی لڑکی کوپر دہ کی حاجت نہیں اور جب پندرہ ہرس کی ہوسب غیر محارم سے پر دہ واجب اور نو سے پندرہ تک

ا گرآ ثار بلوغ ظاہر ہوں تو (بھی پر وہ) واجب،اور نہ ظاہر ہوں تومُستخب خصوصا بارہ برس کے بعد بہت مؤکد " (

(فآوي رضويه جيد 23 ، صلح 639 ، رضافاه نذيش ، الاحور)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلمصلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدن كشبيرى عفيته 5 ر ڪالاول 1445 م 22 تجبر 2023 م

یعنی سخت تاکید ہے) کہ بیر زمانہ قرب بلوغ و کمال اشتہاکا ہے۔"

- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- فقپی مسائل گروپ Fiqhi Masail Group فقهی مسائل گروپ Phone No:+923471992267

3895414

ואות פקום טוצוט

براحة ايسال تواب



سوال: گریس جانداروں کے مجسمے خوبصورتی کے لیے آویزال کرنے کا کیا تھم ہے؟

بسم الله الرحمن الرحيم

الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق والصواب

جانداروں کے ایسے جسمے جس میں تصویر واضح ہو بتانااور گھروں میں سجا کر رکھنا ناجائز وحرام ہے کیونکہ اسلام میں بلاعذرِ شرعی تصویر بنانا، بنواناسخت ناجائز وحرام ہے اور ان مجسموں کا حکم تواور بھی سخت ہے کہ بیہ بت پر ستی کے مشابہ ہے۔ فتاوی رضوبہ میں اس حوالے سے ہے: ''غیر حیوان کی تصویر بت نہیں، بت ایک صورت حیوانیہ مضابات خلق اللہ میں بنائی جاتی ہے تاکہ ذوالصور ۃ کے لئے مر اُت ملاحظہ ہواور شک نہیں کہ ہر حیوائی تصویر مجسم خواہ مسطح کپڑے پر ہو یا کاغذ پر دستی ہو یا علسی اس معنی میں داخل ہے توسب معنی بت میں ہیں اور بت الله عزوجل کامبغوض ہے توجو کچھ اس کے معنی میں ہے اس کابلااہانت گھر میں ر کھناحرام اور موجب نفرت ملا مُكه كرام عليهم الصلوة والسلام- " (فرق وي رضويه ، ت 24 ، ص 634 ، رضا فاؤنيزيش ، لاهور) مزید ایک دوسرے مقام پر سیدی اعلیٰ حضرت علیہ الرحمۃ ارشاد فرماتے ہیں:''تصویر کسی صورت

حیوانیہ کے لئے مراُۃ ملاحظہ ہواوراس کا مدار صرف جبرہ پر ہے تو قطعاً یہ سب تصویریں معنی بت میں ہیں اور ان کا مکان میں باعز ازر کھنا، نصب کرنا، چو گھٹوں میں ر کھ کر دیوار پر لگانا پایر دے یاد بواریائسی او کچی رہنے والی شے یراس کامنقوش کرناا گرجہ نیم قدیاصرف چہرہ ہویاد بوار گیروں پر انسان یا حیوان کے چہرے لگانا یا پائی کے تل کے منہ بالا تھی کی بالائی شام پر کسی حیوان کا چبرہ بنوانا باالیں کسی بنی ہوئی چیز کور کھنا استعمال کرنا سب ناجائز وحرام ومانع دخول ملا تكه عليهم الصلوة والسلام _'' (فآويُ رضوبه ، ج 24 ،ص 638 ، رضافاؤنذ يشن ،لاهور)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدن كشبيرى عفينه 5 ر ڪالاول 1445 هـ 22 مخبر 2023 و



Al Raza Quran-o-Figh Academy

(3Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل کروپ



الرضاقران وفقه اكيد مى 1083

= طلق یا تقصیر خود کرنے کا تھم =

سوال: کیا فرماتے ہیں علمائے دین و مفتیان شرع متین اس مسئلہ میں کہ عمرہ کے بعد حلق یا تقصیر خود کر سکتہ ہیں ؟

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

یو چھ گئی صورت میں عظم شرع ہے کہ ج یا عمرہ کے مناسک کمل اداکرنے کے بعد جب احرام اتار نے کا وقت ہو تو حلق یا تقصیر خود بھی کر سکتے ہیں کسی اور سے حلق یا تقصیر کر وانالازم نہیں ایسے ہی ایک محرم دو سرے محرم کا حلق یا تقصیر بھی کر سکتا ہے جبکہ جج یا عمرہ کے مناسک اداکرنے کے بعد کریں۔ لباب و شرح لباب میں ہے: '' (وا ذاحلت ای المسجم (رأسه) ای رأس نفسه (أو رأس غیرہ) ای ولو کان محرم ما (عند جواز المتعلل) ای المخروج من الاحرام بأداء أفعال النسك (لم یلزمه شئ الاولی: لم یلزمه سائی ''تر جمہ: افعال جی کی ادائیگی کے بعد احرام سے نگلنے کے وقت محرم نے اپنے سریا کی دوسرے اگر چہ دوہ بھی محرم ہو، اس کے سرکا حلق کیا تودونوں پر کچھ بھی لازم نہیں ہوگا۔

(لباب وشرح لباب، بب، متاسک می، فسل فی الحق والتقمیم، ص 324 المکتہ الاحدادیة ، المعدویة)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليمو آلموسلم

انتظار حسين مدن كشيورى عنى عنه 9ركالاول 1445 م 27 تر 2023م



المسال تبليد المرتب المراج والمراج المراج والمراج المراج ا

Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

(ع Fighi Masail Group فقیی مسائل کروپ



الرضاقران وفقه أكيد مي 1084

= بدمذ هبول سے دلی نفرت رکھنا ==

سوال: كيا فرمات بين علمائ وين و مفتيان شرع متين اس مسئله مين كه كياجم بد مذهبون سے ول مين نفرت رکھ سکتے ہیں؟

عين: بسم الله الرحمن الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

ید ند هبوں سے ول میں نفرت رکھنی چاہیے اور صحیح العقیدہ مسلمانوں سے محبت رکھنی چاہیے کیونکہ اللہ کی خاطر کسی ہے محبت اور الله کی خاطر کسی ہے نفر ت رکھن افضل انگال میں ہے ہے۔ سنن ابی داؤد میں سیر ناابو ڈرر ضی اللہ عنہ ہے روایت ہے کہ حضور نبيّ رحمت، شفيّ امّت ملتّ ينه كا فرمان رحمت ب: أفضلُ الْأعْمَالِ الْحُبُ في اللهِ وَالْبُغْضُ في اللهِ يعنى الله تعالى كى خاطر کسی ہے محبت کر نااور اللہ تعالی ہی کی خاطر کسی ہے نفرت کر ناسب سے زیادہ فضیلت والاعمل ہے۔

(الوداود، جلد4 ، صنحه 264، مديث: 4599)

علامه عبدالرءوف مُناوي مليه رحمة الله الكافي إس حديث ياك كي وضاحت مين لكھتے ہيں: اليي محبّت جس ميں الله پاك كي ر صنا مقصود ہو، نمود و نمائش اور نفسانی خواہش کی آمیزش نہ ہوافضل اعمال میں ہے ہے۔ کسی مخض کا کسی نیک آ دمی ہے ول کی خوشی کی وجہ سے محبت نہ کر نابلکہ اُس کے ایمان و عرفان کی وجہ ہے محبت کرنا، نیز بُرے آ دمی سے ذاتی انتقام کے علاوہ صرف اُس کے کفراور گذہوں کی وجہ ہے تفرت کر نااقضل انتمال میں داخل ہے۔

(فيض القدير، جلد2، منحه 36، تحت الحديث: 1241 لمتعلاً)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدني كشبيرى عفينه 9ر كالاول 1445 - 27 تير 2023 و



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- فقیی مسائل کروپ Fighi Masail Group
- Phone No:+923471992267

المسل توالي الشرك مجد يدر المنافعة والمحرومي المراسي الموادية المنافعة المنافعة المنافعة المنافعة المنافعة الم 3895414



الرضاقرانوفقه أكيدهي (1085) = چيونٽيول کومارنے کا ڪم

سوال: چیونٹیاں کا ٹتی ہوں تو کیاانہیں مار ناجا رُنہ؟

شكيل كهركهر USER ID

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

بلاوجہ شرعی چیونٹیوں کومارنے کی اجازت نہیں ہاں اگر چیونٹال تکلیف پہنچاتی ہوں توخود ہے تکلیف دور کرنے کے لیے انہیں مار ناجائز ہے آلبتہ جہاں مارنے کے بجائے ہٹانے سے کام چل سکتا ہوتو پھر انہیں نہ مارا جائے مثلاً اگر کپڑوں یابدن وغیرہ پر چڑھ گئیں تو کپڑے کو جھاڑنے یا بھونک مارنے کے ذریعے بھی اِنْبِين وُور كيا جاسكما جـ فآوى منديه مين ج: قتلُ النَّهْلَةِ تَكَلَّمُوا فِيهَا، وَالْمُخْتَارُ أَنَّهُ إِذَا الْبَتَدَأَتْ بِالْأَذَى لَا بَأْسَ بِقَتْلِهَا، وَإِنْ لَمْ تَبْتَدِئُ يُكُمَّ الْعَتْلُهَا، ترجمه: جوني كوقتل كرنے كے متعلق فقهائ كرام نے کلام کیااور مختاریہ ہے کہ جب چیو نٹی تکلیف پہنچانے کی ابتداء کرے توان کومارنے میں کوئی حرج نہیں اورا گرچیونٹیاں پہل نہ کریں توان کومار نامکر وہ ہے۔

(فْنَاوِيْ مِنْدِيهِ ، جِلْدِ 5 ، صَغِيرًا 36 ، دار الكتب ، بيروت)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدني كشبيرى عفيمنه 8 ر كالاول 1445 هـ 26 تتر 2023 و



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- 🈚 Fighi Masail Group فقیی مسائل گروپ

Phone No:+923471992267

المسأل تبليد الشمشا مجمرين ويتفاده والممرزا محال ويبد الموكانية والتال البيار المسار الموادي 3895414



الرضاقران وفقه اكبيد مى (1086) =

<mark>سوال:</mark> کیااس طرح سلام کرنایااس کا جواب دینا درست ہے وعلیکم السلام ورحمۃ اللہ و برکانہ و ورجانہ و مغفرتہ؟

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

سلام کرتے ہوئے یاس کا جواب دیے ہوئے و بر کا تہ تک کہنا چاہیے اس پر کوئی لفظ زیادہ نہیں کرنا چاہیے کہ ان الفاظ پر زیادتی کرنا مناسب نہیں۔ شعب الایمان پی ہے: "سلم علیہ رجل، فقال: سلام علیك ورحمة الله وبركاته ومغفرته، فائتهوة ابن عبو، وقال: حسبت إذا انتهیت إلى وبركاته - ترجمہ: حضرت عبدالله بن عمر دَخِق الله عنظمتا كوا يك شخص نے يول سلام كيا: سلام كيا: سلام عيك ورحمة الله و بركاته ومغفرته "توآپ دَخِق الله عنْهُمَا نے أے ڈائنا اور فرما ياكہ جب تم "و بركاته" كا يہ جاؤ، توا تناسلام بى تمهيں كائى ہے۔ (شعبالا مان جلد 11، فسل فى تبغیة السلام، صغه 247، مطبوعہ كلته الرشد)

فآوی عالمگیری میں ہے: "لاینبنی أن یزاد علی البرکات شیء، قال ابن عباس رفق الله عنها لکل شیء منتهی و منتهی السلام البرکات، کذا فی البحیط "ترجمه: "برکاته" کے بعد کسی حرف کا اضافه کیا جان مناسب نہیں۔ حضرت لائن عباس تینی السلام البرکات، کذا فی البحیط "ترجمه: "برکاته" کے بعد کسی حرف کا اضافه کیا جان مناسب نہیں۔ حضرت لائن عباس تینی اللہ تقالی عنظم کا انتهاء ہے اور سلام کی انتهاء صیفی "برکات" پر ہے۔ الفتادی الفتادی المندید، جلد کی الباب السابح فی السلام، صفح 325، مطبوعہ کوئید)

والله اعلم عزوجل و رسوله اعلم صلى الله عليه و آله وسلم كتي

انتظار حسين من كشبيرى عنى عنه 8 ركالاول 1445 م 2023 م



- Al Raza Quran-o-Fiqh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- فقیی مسائل کروپ Fighi Masail Group

Phone No:+923471992267

+92313 3895414

المسلوفية المست محمد المراح المراح المراح المراجع المناوية المراجع الم



الرضاقران وفقه اكبيد ملى (1087) = مود خور كهان ميلادكانگر كهانا

سوال: سودخور کے ہاں میلاد شریف کالنگر کھاناکیساہے؟

بسم الله الرحين الرحيم الله الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

جب تک پینی طور پر پید معلوم نہ ہو کہ وہ بعینہ مال حرام ہے میلاد کا نگر کھلارہا ہے کھانا جائز ہے گر کھانے ہے بچنا بہتر ہے۔ فرق وی رضویہ میں ہے "ج بُرز بایں معنی تو ہے کہ کھائے گاتو کوئی شی حرام نہ کھائی جب تک معلوم نہ ہو کہ یہ شی جو میرے سامنے آئی بعینہ حرام ہے۔ بہ نافذ مالم نعرف شیاحرام بعینہ نص عدیہ محر رالمذھب الاء م محمد رحمہ اللہ تعالی کی فی الذخیر ہو غیر ھا، ترجمہ :ہم ای کو اغتیار کرتے ہیں جب تک کسی معین شے کے حرام ہونے کو بہچان نہ لیس چنانچہ نہ ہب قلمبند کرنے والے لام محمد رحمہ اللہ تعالی نے اس کی صراحت فر ہائی ہے جیسا کہ ذخیر ہو فیر ہ کتب میں فہ کورہے۔ مگر احراز اولی خصوصاجب کہ غالب حرام ہوخر و جاعن الخلاف و کما فی رو المحتار عن الذخیر و عن الامام ابی جعفر احب الی فی وید ان لا یا کل ویسعہ عکماان کم یکن ذلک حرام ہو خروجا عن الخلاف و کما فی رو المحتار عن الذخیر و عن الامام ابی جعفر احب الی فی وید ان لا یا کل ویسعہ عکماان کم یکن ذلک الطعام عضب اور شو ہ ترجمہ بڑا کہ اختلاف ہے نگل جائیں جیسا کہ فراؤی ش میں فرخیرہ کے حوالے سے امام ابو جعفر سے روایت کیا الطعام عضب اور شو ہ ترجمہ بڑا کہ اختلاف سے نگل جائیں جیسا کہ فراؤی ش میں و خیرہ کے حوالے سے امام ابو جعفر سے روایت کیا غصب شدہ اور شوت و غیرہ ہے ہیں یہ بات مجھے زیادہ پہند ہے کہ وہ نہ کھائے جبکہ حکم میں اس کی گنجائش ہے بشر طیکہ بعام مال غصب شدہ اور شوت و غیرہ ہے نہ ہوائے گ

(قَآوِي رَضُوبِيهِ. عِلْد 1 2 صَنْحِ 627 وَ كُتِبَةِ الْمُدِينَةِ ، كُرابِي)

انتظار حسين مدنى كشيورى عنى منه 8ركالاول 1445 م26 تير 2023،



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- (3Al Raza Quran-o-Fiqh Academy
- www.argfacademy.com
- فقری مسائل کروپ Fighi Masail Group
- Phone No:+923471992267

192313 1895414 من المريد الم



الرضاقرانوفقه اكبيد مى 1088 == كارثونيس عورت كي آواز ==

سوال: کیاعورت کسی بھی کارٹون ویڈیوز کے پیچھے اپنی آ واز لگا کر اپلوڈ کر سکتی ہے؟

بسم الله الرحين الرحيم الله الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

کارٹون میں عورت کااپنی آواز لگانا منع ہے اور اگر نغمہ بھری آواز ہو تو ناجائز ہے کہ عورت کی آواز کا بھی پردہ ہے۔سیدی اعلیٰ حضرت امام اہلسنت امام احمد رضاخان علیہ رحمہ الرحمن ایک سوال کے جواب میں فرماتے ہیں: ''ناجائز ہے کہ عورت کی آواز بھی عورت ہے اور عورت کی خوش الحانی کہ اجنبی سے محل فتنہ ہے۔''

(فآوي رضوبيه ، جلد22 ، صغحه 240 ، رضا فاؤندٌ يثن ، لا مور)

والله اعلم عزوجل و رسوله اعلم صلى الله عليه و آله وسلم كت

> انتظار حسين مدنى كشبيرى عفي عنه 8 ركالاول 1445 م26 تمر 2023 م



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- فقری مسائل کروپ Fighi Masail Group
- Phone No:+923471992267

+92313 3**895**414

على توليد المست محمد المستور المستور



الرضاقران وفقه اكيد مى (1089) = وكالت كے ميشے كا حكم =

سوال: وكالت كابيثه كيها بيشريعت كي روشني مين جواب عنايت فرمانمين ؟

USER ID ... بسم الله الرحين الرحيم الله الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

و کالت کاپیشه فی نفسه جائزے جبکه سمسی کی ناحق طر ف داری، حجوث، د هو کاد بی، خلافِ شریعت فیصله کر وانے ، ظالم کو مظلوم اور مظلوم کو ظالم بنانے ، ناحق کسی کاحق و بانے وغیر ہ ناجائز کاموں ہے بیچتے ہوئے کام کرے اور ولیل شرعی تفاضوں کے مطابق مقدمہ لڑنے کے معاہدے کی اجرت بھی لے سکتا ہے۔امام سر حسى رحمة الله تعالى عليه فرماتے بيل: "اذا وكل الرجل بالخصومة في شيح فهو جائز لانه يهلك المباشرة بنفسه فيملك هوصكه الىغيرة ليقوم فيه مقامه وقد يحتاج لذلك اما لقلة هدايته او لصيانة نفسه عن ذلك الابتدال في مجلس الخصومة وقد جرى الرسم على التوكيل على ابواب القضاء من لدن رِسولِ الله صِلى الله تعالى عليه وسلم الى يومنا هذا من غير نكير منكر وزجر زاجر "ترجمه: جب كوني تحص کسی جھکڑے میں ولیل بنائے تو یہ جائز ہے کیونکہ وہ خود بیہ کام کر سکتا ہے تو کسی اور سے کروانے کا اختیار بھی رکھتا ہے تاکہ دوسرااس کے قائم مقام ہو جائے، بسااو قات و کیل بنانے کی ضرور ت اس کئے بھی ہوتی ہے کہ مؤکل کو پوری سمچھ نہیں ہوتی یا کورٹ میں ذلت ہے بچنامقصود ہوتا ہے۔ بہر حال فیصلوں میں و کیل بنانے کاجواز نبی کریم صلی اللہ تعالی علیہ وسلم کے زمانہ مبار کہ ہے آج تک بغیر کسی انکار کے رائج ہے۔ (مبسوط سرخسي، 19، ص6)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظار حسين مدني كشبيرى عفينه 8 كالاول 1445 هـ 26 تتر 2023 و



Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

(3Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

فقیی مسائل کروپ Fighi Masail Group

Phone No:+923471992267

المسال تواب الشمش في بير - المنظمة والمن المن المن المن المن المن المناس المن المناس المن المناس المن المناس ا 3895414



الرضاقرانوفقه اكية مى 1090

الوكومنحوس سمجصنا

سوال: كياالومنحوس يرندهد؟

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

اسلام میں کسی شخص، جبّہ، چیز پاؤ قُت کو منحوس جاننے کا کوئی تصوُّر نہیں ہیہ محض و ہمی

خیالات ہوتے ہیں لہذا،الو کو منحوس سمجھنا درست نہیںالو کو منحوس سمجھنے کی حدیث پاک

میں صراحتا نفی کی گئی ہے۔ بخاری شریف میں ہے:عن ابی هدیرة رضی الله عنه، عن النبی

صلى الله عليه وسلم، قال: لاعدوى ولا طيرة ولا هامة ولا صفى ترجمه: سيرتا ابو جريره

رضی اللہ عنہ سے روایت ہے کہ نبی کریم صلی اللہ علیہ وسلم نے فرمایا " بیماری کا اڑ کر

لگنااور بدشگونی الواور صفر کی نحوست بید کوئی چیز نہیں ہے۔"

(صحيح البخاري، كتاب الطب، باب لاهامة مرقم الحديث5757)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدني كشبيرى عفينه 8 ر كالاول 1445 هـ 26 تير 2023 و



Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل گروپ

Phone No:+923471992267

المسل تبليد الشمش محديد - المنظمة من المحرار عن المبدئ الموكنية والمنال المدار المسال المدينة المارك المراجعة 3895414



الرضاقرانوفقه اكية مى 1091

بدنگائی کاانجام =

سوال: موبائل پر گندی دیڈ یوز دیکھنے کا کیا تھم ہے؟

بسم الله الرحين الرحيم الله الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

بد نگابی حرام اور جہنم میں لے جانے والا کام ہے اور اس کی بہت سی و عیدیں مر وی ہیں۔ ہدایہ میں ہے: جو شخص شہوت ہے کسی آجنییی کے حسن وجمال کو دیکھے گا قیامت کے دن اُسکی آنکھوں میں سِید پیکھلا کر ڈالا جائے گا۔"

کر ڈالا جائے گا۔"

مکاشفۃ القلوب میں منقول ہے: جو کوئی اپنی آئکھوں کو نظر حرام سے پُر کرے گا قیامت کے روزاس کی آئکھوں میں آگ بھر دی جائے گ۔ (مُکاشَفةُ الْقُلوب، صغه 10)

حضرتِ علامہ اُبُو الْفَرَحَ عبدُ الرِّحمٰن بن جَوزِی عَلَیْہِ رَحْمَۃُ اللّٰہِ القّوِی نَقْلَ کرتے ہیں :عورت کے محلان ِ

(یعنی حُسن و جمال) کو دیکھنا اہلیس کے زَہر میں بُجھے ہوئے تیر وں میں سے ایک تیر ہے، جس نے ناتحر م

سے آنکھ کی حفاظت نہ کی اُس کی آنکھ میں ہروزِ قیامت آگ کی سَلائی پھیری جا ئیگی۔ (بَرُ الدُموع، صورے ا)

والله اعلم عزوجل و رسوله اعلم صلى الله عليه و آله وسلم --

> انتظار حسين مدن كشيورى عنى عنه 8ركالاول 1445 م 26 تير 2023،



- Al Raza Quran-o-Fiqh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- فقیی مسائل کروپ Fighi Masail Group فقیی مسائل کروپ

Phone No:+923471992267

#92313 3895414

المسلوفية المست في يد ينطق المراح المديدة التيانية التي المان المراح الم



الرضاقران وفقه اكيد مى 1092

= بیوی کوحور کہنے کا حکم =

سوال: کیافرماتے ہیں علائے دین ومفتیان شرع متین اس مسئلہ میں کہ بیوی کو حور کہنایاحورے تشبیہ دینا

احقرالعباد: USER ID: بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

لفظِ حور کا معنی خوبصورت عورت جس کی آئکھوں کی پتلیاں اور بال بہت سیاہ ہوں

اوراس اعتبارے حور کا مطلب خوبصورت عورت بنتاہے، للذابیوی کو حورہ تشبیہ دینا

یا حور کہنا خوبصورتی کے لیے ہو تو جائز ہے کوئی حرج نہیں۔ مجم اللغة العربية المعاصرة میں

حور كا معنى ٢: حُور [جمع]: حَوراءُ: نساء الجنّة نساءٌ بيض أو شديدات بياض

العين مع شدة سواد الحدقة، ترجمه: حور حوراء كى جمع ہے حوراء يعنى جنتى عور تيس، اليى

عور تیں جو سفید ہوں اور آئھوں کی سفیدی زیادہ ہونے کے ساتھ آئکھ کی بتلیاں بھی بہت

(معجم اللغة العربية المعاصرة، جلد 1، صغي 579)

سياه ہوں۔

Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

www.argfacademy.com

فقین مسائل کروپ Fiqhi Masail Group فقین مسائل کروپ Phone No:+923471992267

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليمو آلموسلم

انتظار حسين مدنى كشيورى عنى عنه 9ر كالاول 1445 م27 تير 2023م



192313 يمارنيد الرث الريد بينون الرائي بين الرائي بين الرائية الريد الر



الرضاقرانوفقه اكيدهي (1093)

= عورت كامر دانه جوتا پېننا =

سوال: كيافرماتے بين علمائے دين و مفتيان شرع متين اس مسئلہ ميں كہ واش روم ميں جانے كے ليے عورت مروكي چپل پہن سكتى ہے يانبيس؟
ورت مروكي چپل پہن سكتى ہے يانبيس؟
بسم الله الرحين الرحيم
الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق والصواب

یو چھی گنی صورت میں تھم شرع میہ ہے کہ وہ جو تاجو مر و کے لیے مخصوص ہو عورت کا اے بہننا جائز نہیں ایسے ہی عورت کے لیے مخصوص مر دانہ جو تا پہننا جائز نہیں۔ فآوی رضوبہ میں امام اہل سنت الشادامام احمد رضا خان رحمۃ اللّٰہ علیہ نے ای طرح کے سوال کے جواب میں قرمایا: ناجائز (ہے)۔ رسول اللہ سی پیزفرماتے میں : لعن الله المنتشبهات من النساء بالرجال والمتشبهين من الرجال بالنساء، رواة الاثمة احمد والبخاري وابوداؤد والترمذي وابن ماجة عن ابن عباس رض الله تعالی عنهها۔اللہ کی لعنت ان عور توں پر جو مر دول ہے مشابہت پیدا کریں اور ان مر دول پر جو عور تول ہے تشہد کریں۔ (ائمہ کرام مثلًا مام احمد بخاری ، ابوداؤد ، ترمذی ، این ماجه نے اس کو حضرت عبدالله این عباس رضی الله عنبما ہے روایت کیا ہے۔)۔۔۔بلکہ بحد اللہ تعالی خاص اس جزئیہ میں حدیث حسن وارو، سنن ابوداؤد میں ہے: قبیل لعائشة ان امرأة تلبس النعل ققالت لعن رسول الله صعى الله تعالى عليه وسلم والرجلة من النساء - يعني ام المومنين صديقه رضى الله عنها __ عرض کی گئی ایک عورت مر دانہ جو تا پینتی ہے فرما یا بر سول اللہ ملٹی پینے نے لعنت فرمائی مر دانی عور تول پر۔

(فآدي رضويه ، جلد22 ، صني 173 ، مطبوعه رضافاؤ يديش لا مور)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدني كشبيرى عفيمنه 12ر كالاول 1445 ه 29 متر 2023 م



- Al Raza Quran-o-Figh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- 😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل گروپ

Phone No:+923471992267

المسل تبليد المست مجرير بالمعدد مراحى بهد الولاية التن الصال البراء المال المراجع 3895414



الرضاقران وفقه اكيد مي 1094

= ملمانوں کارا تھی باندھنا، بندھوانا =

سوال: کیا فرماتے ہیں علمائے دین و مفتیان شرع متین اس مسکلہ میں که مسلمانوں کا راکھی باندھنااور بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

مسلمانوں کے لیے راکھی باند ھنا، بند ھوانا ناجائز وحرام ہے کیونکہ میہ غیر مسلموں کا قومی شعار ہے اور

غیر مسلموں کے قومی شعار کو اپنانا، ناجائز و حرام ہے۔حضرت علامہ مفتی شریف الحق امجدی علیہ الرحمہ

تحریر فرماتے ہیں: جن مسلمان عور تول نے ہندؤوں کو بیہ ڈورا ہاندھا یا جن مسلمان مردول نے ہندو

عور توں سے میہ ڈور ابند هوا یافات و فاجر گنہگار مستحق عذاب نار ہوئے لیکن کافر نہ ہوئے اس لیے کہ بیر را تھی

بندهن يو جانبيل ان كا قومي تهوار ہے اور ان كابية قومي شعار ہے مذہبي شعار نہيں كسى بھي كافر كے قومي شعار

کو اختیار کرناحرام وگناہ ہے جیسے ہولی کھیلناہاں کسی کافر کے مذہبی شعار کو اختیار کرناضرور کفرہے مذہبی

شعار کا مطلب سے ہوتا ہے کہ وہ چیز ان کے مذہب میں عبادت ہو یاوہ چیز ان کے مذہب کی علامت ہو جیسے

چوٹی رکھناز نار باند ھنااور راکھی باند ھنانہ توان کے مذہب میں عبادت ہے اور نہ بی ان کے مذہب کی روسے

(قُلُون شُرَرٌ يَعَارى : كَتَابِ العَقَامَة بِالْبِ الْفَاظِ الْعَرْجُ 2 ص 566)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدن كشبيرى عفينه 12ر كالاول 1445 ه 29 متر 2023 م

ان کی مذہبی علامت میرایک و فتی رسم ہے۔

Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

n www.argfacademy.com

😝 Fiqhi Masail Group فقين مسائل كروب

Phone No:+923471992267

المسالكات أحمت أدير والمناف والمحرافي ميد الديدي التيانات الما المام المنافية 3895414



الرضاقرانوفقه أكية مي 1095

= مصافحہ کرکے اپناہاتھ چومنے کا تکم =

سوال: کیا فرماتے ہیں علمائے دین و مفتیان شرع متین اس مسئلہ میں کہ کسی کو سلام کر کے اپناہاتھ چو منا

تلهيرعياس :USER ID

قهيرعياس بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

یو چھی گئی صورت میں حکم شرع ہے کہ کسی کے ساتھ مصافحہ کر کے اپناہاتھ

نہیں چومنا چاہیے کیونکہ اس طرح اپنا ہاتھ چومنا مکروہ ہے۔ فتاوی ہندیہ میں

ے: روأما الكلام في تقبيل اليد) فإن قبل يد نفسه لغير لا فهو مكرولا ترجمه:

اور بہر حال ہاتھوں کو چومنے کے متعلق کلام پس اگراس نے اپناہاتھ کسی اور کے

لیے چوماتو بیہ مکروہ ہے۔

(فآوي هنديه ،الباب الثامن والعشرون ، جلد 5 ، صفحه 369 ، كوئه)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدني كشبيرى عفيمته 12ر كالأول 1445 ه 29 متر 2023م



Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

www.argfacademy.com

😝 Fiqhi Masail Group فقیی مسائل کروپ

Phone No:+923471992267

العمل تبليد النوت المحالية والمحارات المراحي البيارة المؤلوج والمناف البيار المناف المارات والمارات المراجعة 3895414



الرضاقرانوفقه اكيدمي 1096

= مردك ليے سونے جاندى كے بئن لگانا =

سوال: کیا فرماتے ہیں علمائے دین ومفتیان شرع متین اس مسئلہ میں کہ مرد کے لیے سونے چاندی کے بٹن لگانے کا کیا تھم ہے؟

شهزاده مهرعى شاد "USER ID

بسم الله الرحمن الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

مرد کے لیے بغیرز نجیروالے سونے یا جائدی کے بٹن لگانا جائز ہے جبکہ زنجیروالے سونے چاندی کے بٹن لگانا جائز نہیں کہ زنجیر زبور کے علم میں ہے اور مرد کے لیے زبور حرام ہے۔ علامہ علاؤالدین حصکفی علیہ الرحمة ورمخنار مين فرماتے بين ''لاباس بيازي او الديبياج والذهب''ترجمه: ريشم اور سونے كے بين لگانے مين (در مخار، كتاب النظر والا باحة جلد 9، مغير 586، مطبوعه كوئيه)

صدرالشریعه مفتی امجد علی اعظمی رحمة الله علیه بهار شریعت میں فرماتے ہیں: ''سونے چاندی کے بیٹن کرتے یاا چکن میں لگانا، جائز ہے، جس طرح ریشم کی گھنڈی جائز ہے بینی جبکہ بٹن بغیر زنجیر ہوں اور اگرزنجیر والے بٹن ہوں توان کااستعال ناجائز ہے کہ بیر زبور کے تھم میں ہے، جس کااستعال مر د کو ناجائز ہے۔"

(بحادثر يعت، جلد 3 ، حصه 16 ، صنحه 415 ، مكتبة المدينة ، كراجي)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدني كشبيرى عفيمنه 14 ر كالاول 1445 هـ 1 اكتر 2023 و



- Al Raza Quran-o-Fiqh Academy
- () Al Raza Quran-o-Figh Academy
- www.argfacademy.com
- فقیی مسائل گروپ Fiqhi Masail Group

Phone No:+923471992267

المسلوقيلية المحت مجمولية المتعاول محارات المسيد المواسية المتحادات المساولة المتعادات المتعادات المتعادات 3895414





الرضاقران وفقه اكيد مي 1097

عاے کے سات (7) رنگ

سوال: حضور ملی البین کے کون کون سے رنگ کا عمامہ شریف پہننا ثابت ہے ؟وکیل کے ساتھ بیان

بسم الله الرحمن الرحيم عبور تادري:USER ID
الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

سر کاریدیند صلّی اللہ تعالٰی علیه والبه وسلم نے جُدا جُدا مواقع پر مخلف رنگ کے عماموں کو سرِ آنور چومنے کی سعادت

بخشى،ان ميں سات رنگ يه بين: (1)ساه (مسلم، ص708، حديث: 1358)

- (2) قر قاني (إياساه) (نساني، ج 1، ص 846، صديث: 5353)
 - (3) زرد (ابن عساكر، ي18، ص354)
 - (4) زعفرانی (سل الحدی، ج7، ص273)
 - (5) سفيد (كشف الالتباس في استجاب اللباس، ص38)
 - (6) وهارى دار سرخ (ايوداؤد، ج1، ص82، صديث: 147)
 - (7) سبز (كشف الالتباس في استحباب اللباس، ص38)

نوث: ثابت شده رنگول میں بھی بسااو قات شرعی مصلحتوں کی بِناپر کسی خاص ایام میں یا خاص مقام پر کسی خاص رنگ کا

لباس یاعمامه شرعاممنوع ہوسکتا ہے۔

انتظار حسين مدنى كشبيرى عنى عنه 202 متر التنز 1445 م 5 جولائى 2023 ء



Al Raza Quran-o-Fiqh Academy

(3Al Raza Quran-o-Figh Academy

mww.argfacademy.com

(Fighi Masail Group فقیی مسائل کروپ



الرضاقرانوفقه اكيدهي 1098

= جعہ کے دن مرنے کی فضیلت =

سوال: جو شخص جعہ کے دن مرتاہے کیااس سے حساب، کتاب نہیں ہوتا؟

نيدرضا:USER ID

بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق والصواب

جمعہ کے دن یارات میں مرنے والے مسلمان کے لیے عذاب قبرے محفوظ رہنے کی بشار تیں احادیث

میں مروی ہیں لہذا جو مسلمان جمعہ کے دن بارات میں انقال کر جائے تواللہ کی رحمت ہے امید ہے کہ وہ

بندہ عذاب قبرے محفوظ رہے گا۔ سنن ترمذی میں سیرناعبد اللہ بن عمر رضی اللہ عنہ سے روایت ہے کہ

رسول الله طَلْحُيْلَتِكُم نے ارشاد فرمایا: ما من مسلم یہوت یوم الجبعة أو لیلة الجبعة إلا وقالا الله فتئة

القبرترجمہ: کوئی مسلمان ایسانہیں جو جمعہ کے دن یاجعہ کی رات کو فوت ہو مگریہ کہ اللہ پاک اسے قبر کے

فتنے سے محفوظ فرمالے گا۔ (سنن تر مذی، أبواب البخائز باب ماجاء فيمن مات يوم الجمعة ،الحديث 1074)

مصنف ابن عبدالرزاق ميں ہے كه رسول الله الله الله عن ارشاد فرمایا: من مات ليلة الجمعة، أديوم

الجبعة، برئ من فتنة القبر، ترجمه: جوجمعه كيرات ياجمعه كے دن مرے وہ قبر كے فتنے سے محفوظ ہے۔ (مصنف ابن عبد الرزاق، باب من مات يوم الجمعة ، ع: 3، ص: 550 ، ط: دارالتاصيل)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدنى كشبيرى عفى عنه 29 صغرالطغر1445 هـ 16 جولائي 2023 و



Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

mww.argfacademy.com

🚯 Fighi Masail Group فقیی مسائل کروپ

وعلى المستعلق وعلى الماس والمستعلق والمستع والمستعلق والمستعلق والمستعلق والمستعلق والمستعلق والمستعلق وال الصَّاوة والسِّيطلاعَلَيْكَ يُسُول لَهُ AL RAZA QURAN- FIQH ACADEMY

الرضاقرانوفقة أكيدهي 1099

= وودھ پینے کی عمر میں کلام کرنے والے بچے

سوال: ووده پنے کی عمر میں کون سے تین بچول نے کلام کیا؟

عبد القيوم:USER ID بسم الله الرحين الرحيم الجواب بعون الملك الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

د ودھ پینے کی عمر میں تین سے زائد بچوں کا کلام کر ناثابت ہے۔مفتی احمہ یار خان نعیمی رَحْمَة اللّٰهِ تَعَالٰی عَلَیْهِ فرماتے ہیں: خیال رہے کہ چند شیر خوار بچوں نے کلام کیا ہے۔(1)حضرت یوسف عَلَیْہِ الطَّلُوة وَالنَّلَام۔ (2) ہارے حضور ملی آلیم کہ آپ ملی آلیم نے پیدا ہوتے ہی حمر اللی کی۔ (3) حضرت عیسیٰ علیر الطُّلُوقة وَالنَّلَامِ (4) حضرت مريم رَضِي اللهُ تَعَالَى عَنها (5) حضرت يحيى عَلَيْم الطَّلُوة وَالنَّلَام (6) حضرت ابراہیم عَلَیْہِ الطَّلُوقة وَالسَّلَام ۔ (7) اس عورت کا بچہ جس پر زنا کی تہمت لگائی گئی تھی اور وہ بے گناہ تقى - (8) خندق والى مصيبت زّده عورت كا بحيه لعني أصحاب أخدود - (9) حضرت آسيه رَضِي اللهُ تَعَالَى عَنْها كَي كَنْكُسِي كرنے والى كابچه ــ (10) مبارك يمامه ، جس نے پيدا ہوتے ہى سر كار صلى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَاليه وسلم کے علم سے گواہی دی۔(11)جریج راہب کی گواہی دینے والا بچہ۔

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليه وآله وسلم

انتظارحسين مدنى كشبيرى عنى عنه 29 مغرالغنر 1445ھ 16ءولاكى 2023ء



Al Raza Quran-o-Figh Academy

(3Al Raza Quran-o-Figh Academy

mww.argfacademy.com

(Fighi Masail Group فقين مسائل كروب

وَالْسِيْلِاعِلَيْكُونُولُولُونَ وَالْكُونُولُولُونَ وَالْكُونُولُولُونَ الْمُعَلِّدُونَا وَالْكُونُولُولُونَ ا FIQH ACADEMY - FIQH ACADEMY الصاوة والسيطن عليات بسول انت

الرضاقرآنوفقه أكيدمي

خانه کعبه کی پہلی تغمیر کاوقت =

سوال: خانه كعبه حضرت آدم عليه السلام كو وقت تفاياكب تعمير موا؟

كوثرراجهجنگو:USER ID بسم الله الرحين الرحيم المالية المحتود المواب المال المال الوهاب اللهم هداية الحق و الصواب

الله کی عبادت کے لیے روئے زمین پر سب سے پہلا گھربیت الله مقرر ہوا تاریخی حیثیت سے دیکھا جائے توبقول علامہ احمد بن محمد قشطلانی رحمہ اللہ خانہ کعبہ کی تعمیر 10 مرتبہ ہوئی سب سے پہلی تعمیر سيدناآدم عليه السلام كى پيدائش سے دو ہزار سال قبل فرشتوں نے كى۔ فرمان بارى تعالى ہے: إِنَّ أَوَّلَ بَيْتِ وُضِعَ لِلنَّاسِ لَلَّذِي بِبَكَّةَ مُبْرَكًا وَ هُدَى لِلْعُلَمِيْنَ (96) ترجمہ: بیتک سب سے پہلا گھر جولوگوں کی عبادت کے لئے بنایا گیاوہ ہے جو مکہ میں ہے برکت والاہے اور سارے جہان والوں کے لئے ہدایت ہے۔ (القرآن، پ4،أل عمران:96)

تفسیر خازن میں ہے: حضرت آدم عَلَیْہِ السَّلَام کی تخلیق ہے دوہزار سال قبل سب ہے پہلے خانہ گعبہ فرشتوں نے تعمیر کیا۔

(تفسير خازن، جلد1، صفحہ 275، پ4، أل عمران، تحت الآية ، 96)

والله اعلم عزوجل ورسوله اعلم صلى الله عليدو آلدوسلم

انتظارحسين مدنى كشبيرى عفى عنه 5 ر كالاول 1445 هـ 22 تتبر 2023 و



Al Raza Quran-o-Figh Academy

() Al Raza Quran-o-Figh Academy

mww.argfacademy.com

🚯 Fighi Masail Group فقیی مسائل کروپ